विविध दर्पण | स्वतंत्र मत | 3

जबलपुर शनिवार 21 नवम्बर 2026 > कार्तिक शुक्ल पक्ष, द्वादशी

वर्ष 32 अंक 142 मूल्य ₹3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत



अब हर रोज दर्पण ▸▸ 3

मौसम
अधिकतम तापमान 27.6°C
न्यूनतम तापमान 10.9 °C

सूर्योदय - 6.28 | सूर्यास्त - 5.24

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।



श्रीमद्भागवत कथा का समापन, उमड़ा ... ▸▸ 4



इंटरनेशनल मेन्स डे पर गौरव खन्ना ने .. ▸▸ 7



लोह कीन यू को अपसेट कर लक्ष्य सेन ... ▸▸ 10

अच्छी खबरः बर्ड फ्लू से बचाएगी स्वदेशी वैक्सीन

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में किया लांच



भोपाल (स्वतंत्र मत)

भोपाल के वैज्ञानिकों ने मुर्गियों को बर्ड फ्लू से बचाने के लिए दुनिया की पहली स्वदेशी वैक्सीन बनाई है। इसके एक डोज की कीमत 1 से 2 रुपए होगी। पहली डोज के 21 दिन बाद बूस्टर देना होगा और इसका असर 6 महीने तक रहेगा। वैसे तो बर्ड फ्लू को मुर्गियों से फैलने वाली बीमारी माना जाता रहा है, लेकिन कहीं-कहीं गायों से इंसान में भी बर्ड फ्लू का मामला रिपोर्ट किया गया था। साल 2026 में ही दुनियाभर में इस संक्रमण के नौ मामले सामने आए, जिनमें दो लोगों की मौत हुई। यह बीमारी इतनी गंभीर हो सकती है कि संक्रमित पक्षियों में मौत का आंकड़ा लगभग 100 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। ऐसे में मुर्गियों को इस जानलेवा बीमारी से बचाने के लिए भारत ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। देश में पहली बार एच5एन1 बर्ड फ्लू वायरस के स्ट्रेन के खिलाफ स्वदेशी वैक्सीन तैयार की गई है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में इस वैक्सीन को लॉन्च किया। यह वैक्सीन न सिर्फ भारत की वैज्ञानिक क्षमता और आत्मनिर्भरता को दिखाती है, बल्कि पोल्ट्री क्षेत्र को बर्ड फ्लू जैसी गंभीर बीमारी से बचाने की दिशा में भी अहम कदम मानी जा रही है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को भोपाल में मुर्गियों को बर्ड फ्लू से बचाने के लिए देश में विकसित पहली स्वदेशी एच5एन1 वैक्सीन लॉन्च की। कार्यक्रम में वैक्सीन लॉन्च करते हुए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, यह वैक्सीन भारत की आत्मनिर्भरता का उदाहरण है। इस वैक्सीन को भोपाल स्थित आईसीएआर-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हाई सिक्योरिटी एनिमल डिजीज (राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान) ने विकसित किया है। यह संस्थान पशुओं और पक्षियों में फैलने वाली गंभीर संक्रामक बीमारियों पर रिसर्च करता है।

कार्यक्रम में वैक्सीन बनाने वाली टीम के 8 वैज्ञानिकों को सम्मानित किया गया। इनमें डॉ. एस. नागराजन, डॉ. मनोज कुमार, डॉ. सी. तोश, डॉ. एच.वी. मुरुगार, डॉ. अनिकेत सान्याल, डॉ. डी. सेंथिल कुमार, डॉ. नवीन कुमार और डॉ. आर. योगीशराध्या शामिल हैं।

भारत में निर्मित पहली वैक्सीन

यह भारत में पहली ऐसी वैक्सीन है, जिसे बेहद खतरनाक एवियन इन्फ्लूएंजा के एच5एन1 वायरस के क्लेड 2.3.2.1ए प्रकार के खिलाफ तैयार किया गया है। क्लेड का मतलब वायरस का एक खास समूह या प्रकार है, जिसकी आनुवंशिक बनावट दूसरे प्रकारों से कुछ अलग हो सकती है। हाइली पैथोजेनिक एवियन इन्फ्लूएंजा (एचपीएआई) को आम भाषा में बर्ड फ्लू कहा जाता है। यह मुर्गियों और दूसरी पक्षियों को प्रभावित करने वाली एक गंभीर बीमारी है। इस बीमारी के फैलने पर संक्रमित पक्षियों में लगभग 100 प्रतिशत तक मौतें हो सकती हैं।

इंसानों में भी संक्रमण के मामले

अमेरिका में इंसान में एच5एन1 संक्रमण का पहला मामला अप्रैल 2022 में सामने आया था। कोलोराडो में पोल्ट्री के संपर्क में आए एक कर्मचारी को इसका शिकार पाया गया था। इसके बाद अप्रैल 2024 में अमेरिका में गाय से इंसान में संक्रमण का पहला संभावित मामला सामने आया। यह मामला टेक्सास का था, जहां संक्रमित डेयरी गायों के संपर्क में आने वाले एक कर्मचारी में संक्रमण पाया गया था। पैन अमेरिकन हेल्थ ऑर्गनाइजेशन के आंकड़ों के अनुसार, साल 2003 से 7 अगस्त 2026 तक दुनिया के 25 देशों में इंसानों में एच5एन1 संक्रमण के कुल 1,002 मामलों की पुष्टि हुई है।

सीएम योगी आदित्यनाथ को मातृशोक



लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की माता सावित्री देवी का आज 89 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। उन्होंने शुक्रवार सुबह 11 बजे उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जिले के यमकेश्वर ब्लॉक स्थित अपने पैतृक गांव पंचूर में अंतिम सांस ली। जानकारी के अनुसार, शनिवार को हरिद्वार में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

एक ही पटरी पर आ गई 3 ट्रेनें

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के हावड़ा के पास दास स्टेशन पर शुक्रवार को बड़ा हादसा टल गया। यहां एक ट्रैक पर तीन गाड़ियां आ गईं। इस घटना का एक वीडियो सामने आया है, जिसे ट्रेन में बैठे यात्री ने बनाया। इसके मुताबिक, घटना दोपहर 3 बजे की है।

पटवारी को 2 हजार की घूस लेते पकड़ा

नीमच। जिले की मनासा तहसील के खानखेड़ी गांव में पदस्थ पटवारी जितेश मराठा को शुक्रवार को उज्जैन लोकायुक्त टीम ने खानखेड़ी निवासी तेजूदास बैरागी से रिश्वत लेते पकड़ा। टीम ने उनकी मोटरसाइकिल के बैग से 2 हजार रुपए जब्त किए। तेजूदास की शिकायत के मुताबिक, प्लॉट का अतिक्रमण दर्ज कराने के बदले पटवारी जितेश मराठा ने 16 हजार रुपए मांगे थे।

एमपीपीएससी ने जारी किया 2027 का एग्जाम कैलेंडर

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साल में दो बार पीएससी परीक्षा कराने के फैसले के बाद मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग ने वर्ष 2027 का प्रस्तावित परीक्षा कैलेंडर शुक्रवार को जारी कर दिया है। इसमें कुल 25 प्रतियोगी परीक्षाओं की संभावित तारीखें घोषित की गई हैं। परीक्षाएं जनवरी से अक्टूबर 2027 के बीच आयोजित होंगी। राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा 24 जनवरी 2027 को होगी। वहीं, राज्य इंजीनियरिंग सेवा परीक्षा 14 फरवरी और राज्य पात्रता परीक्षा 7 मार्च 2027 को प्रस्तावित है। पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ, सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी तथा उप संचालक एवं सहायक संचालक (तकनीकी) की परीक्षाएं 18 अप्रैल 2027 को आयोजित की जाएंगी। राज्य वन सेवा मुख्य परीक्षा 25 अप्रैल और राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा (विशेष) 2 मई को होगी। सहायक कुलसचिव परीक्षा 30 मई को, जबकि राज्य सेवा मुख्य परीक्षा 10 से 15 मई 2027 तक आयोजित की जाएगी।

न नौकरी बढ़ी, न सैलरी : राहुल

प्रधानमंत्री पर कसा तंज - ये आपका ही कबूलनामा, भक्तों से बजवाएं ताली और थाली

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फिक्की के कार्यक्रम में उद्योगपतियों से रोजगार और कर्मचारियों की तनख्वाह बढ़ाने को लेकर सवाल करने पर कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पलटवार किया है। राहुल गांधी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर प्रधानमंत्री पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मोदी का उद्योगपतियों से यह पूछना कि टैक्स में राहत देने के बावजूद उन्होंने न तो कर्मचारियों की तनख्वाह बढ़ाई और न ही नौकरियां दीं, उद्योगपतियों पर आरोप नहीं, बल्कि खुद सरकार का कबूलनामा है। राहुल गांधी ने लिखा, मोदी जी, ये उन पर आरोप नहीं, आपका कबूलनामा है। उन्होंने प्रधानमंत्री के 'भूख इतनी है कि पेट भरता ही नहीं' वाले बयान पर भी तंज कसा। कांग्रेस नेता ने कहा कि यह भूख किसकी है, पूरा देश जानता है। राहुल ने आरोप लगाया कि एयरपोर्ट, बंदरगाह, खदानें, जंगल, बिजली, कोयला और सड़कें कुछ चुनिंदा उद्योगपतियों के हवाले कर दी गईं, लेकिन इनसे कितने रोजगार पैदा हुए, इसका जवाब मिलना चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री के उद्योगपतियों से कहे गए 'आप करो, हम देख लेंगे' वाले बयान पर भी निशाना साधा।



एकाधिकार से नौकरियां पैदा नहीं होतीं

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि रोजगार देने वाले छोटे व्यापारी और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग नोटबंदी और गलत तरीके से लागू जीएसटी के कारण प्रभावित हुए। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की नीतियों ने बड़ी कंपनियों के बीच प्रतिस्पर्धा को भी कमजोर किया है। उन्होंने कहा कि एकाधिकार से नौकरियां पैदा नहीं होतीं, बल्कि महंगाई बढ़ती है और प्रतिस्पर्धा खत्म होती है।

तालियां बजाने लायक नहीं छोड़ा

राहुल गांधी ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री की नीतियों ने उद्योगपतियों, छोटे कारोबारियों, महंगाई से परेशान गरीब और मध्यम वर्ग तथा बेरोजगार युवाओं को निराश किया है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि तालियां नहीं बजने पर प्रधानमंत्री बुरा मान गए, जबकि उनकी नीतियों ने लोगों को तालियां बजाने लायक नहीं छोड़ा। अंत में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री अपने बचे-खुचे समर्थकों से ही तालियां और थालियां बजवा लें।

जयराम रमेश ने भी घेरा

कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने शुक्रवार को फिक्की के शताब्दी सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा की गई टिप्पणियों को लेकर उन पर और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, जयराम रमेश ने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी ने रोजगार और वेतन के मुद्दे पर कांग्रेस की ही बातों को दोहराया, जबकि इन्हीं बातों के लिए उन्होंने पहले विपक्षी पार्टी की आलोचना की थी। 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए कांग्रेस के घोषणापत्र का जिक्र करते हुए, सांसद ने कहा, 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए न्याय पत्र हमारा घोषणापत्र था। प्रधानमंत्री ने इस न्याय पत्र को लेकर हमारी कड़ी आलोचना की थी। उस समय, प्रधानमंत्री खुद को नॉन-बायोलॉजिकल कहते थे। उन्होंने कहा था कि यह न्याय पत्र अर्बन नक्सल सोच से भरा हुआ है। अब वे दिमागी नक्सल शब्द का इस्तेमाल करते हैं। जयराम रमेश ने दावा किया कि प्रधानमंत्री ने ऐसी बातें इसलिए कहीं क्योंकि वे अर्थव्यवस्था की स्थिति को लेकर घबराए हुए हैं।



रिपोर्टः भारत के पास 36 नहीं, 32 एक्टिव राफेल

पूर्व वायुसेना उप प्रमुख ने रिपोर्ट को गलत बताया

नई दिल्ली। ब्रिटिश एविएशन मैगजीन फ्लाइट ग्लोबल की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारत के पास 36 नहीं, 32 एक्टिव राफेल हैं। हालांकि यह नहीं बताया गया कि बाकी 4 विमान कहां हैं या उन्हें सक्रिय सूची से क्यों हटाया गया। पूर्व वायुसेना उप प्रमुख एयर मार्शल एन. तिवारी ने इस रिपोर्ट के आंकड़ों को पूरी तरह गलत बताया है। उन्होंने मैगजीन से अपने सूत्रों की विश्सनीयता की दोबारा जांच करने को कहा है। दरअसल, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान ने भारत के चार राफेल विमान मार गिराने का दावा किया था। पूर्व एयर मार्शल तिवारी ने कहा कि जिन राफेल विमानों को मार गिराने का दावा किया गया था, वे अंतरराष्ट्रीय सैन्य अभ्यासों में उड़ान भरते दिखे। फ्लाइटग्लोबल की 2027 वर्ल्ड एयर फोर्सेज डायरेक्टरी रिपोर्ट में 160 देशों के सैन्य विमान बेड़ों के आंकड़े शामिल हैं। मैगजीन में भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों की सूची में राफेल डीएच और ईएच की संख्या 32 बताई गई है। डीएच दो सीटों वाला और ईएच एक सीट वाला राफेल विमान है। भारत ने फ्रांस से कुल 36 राफेल खरीदे थे। इनमें 28 एक सीट वाले और 8 दो सीट वाले विमान शामिल हैं। पिछले साल की रिपोर्ट में मैगजीन ने 35 राफेल विमानों को सक्रिय बताया था। इस बार संख्या घटाकर 32 कर दी गई है। रिपोर्ट में इस बदलाव का कोई कारण या समर्थन में सबूत नहीं दिया गया है। यह रिपोर्ट ब्रिटेन की एविएशन डेटा और एनालिटिक्स कंपनी सीरियम के आंकड़ों के आधार पर तैयार की गई है।

बोत्सवाना से आई चीता ने चार शावकों को जन्म दिया

श्योपुर। मध्यप्रदेश के श्योपुर स्थित कूनो नेशनल पार्क में एक मादा चीता ने चार शावकों को जन्म दिया है। ढाई साल पहले मादा चीता केओएमजी 3 को प्रोजेक्ट चीता के तहत शुक्रवार को बोत्सवाना से भारत लाया गया था। चारों शावक स्वस्थ हैं। इनके जन्म के साथ ही देश में चीतों की संख्या बढ़कर 62 हो गई है। इनमें से 44 चीते भारत में ही पैदा हुए हैं। इसे वन्यजीव संरक्षण के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने खुशी जताते हुए प्रोजेक्ट चीता से जुड़े विशेषज्ञों, पशु चिकित्सकों और वनकर्मियों को बधाई दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर 17 सितंबर 2022 को नामीबिया से 8 चीते भारत लाए गए थे। फरवरी 2023 में दक्षिण अफ्रीका से 12 और फरवरी 2026 में बोत्सवाना से 9 चीते लाए गए थे।



बांग्लादेशः विदेश राज्य मंत्री के घर को जलाया

ढाका। बांग्लादेश में विदेश राज्य मंत्री हुमायूं कबीर के घर पर शुक्रवार को पेट्रोल बम फेंककर आग लगा दी गई। घटना के समय हुमायूं कबीर वहां मौजूद नहीं थे। घटना के बाद आवास की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। कबीर ने इस हमले के लिए पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने अवामी लीग को आतंकवादी संगठन बताया। कबीर ने कहा कि हिंसा के जरिए दिल्ली से किसी भगोड़े को कमर्शियल फ्लाइट से बांग्लादेश वापस नहीं लाया जा सकता। इसके लिए प्रत्यर्पण संधि का ही रास्ता अपनाया जाएगा। उन्होंने दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की बात कही है। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब शेख हसीना की वापसी की चर्चाओं और अवामी लीग द्वारा बुलाए गए लॉकडाउन के कारण बांग्लादेश के कई हिस्सों में हिंसक प्रदर्शन, तोड़फोड़ और आगजनी जारी है।



पंचायत चुनाव : सीएम के गढ़ में हारी भाजपा

राजस्थानः कांग्रेस ने 3684 सीटें जीतीं, बीजेपी को 2163 सीटें मिली

जयपुर

राजस्थान पंचायत चुनाव में शाम 6 बजे तक प्राप्त नतीजों में कांग्रेस ने 3684 से ज्यादा सीटें जीतीं है। कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। वहीं भाजपा का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। भाजपा को 2163 सीटें मिली हैं। पंचायत चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को जयपुर में बड़ा झटका लगा है। ऐसा इसलिए क्योंकि, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विधानसभा क्षेत्र सांगानेर और कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ के क्षेत्र झोटवाड़ा की पंचायत समितियों में पार्टी को करारी हार का सामना करना पड़ा। सांगानेर में भाजपा महज तीन सीटों पर सिमट गई, जबकि राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी ने आठ वार्ड जीतकर स्पष्ट बहुमत हासिल किया। वहीं, झोटवाड़ा में कांग्रेस ने आठ सीटों के साथ बहुमत हासिल किया और भाजपा को सिर्फ एक वार्ड मिला। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के संसदीय क्षेत्र जोधपुर, अर्जुन राम मेघवाल के बीकानेर और भूपेंद्र यादव के अलवर में भी बीजेपी को हार का मुंह देखना पड़ा है। इन तीनों ही इलाकों में कांग्रेस ने जीत का परचम फहराया है। राजस्थान के शहरी विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा का पूरा परिवार चुनाव हार गया है। उनकी पत्नी और दोनों बेटों को चुनाव में करारी मात मिली है। चुनाव में सबसे ज्यादा फायदा आरएलपी को हुआ है। उसने 493 सीटें जीतीं है। 624 से ज्यादा निर्दलीयों की सीटें हैं। जिला परिषद चुनाव में भी कांग्रेस आगे है। उल्लेखनीय है कि कोटा, बारां, करौली और श्रीगंगानगर को छोड़कर बाकी सभी जिलों में मतगणना हो रही है। इन चार जिलों में मतगणना को 17 दिसंबर तक के लिए टाल दिया गया है क्योंकि मौजूदा जिला परिषदों और पंचायत समितियों का पांच साल का कार्यकाल दिसंबर में पूरा हो रहा है।



पंचायत चुनाव के परिणाम

कुल सीटें- 7543
परिणाम घोषित- 7352

कांग्रेस-	3684
भाजपा -	2163
आरएलपी-	493
बीएसपी-	60
सीपीआईएम-	50
बाप -	276
आप-	2
एनपीपी-	0
निर्दलीय-	624

जिला परिषद के परिणाम

कुल सीटें- 1275
परिणाम घोषित- 890

कांग्रेस-	529
भाजपा -	285
आरएलपी-	37
बाप-	22
बीएसपी -	4
सीपीआईएम -	5
आप -	0
एनपीपी-	0
निर्दलीय -	8

दुनिया में युद्ध के बीच भारत का सभ्यता संवाद

'वैश्विक शांति' की गारंटी है सांस्कृतिक जुड़ावः मोदी

नई दिल्ली। राजधानी के ऐतिहासिक पुराना किला में पहले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) सभ्यता संवाद का भव्य आयोजन किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया और वहां लगाई गई विशेष प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस अंतरराष्ट्रीय मंच पर 15 देशों की सभ्यताओं के प्रतिनिधि शामिल हुए। उल्लेखनीय है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह पहला अवसर है, जब पाकिस्तान के मंत्री भी किसी एससीओ कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए भारत पहुंचे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज जब दुनिया भर में युद्ध और अशांति की चर्चा हो रही है, ऐसे समय में भारत में सभ्यताओं के बीच संवाद हो रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि वैश्विक शांति की सबसे मजबूत गारंटी सभ्यताओं के बीच संवाद और सांस्कृतिक जुड़ाव ही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कुछ महीने पहले ही एससीओ ने अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूरे किए हैं। बीते ढाई दशकों में इस संगठन ने सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और कनेक्टिविटी के क्षेत्र में आपसी सहयोग को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। उन्होंने विश्वास जताया कि अब सदस्य देशों के बीच सांस्कृतिक संवाद इन संबंधों को और अधिक प्रगाढ़ बनाएगा, जिससे नए विचार और अवसर पैदा होंगे तथा दुनिया को एकजुट करने में मदद मिलेगी। आयोजन स्थल की महत्ता बताते हुए उन्होंने कहा कि पुराना किला भारत की अद्भुत सांस्कृतिक धरोहर है, जिसकी ऐतिहासिक गाथाएं हजारों वर्ष पूर्व महाभारत काल तक जाती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आगे कहा कि साम्राज्यों ने दुनिया के नक्शे जरूर बदले हैं, लेकिन सभ्यताओं के बीच संवाद ने दुनिया के विचारों को बदला और उन्हें समृद्ध किया है। इसलिए एससीओ सभ्यता संवाद केवल एक औपचारिक मंच नहीं है, बल्कि यह दुनिया को नई दिशा देने का माध्यम बन सकता है।

मॉडल रोड निर्माण में सुस्ती पर सीएमओ सख्त, दिन-रात काम कराने के निर्देश

इंदिरा चौक से न्यू बस स्टैंड तक सड़क निर्माण का किया निरीक्षण, धूल और गंदगी से राहत दिलाने अधिकारियों को दिए निर्देश

शहडोल (स्वतंत्रमत)

शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के उद्देश्य से इंदिरा चौक से न्यू बस स्टैंड तक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी मार्ग पर कराए जा रहे मॉडल रोड निर्माण कार्य में तेजी लाने के लिए नगर पालिका प्रशासन ने सख्ती दिखाई है। मुख्य नगर पालिका अधिकारी आशा जितेंद्र भंडारी ने शनिवार सुबह निर्माण स्थल का निरीक्षण कर कार्य की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताई। उन्होंने संबंधित ठेकेदार को दिन और रात दोनों पालियों में निर्माण कार्य जारी रखते हुए निर्धारित समय-सीमा में काम पूरा करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सीएमओ ने कहा कि मॉडल रोड शहर का महत्वपूर्ण मार्ग है। इसके निर्माण में अनावश्यक देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने पर्याप्त श्रमिकों, मशीनों और संसाधनों की व्यवस्था कर निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही स्पष्ट किया कि निर्माण की गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता किए बिना समय पर काम पूरा किया जाए।



धूल से परेशान दुकानदारों और राहगीरों को मिलेगी राहत

सड़क निर्माण के दौरान उड़ रही धूल-मिट्टी से आसपास के दुकानदारों और राहगीरों को हो रही परेशानी पर सीएमओ ने नाराजगी जताई। उन्होंने ठेकेदार को नियमित रूप से पानी का छिड़काव कराने तथा निर्माण स्थल पर साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए। वहीं सड़क किनारे जमा कचरे को तत्काल हटाने के लिए स्वच्छता शाखा के अधिकारियों को निर्देशित किया।

विद्युत पोलों की शिफ्टिंग के लिए दोबारा होगा निरीक्षण

निरीक्षण के दौरान सीएमओ ने मार्ग पर पैदल भ्रमण कर स्थानीय दुकानदारों और नागरिकों से चर्चा की तथा उनकी समस्याएं सुनीं। विद्युत पोलों की स्थिति और शिफ्टिंग को लेकर मिली शिकायतों पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को दोबारा स्थल निरीक्षण कर नाप-जोख करने तथा आवश्यकता के अनुसार पोलों को व्यवस्थित स्थान पर शिफ्ट कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य में आने वाली बाधाओं का आपसी समन्वय से तत्काल निराकरण किया जाए। मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने अधिकारियों और ठेकेदार को निर्माण कार्य की नियमित निगरानी करने तथा प्रगति की लगातार समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नगर पालिका की प्राथमिकता नागरिकों को बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना है। मॉडल रोड का निर्माण पूरा होने से शहरवासियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और यातायात व्यवस्था भी बेहतर होगी। निरीक्षण के दौरान उपयंत्री सुखेंद्र सिंह तोमर, पुनीत त्रिपाठी, शरद द्विवेदी सहित नगर पालिका के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

पुलिस अधीक्षक ने किया थाना सिंहपुर का वार्षिक निरीक्षण, व्यवस्थाओं का लिया जायजा



शहडोल (स्वतंत्रमत)

पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय कुमार अग्रवाल ने थाना सिंहपुर का वार्षिक निरीक्षण कर थाने की व्यवस्थाओं का विस्तृत जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने थाना परिसर, कार्यालयीन व्यवस्थाओं, अभिलेखों, मालखाना, शस्त्रागार सहित विभिन्न व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने थाने में संधारित विभिन्न अभिलेखों एवं रजिस्टरों का अवलोकन किया और उनके नियमानुसार अद्यतन संधारण के निर्देश दिए। साथ ही थाना परिसर में साफ-सफाई बनाए रखने तथा सभी व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित रखने पर विशेष जोर दिया। इस दौरान लंबित अपराधों, शिकायतों एवं अन्य प्रकरणों की समीक्षा करते हुए उन्होंने सभी मामलों का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। गंभीर अपराधों में त्वरित कार्रवाई करने, अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी वैधानिक कार्रवाई करने तथा फरियादियों की शिकायतों को गंभीरता और संवेदनशीलता से सुनकर शीघ्र समाधान करने की हिदायत दी। पुलिस अधीक्षक ने क्षेत्र में नियमित गश्त एवं पेट्रोलिंग बढ़ाने, असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर सतत निगरानी रखने तथा शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया। उन्होंने पुलिसकर्मियों को अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा एवं जवाबदेही के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने तथा आमजन के साथ संवेदनशील एवं सहयोगात्मक व्यवहार रखने की समझाइश दी। पुलिस अधीक्षक ने बेहतर पुलिसिंग, अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण और आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास मजबूत करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह अंतर्गत बाइक रैली एवं विधिक सेवा प्रदर्शनी आयोजित

शहडोल (स्वतंत्रमत)

मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शहडोल काशीनाथ सिंह के मार्गदर्शन एवं जिला न्यायाधीश, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विवेक शर्मा के निर्देशन में 14 नवंबर से 20 नवंबर तक आयोजित किए जा रहे न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह के अंतर्गत 20 नवंबर को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, शहडोल द्वारा बाइक रैली का आयोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय द्वारा आयोजित विधिक सेवा प्रदर्शनी का शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण काशीनाथ सिंह, पुलिस अधीक्षक संजय अग्रवाल द्वारा किया गया। उक्त विधिक सेवा प्रदर्शनी में नालसा एवं सालसा की महत्वपूर्ण सभी योजनाओं की जानकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा उक्त संबंध में किए जा रहे महत्वपूर्ण प्रयास की झलक प्रस्तुत की गई। उक्त बाइक रैली जिला न्यायालय परिसर से प्रारंभ होकर राजेंद्र टॉकीज अंबेडकर चौराहा, गांधी चौक होते हुए, लल्लू चौक से मुड़कर नए बस स्टैंड एवं बाणगंगा होते हुए सर्किट हाउस के रास्ते पुन: जिला न्यायालय परिसर तक आयोजित हुई। कार्यक्रम में जिला न्यायाधीश कमलेश कोल, जिला न्यायाधीश कृष्णपाल सिंह, मुख्य न्यायाधीश मजिस्ट्रेट राजेंद्र सिंह सिंगार , अतिरिक्त मुख्य



न्यायिक मजिस्ट्रेट सीता शरण यादव, न्यायिक मजिस्ट्रेट श्वेता परते तिवारी, नूतन रावते, प्रीति सिंह बघेल, अरविंद मीणा, अभिसारिका माहुने, जिला विधिक सहायता अधिकारी देवेंद्र सिंह परस्ते, अध्यक्ष जिला अधिवक्ता संघ राकेश सिंह बघेल, सचिव अनिल तिवारी, यातायात प्रभारी अमित विश्वकर्मा, निरीक्षक थाना कोतवाली आर के मिश्रा सहित अन्य अधिवक्तागण, अधिकारी, कर्मचारी, मीडिया कर्मी, पैरालीगल वालंटियर, चिकित्सा विभाग की टीम एवं ट्रैफिक एवं पुलिस विभाग की टीम एवं अन्य प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कोयला उत्पादन लक्ष्य की पूर्ति और खदानों के संचालन में आ रही समस्याओं की कलेक्टर ने की समीक्षा

शहडोल (स्वतंत्रमत)

कलेक्टर पार्थ जायसवाल की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय के सोन सभागार में सीएमडीपीए, सीबीडीपीए अनुपालन, कोयला उत्पादन लक्ष्य एवं प्रेषण की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला खनिज अधिकारी राहुल शांडिल्य, खनिज निरीक्षक किशोर भोंडेखल एवं आकाश चौबे, ओमकार सिंह सहित जिले में कोयला उत्खनन एवं उत्पादन कार्यों से जुड़ी कंपनियों के प्रतिनिधि एवं खान प्रबंधक उपस्थित रहे। बैठक में राज्य शासन के निर्देशानुसार सीएमडीपीए, सीबीडीपीए के अनुपालन की स्थिति, निर्धारित कोयला उत्पादन लक्ष्यों की प्रगति, कार्यों में हो रहे विलंब तथा लक्ष्य से विचलन के कारणों की समीक्षा की गई। साथ ही निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक सुधारात्मक एवं उपचारात्मक कार्यवाही पर चर्चा की गई। कलेक्टर जायसवाल ने जिले में कोयला उत्खनन एवं उत्पादन कार्यों में संलग्न कंपनियों से वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए निर्धारित उत्पादन लक्ष्य और अब



तक हुई प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने खदानवार समीक्षा करते हुए संचालित एवं असंचालित कोयला ब्लॉकों की वर्तमान स्थिति, कंपनियों द्वारा किए जा रहे कार्यों तथा खदानों के संचालन में आ रही समस्याओं की जानकारी प्राप्त की। जिले के छह कोयला ब्लॉकों में से विचारपुर कोयला ब्लॉक का संचालन अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड तथा विक्रम कोयला ब्लॉक का संचालन बिरला कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है। वहीं शाहपुर पूर्व कोयला ब्लॉक माइनवेयर एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड, शाहपुर पश्चिम एवं सेंदूरी कोयला ब्लॉक सारडा एनर्जी एंड मिनरल्स लिमिटेड तथा मैकी नार्थ कोयला ब्लॉक मैकी साउथ माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड से संबंधित हैं। ये चारों कोयला ब्लॉक वर्तमान में असंचालित हैं। कलेक्टर ने संबंधित कंपनियों के प्रतिनिधियों को निर्देश दिए कि निर्धारित वार्षिक उत्पादन लक्ष्य के अनुरूप कार्य सुनिश्चित करें। जिन कोयला ब्लॉकों में विभिन्न कारणों से कार्य प्रारंभ नहीं हो पाया है, वहां कार्य प्रारंभ करने में आ रही बाधाओं एवं समस्याओं की स्पष्ट जानकारी प्रस्तुत करें। उन्होंने भूमि अधिग्रहण, खदान संचालन तथा उत्पादन कार्यों से संबंधित लंबित मामलों का प्राथमिकता से निराकरण कराने के निर्देश दिए। साथ ही कोयला खनन एवं उससे जुड़े कार्यों में स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में प्रभावी पहल करने को कहा। उन्होंने कंपनियों से संबंधित समाचार माध्यमों में प्रकाशित खबरों एवं उनमें उल्लेखित समस्याओं की वास्तविक स्थिति की जानकारी भी प्रशासन को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, ताकि तथ्यों के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जा सके। बैठक में कलेक्टर ने एसईसीएल प्रबंधन को खैरहा-बुढ़ार मार्ग का निर्माण शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

डॉ. नियाज अहमद को मिला राष्ट्रीय मौलाना आजाद शिक्षा शिरोमणि सम्मान



उमरिया (स्वतंत्रमत)। उमरिया जिले ही नहीं, यह पूरे प्रदेश के लिए गौरव की बात है कि 2026 के लिए आगरा स्थित बृजलोक साहित्य कला एवं संस्कृति अकादमी द्वारा शासकीय आदर्श महाविद्यालय उमरिया के प्राचार्य डॉ. नियाज अहमद अंसारी को शिक्षा, शोध एवं कुशल नेतृत्व हेतु सम्मानित किया गया है। उमरिया में 2003 से 2005 तक संविदा शिक्षक और 2005-2011 तक शासकीय रणविजय प्रताप सिंह महाविद्यालय उमरिया में अतिथि विद्वान के रूप में अध्यानरत रहते हुए पीएससी से प्रथम स्थान पर चयनोपरांत 2011 से राजनीति शास्त्र, लोक प्रशासन एवं व्यक्तित्व विकास में अध्यापनरत हैं। आपकी 6 पुस्तकें, 11 संपादित पुस्त कें एवं 100 से ज्यांदा समसामयिक, सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक एवं व्यक्तित्व विकास से संबंधित विषयों पर आधारित लेख, निबंध विभिन्नस रिसर्च जर्नल्स, प्रतियोगिता पत्रिकाओं में प्रकाशित हैं।

उल्लेखनीय है कि समसामयिक सामाजिक, आर्थिक, प्रशासनिक, अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के ज्वलंत मुद्दों, व्यक्तित्व विकास आदि विषयों पर प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए स्वतंत्र लेखन भी करतें हैं। डॉ. अन्सारी को पं.कुंजीलाल दुबे राष्ट्रीय संसदीय विद्यापीठ, भोपाल की निबंध प्रतियोगिता (2008) का प्रथम पुरस्कार मिला है। आपके अब तक आईएएस मुख्य परीक्षा हेतु उच्चकोटि के 15 मौलिक निबंध भी प्रतियागिता दर्पण में प्रथम स्थान पर पुरस्कृत तथा प्रकाशित हुए हैं। इन्हें छत्तीसगढ़ शिखर शिक्षक रत्न पुरस्कार, उत्तर प्रदेश का राजा राम मोहन राय सम्मान और हरियाणा की संस्थाओं, अकादमी द्वारा राष्ट्रीय अलंकरणों से भी नवाजा गया है। आप वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, शिक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित शोध पत्रिका ज्ञान गरिमा सिंधु (यूजीसी लिस्टेड जर्नल) के संपादकीय मंडल के सम्मानीय सदस्य भी हैं।



उमरिया (स्वतंत्रमत)

भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के युवा कार्यक्रम विभाग द्वारा विकसित व्हीबीएलवाईडी 2027 भारत चौलेंज ट्रैक के अंतर्गत जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग उमरिया के तत्वावधान में शुक्रवार, 20 नवंबर को जिला पंचायत सभागार में जिला स्तरीय पीपीटी (पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन) चौंपियनशिप का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन पुलिस अधीक्षक उमरिया विजय भगवानी के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आलोक कुमार शर्मा तथा जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी के मार्गदर्शन में किया गया। प्रतियोगिता में बच्चों ने उत्साहपूर्वक

उमरिया में जिला स्तरीय पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन का हुआ सफल आयोजन

सहभागिता करते हुए अपने विषयों पर प्रभावी, रोचक एवं ज्ञानवर्धक पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किए। प्रतिभागियों की प्रस्तुतियों में आत्मविश्वास, विषय की समझ, प्रस्तुतीकरण कौशल एवं तकनीकी दक्षता देखने को मिली।निर्णायक मंडल द्वारा प्रतिभागियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन वस्तुनिष्ठ मानदंडों के आधार पर किया गया, जिसमें विषयवस्तु, भाषा शैली,समय प्रबंधन एवं प्रस्तुतीकरण की गुणवत्ता को विशेष महत्व दिया गया। निर्णायक मंडल में प्राचार्य आदर्श महाविद्यालय डॉ. नियाज अहमद अंसारी, रणविजय प्रताप महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉ. रमेश प्रसाद कोल एवं सहायक प्राध्यापक श्रीमती रश्मि सिंह शामिल रहे। निर्णायक मंडल के अध्यक्ष श्री पी.के. सेन गुप्ता, अपर कलेक्टर एवं उपाध्यक्ष श्रीमती पूजा द्विवेदी, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग भी उपस्थित रहीं। आयोजन का उद्देश्य बच्चों में डिजिटल प्रस्तुतीकरण कौशल, रचनात्मक सोच, आत्मविश्वास एवं संचार क्षमता का विकास करना रहा। इस प्रकार की प्रतियोगिताओं से बच्चों को अपनी प्रतिभा मंच पर प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है और उनके व्यक्तित्व विकास को प्रोत्साहन मिलता है। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर विभाग द्वारा सभी प्रतिभागी बच्चों, सहयोगी स्टाफ, निर्णायक मंडल एवं मार्गदर्शक शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। आयोजन में युवा अधिकारी उमाशंकर त्रिवेदी, जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग के चरण सिंह वरकड़े, सहायक ग्रेड-2, श्रीमती रेशमा शर्मा, ब्लॉक समन्वयक पाली, अजय कुमार गुप्ता, पवन कुमार बड़ा एवं शक्ति अम्बर सहित विभागीय स्टाफ का सहयोग रहा। खेल एवं युवा कल्याण विभाग ने सभी निर्णायकों, सदस्यों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

करकेली विकासखंड के तामन्नारा में मुख्यमंत्री जन विश्वास शिविर का किया गया आयोजन

उमरिया (स्वतंत्रमत)। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत शुक्रवार, 20 नवंबर को करकेली विकासखंड के तामन्नारा ग्राम पंचायत भवन में जन विश्वास शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विधायक बांधवगढ़ शिवनारायण सिंह ने आम जन की समस्याओं का संवेदनशीलता के साथ निराकरण करते हुए पात्र व्यक्तियों को शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाया जाए। मुख्यमंत्री जी की मंशा अनुसार आयोजित किए जा रहे इस अभियान में लोगों की समस्याएं मौके पर निराकृत हो रही है साथ ही कुछ समस्याओं का नियत समय सीमा में निराकरण किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि शासन की योजनाओं व सेवाओ का लाभ प्राप्त करने में ग्रामीण जनों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो। तामन्नारा में आयोजित शिविर में जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति



में कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय एवं सीईओ जिला पंचायत अभय सिह ने आम जनों की समस्याएं सुनी तथा प्राप्त आवेदनों में विभागीय अधिकारियों को समय सीमा में निराकृत करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए गए जिनमें लोगो ने संबंधित विभाग के आवेदन प्रस्तुत किए। आवेदनों को सूचीबध्द कर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

स्थाई बस स्टैंड के अभाव और अतिक्रमण से मानपुर में बढ़ रही यातायात समस्या.!

मानपुर (स्वतंत्रमत)। मानपुर के मुख्यालय में स्थाई बस स्टैंड का अभाव और मुख्य सड़कों पर भारी अतिक्रमण क्षेत्रवासियों के लिए गंभीर परेशानी का कारण बनता जा रहा है। नगर में यातायात व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित होने से लोगों को आए दिन घंटों जाम की समस्या से जूझना पड़ रहा है, लेकिन लंबे समय से बनी इस समस्या के समाधान की दिशा में अब तक कोई ठोस पहल नजर नहीं आ रही है। मानपुर से ब्यौहारी एवं शहडोल की ओर जाने वाली दोनों प्रमुख सड़कों पर व्यापारियों द्वारा दुकानों का सामान सड़क किनारे एवं पटरियों पर फैलाकर रखे जाने से आवागमन का रास्ता लगातार संकरा होता जा रहा है। वहीं फुटकर व्यापारी भी सड़क किनारे ठेले एवं बिछौना लगाकर कारोबार करते हैं। इसके अलावा बाजार आने वाले लोग अपने वाहनों को सड़क पर ही खड़ा कर देते हैं, जिससे दिन में कई बार लंबा जाम लग जाता है। सड़क पर दर्जनों ठेले और वाहनों की मौजूदगी के बीच छोटे-बड़े वाहनों का आवागमन दुर्घटनाओं की आशंका को भी बढ़ा रहा है। इस अव्यवस्थित यातायात के बीच यदि अग्निशमन वाहन, मरीजों को लेकर जा रही एंबुलेंस, शव वाहन, स्कूली



वाहन अथवा आवश्यक कार्यों से निकलने वाले अधिकारी-कर्मचारी जाम में फंस जाएं तो स्थिति बेहद गंभीर हो सकती है। स्कूली बच्चों एवं मरीजों की सुरक्षा को लेकर भी क्षेत्रवासियों में चिंता बनी हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क किनारे स्थित कई पक्के मकान एवं दुकानें नाली और सड़क के करीब तक निर्मित हैं। इसके बावजूद भवनों के बाहर अस्थाई खंभे लगाकर टीन-टप्पर से दुकानें आगे बढ़ा दी गई हैं। ऐसे में व्यापारिक प्रतिस्पर्धा के चलते दुकानों का सामान सड़क की ओर फैलाने और फुटकर विक्रेताओं द्वारा ठेले लगाने से सड़क पर अतिक्रमण का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है।

न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह के समापन पर निकाली गई बाइक रैली

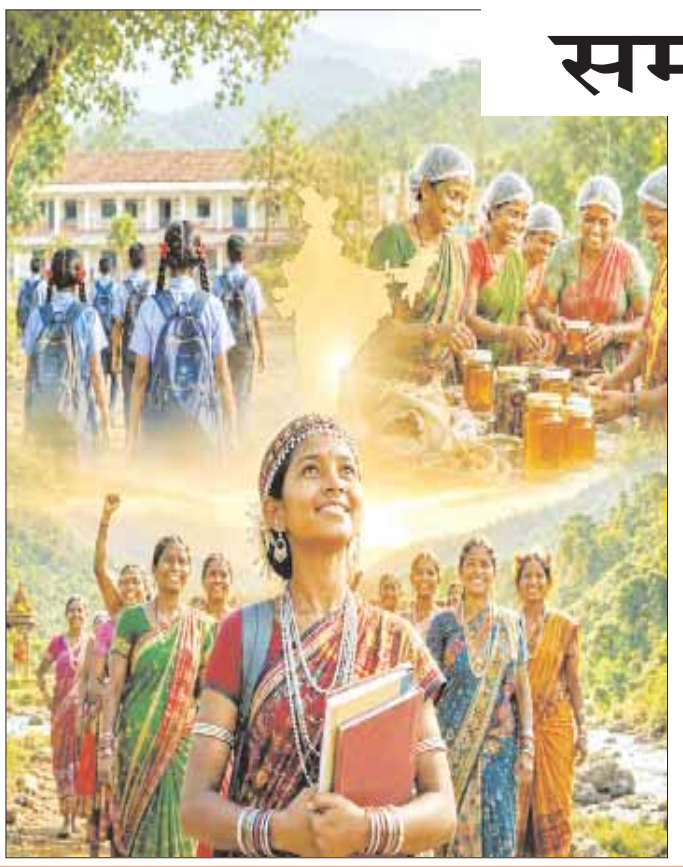
उमरिया (स्वतंत्रमत)

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उमरिया के अध्यक्ष प्रियदर्शन शर्मा के मार्गदर्शन एवं सचिव श्रीमती नजमा बेगम के निर्देशन में न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह के अंतिम दिवस पर जिला न्यायालय परिसर में बाइक एवं साइकिल रैली का आयोजन किया गया। प्रात: 10 बजे आयोजित रैली को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री प्रियदर्शन शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर न्यायालय परिसर के मुख्य द्वार से रवाना किया। रैली जिला न्यायालय परिसर से प्रारंभ होकर गांधी चौक, जय स्तंभ चौक एवं स्टेशन चौराहा होते हुए पुन: जिला



न्यायालय परिसर पहुंचकर संपन्न हुई। रैली में द्वितीय जिला न्यायाधीश श्री अहमद रज़ा, सचिव श्रीमती नजमा बेगम, तृतीय जिला न्यायाधीश श्रीमती स्वाति कुशल धारीवाल, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री दीपक कुमार अग्रवाल, अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती वीणा खलखो सहित श्री आशीष धुर्वे, श्री मोहन डावर, श्री सरफराज खान, श्री पुष्पराज सिंह, जिला अधिवक्ता संघ के पदाधिकारी एवं अधिवक्तागण, न्यायालयीन कर्मचारी, लीगल एड डिफेंस काउंसिल, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारी, पत्रकारगण एवं पैरालीगल वॉलंटियर्स शामिल हुए। इस अवसर पर न्यायालय परिसर में विधिक जागरूकता प्रदर्शनी भी लगाई गई। प्रदर्शनी में राष्ट्रीय एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं से संबंधित बैनर, पोस्टर एवं पंपलेट प्रदर्शित किए गए। साथ ही आम नागरिकों को पंपलेट वितरित कर योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आमजन को नि:शुल्क विधिक सहायता योजनाओं एवं सेवाओं के प्रति जागरूक करना तथा नागरिकों को उनके विधिक अधिकारों एवं कर्तव्यों की जानकारी प्रदान करना रहा, ताकि जरूरतमंद व्यक्ति भी बिना किसी आर्थिक बाधा के न्याय प्राप्त कर सकें।

समय के अनुसार बदलती शिक्षा पद्धति



शिक्षा किसी भी समाज और राष्ट्र के विकास का आधार होती है। शिक्षा का उद्देश्य केवल विद्यार्थियों को पुस्तकीय ज्ञान देना नहीं, बल्कि उन्हें जीवन की चुनौतियों का सामना करने योग्य बनाना भी है। समय के साथ समाज, विज्ञान, तकनीक और मानव जीवन में अनेक परिवर्तन हुए हैं। इन परिवर्तनों के साथ शिक्षा पद्धति में भी बदलाव लाना आवश्यक है। आज की शिक्षा प्राचीन शिक्षा व्यवस्था से काफी अलग है। वर्तमान समय में शिक्षा को अधिक व्यावहारिक, तकनीकी, कौशल आधारित और विद्यार्थी केंद्रित बनाया जा रहा है।

प्राचीन शिक्षा पद्धति

प्राचीन समय में शिक्षा मुख्य रूप से गुरुकुल प्रणाली पर आधारित थी। विद्यार्थी गुरु के आश्रम में रहकर शिक्षा प्राप्त करते थे। उस समय अनुशासन, नैतिक मूल्य, संस्कार, आत्मनिर्भरता और व्यवहारिक ज्ञान पर विशेष ध्यान दिया जाता था। शिक्षा का माध्यम मुख्य रूप से मौखिक था। विद्यार्थी गुरु से सुनकर, समझकर और अभ्यास करके ज्ञान प्राप्त करते थे। उस समय सीमित संसाधनों के बावजूद शिक्षा में जीवन मूल्यों का विशेष महत्व था।

आधुनिक शिक्षा पद्धति में परिवर्तन

समय के साथ शिक्षा प्रणाली में अनेक बदलाव आए हैं। पहले जहाँ शिक्षा शिक्षक केंद्रित होती थी, वहीं अब विद्यार्थी केंद्रित शिक्षा पर बल दिया जा रहा है। आधुनिक शिक्षा में केवल रटने और परीक्षा में अंक प्राप्त करने के स्थान पर समझने, सोचने, प्रश्न पूछने और समस्याओं का समाधान करने की क्षमता विकसित की जा रही है। आज स्मार्ट क्लास, डिजिटल बोर्ड, कंप्यूटर, इंटरनेट, ऑनलाइन कक्षाएँ और शैक्षिक एप्लीकेशन शिक्षा के महत्वपूर्ण साधन बन गए हैं। विद्यार्थी घर बैठे भी विभिन्न विषयों का ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं।

तकनीकी शिक्षा का बढ़ता महत्व

वर्तमान युग डिजिटल युग है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, कोडिंग, मशीन लर्निंग और इंटरनेट जैसी तकनीकों ने शिक्षा के स्वरूप को बदल दिया है। शिक्षक अब डिजिटल माध्यमों से कठिन विषयों को सरल और रोचक तरीके से समझा सकते हैं। एआई आधारित उपकरण विद्यार्थियों की व्यक्तिगत सीखने की क्षमता के अनुसार अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराने में सहायक हैं। हालांकि, तकनीक का उपयोग सोच-समझकर करना चाहिए, क्योंकि तकनीक शिक्षक का स्थान नहीं ले सकती। शिक्षक का मार्गदर्शन, संवेदनशीलता और मानवीय व्यवहार शिक्षा के लिए हमेशा आवश्यक रहेंगे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की भूमिका

भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 शिक्षा व्यवस्था में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन लेकर आई है। इसमें एक नई शैक्षणिक संरचना को अपनाया गया है। इस नीति में रटने की प्रवृत्ति को कम करके अनुभवात्मक, गतिविधि आधारित और कौशल आधारित शिक्षा पर जोर दिया गया है। इसमें मातृभाषा में शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा, रचनात्मकता, आलोचनात्मक चिंतन, समस्या समाधान और बहुविषयक शिक्षा को महत्व दिया गया है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना है।

शिक्षक की बदलती भूमिका

आज शिक्षक केवल ज्ञान देने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि मार्गदर्शक, सहयोगी और प्रेरणास्रोत बन गया है। शिक्षक को समय के अनुसार स्वयं भी नई तकनीकों और शिक्षण विधियों को सीखना आवश्यक है। कक्षा में समूह चर्चा, परियोजना कार्य, प्रयोग, खेल आधारित शिक्षण और गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को सीखने के अवसर प्रदान किए जाने चाहिए। शिक्षक को प्रत्येक विद्यार्थी की रुचि, क्षमता और सीखने की गति को समझकर शिक्षण करना चाहिए।

मूल्यांकन प्रणाली में बदलाव

पहले विद्यार्थियों की योग्यता का मूल्यांकन मुख्य रूप से लिखित परीक्षाओं और अंकों के आधार पर किया जाता था। अब सतत एवं व्यापक मूल्यांकन, परियोजना कार्य, गतिविधियों, मौखिक प्रस्तुतियों और कौशल आधारित मूल्यांकन को भी महत्व दिया जा रहा है। इससे विद्यार्थियों की वास्तविक समझ और क्षमताओं का पता चलता है।

चुनौतियां भी कम नहीं

आधुनिक शिक्षा के साथ कुछ चुनौतियाँ भी जुड़ी हुई हैं। सभी विद्यार्थियों को डिजिटल संसाधन उपलब्ध नहीं हैं। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच तकनीकी सुविधाओं का अंतर है। मोबाइल और इंटरनेट का अत्यधिक उपयोग विद्यार्थियों की एकाग्रता को प्रभावित कर सकता है। इसलिए तकनीक और पारंपरिक नैतिक मूल्यों के बीच संतुलन बनाए रखना आवश्यक है।



मुकेश तिवारी

टीचर
हितकारिणी हायर सेकेंडरी स्कूल,
गोरखपुर, जबलपुर।

हर बच्चा स्पेशल है, विशिष्ट आवश्यकताएं, चुनौतियां एवं समाधान

विशिष्ट आवश्यकता वाले बच्चों को विशेष आवश्यकता वाले अथवा अपवादात्मक बच्चे भी कहा जाता है। ये वे बच्चे होते हैं, जिनकी शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक, भावनात्मक, व्यवहारगत एवं व्यक्तित्व संबंधी विशेषताएं समान आयु के अन्य बच्चों से भिन्न होती हैं। यह भिन्नता सकारात्मक या नकारात्मक दोनों प्रकार की हो सकती है। कुछ बच्चे प्रतिभाशाली एवं सृजनशील होते हैं, जबकि कुछ बच्चों को सीखने, समझने तथा दैनिक कार्य करने में विशेष सहायता की आवश्यकता होती है।

विशिष्ट आवश्यकता वाले बच्चों के प्रमुख प्रकार

1 शारीरिक रूप से बाधित बच्चे – इनमें अस्थि बाधित, श्रवण बाधित, दृष्टि बाधित तथा वाणी बाधित बच्चे शामिल हैं।

2 बौद्धिक एवं शैक्षिक विशेषता वाले बच्चे – इनमें प्रतिभाशाली, सृजनशील, बौद्धिक दिव्यांग तथा अधिगम संबंधी कठिनाइयों वाले बच्चे शामिल हैं।

प्रमुख समस्याएं

विशिष्ट आवश्यकता वाले बच्चों को शिक्षा ग्रहण करने, सामाजिक व्यवहार, संवाद स्थापित करने तथा अपनी भावनाओं को व्यक्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। कई बार उचित पहचान एवं मार्गदर्शन के अभाव में उनकी वास्तविक क्षमताएं विकसित नहीं हो पातीं। उन्हें सामान्य बच्चों से अलग समझना, उनकी तुलना करना तथा उनकी क्षमताओं के आधार पर नकारात्मक टिप्पणी करना उनके आत्मविश्वास और आत्मसम्मान को प्रभावित कर सकता है।



समस्याओं का समाधान एवं आवश्यक उपाय

1. उचित पहचान एवं मूल्यांकन – प्रत्येक बच्चे की क्षमता, रुचि और कठिनाइयों का वैज्ञानिक एवं निष्पक्ष मूल्यांकन करना चाहिए। बिना उचित परीक्षण के किसी बच्चे को मंदबुद्धि अथवा अक्षम घोषित नहीं करना चाहिए।

2. विशेष शिक्षा एवं प्रशिक्षण – बच्चों की आवश्यकताओं के अनुसार विशेष शिक्षण पद्धति, प्रशिक्षित शिक्षकों, व्यक्तिगत शिक्षण योजनाओं की व्यवस्थाहोनी चाहिए।

3. आवश्यक उपकरण एवं शिक्षण सामग्री – श्रवण बाधित बच्चों को श्रवण यंत्र, दृष्टि बाधित बच्चों को उपयुक्त लेंस एवं सहायक उपकरण तथा अन्य बच्चों को उनकी आवश्यकता के अनुसार शिक्षण सामग्री उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

4. अभिभावकों का सहयोग – माता-पिता बच्चों को प्रोत्साहित करें, उनकी समस्याओं को समझें तथा उनके साथ धैर्य एवं संवेदनशीलता से व्यवहार करें।

5. समान अवसर एवं सम्मान – विद्यालयों में समावेशी शिक्षा को बढ़ावा दिया जाए, ताकि सभी बच्चे बिना भेदभाव के शिक्षा प्राप्त कर सकें।

विशिष्ट आवश्यकता वाले बच्चे किसी भी दृष्टि से उपेक्षा के पात्र नहीं हैं। आवश्यकता है उनकी क्षमताओं को पहचानने, कठिनाइयों को समझने और उचित अवसर प्रदान करने की। शिक्षक, अभिभावक, मनोवैज्ञानिक एवं समाज मिलकर उनके जीवन को आत्मनिर्भर, सम्मानजनक और सफल बना सकते हैं। प्रत्येक बच्चे में कुछ विशेष प्रतिभा होती है, आवश्यकता केवल उसे पहचानने और विकसित करने की है।



डॉ. श्रद्धा तिवारी

सीनियर साइकोलॉजिस्ट
गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज,
जबलपुर

मोबाइल की लत, एक गंभीर चुनौती

आज का युग डिजिटल क्रांति का युग है। मोबाइल फोन ने शिक्षा, संचार, मनोरंजन और जानकारी प्राप्त करना आसान बनाया है। लेकिन जब इसका उपयोग आवश्यकता से बढ़कर आदत और फिर लत बन जाए, तो यह हमारे स्वास्थ्य, पढ़ाई और संबंधों को प्रभावित कर सकता है। मोबाइल की लत बच्चों, किशोरों और वयस्कोंकृसभी के लिए चिंता का विषय है।

एक अदृश्य आदत

मोबाइल की लत धीरे-धीरे दैनिक जीवन में जगह बना लेती है। बार-बार नोटिफिक्रेशन देखना, बिना उद्देश्य सोशल मीडिया चलाना, लगातार गेम खेलना और हर कुछ मिनट में फोन चेक करना इसके आम संकेत हैं। कई बार व्यक्ति को एहसास भी नहीं होता कि वह मोबाइल पर कितना समय बिता रहा है। धीरे-धीरे पढ़ाई, काम, परिवार और अपनी सेहत के लिए समय कम होने लगता है।

मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर असर

सोशल मीडिया पर दूसरों के जीवन से लगातार तुलना करने से कुछ लोगों में हीनभावना, चिंता और असंतोष बढ़ सकता है। संदेशों और प्रतिक्रियाओं की प्रतीक्षा भी बेचैनी पैदा कर सकती है। बच्चों और किशोरों में अत्यधिक स्क्रीन समय एकाग्रता तथा पढ़ाई की दिनचर्या को प्रभावित कर सकता है। लंबे समय तक स्क्रीन देखने से आँखों में थकान, सिरदर्द और गर्दन या पीठ में दर्द हो सकता है। देर रात मोबाइल चलाने से नींद प्रभावित हो सकती है। इसके अलावा, मोबाइल के कारण शारीरिक गतिविधियाँ कम होने पर निष्क्रिय जीवनशैली से जुड़ी समस्याओं का जोखिम बढ़ सकता है।



परिवार और संबंधों पर प्रभाव

कई बार परिवार के सदस्य एक ही कमरे में होते हुए भी अपने-अपने मोबाइल में व्यस्त रहते हैं। इससे बातचीत और साथ बिताया समय कम हो सकता है। भोजन, पारिवारिक समारोहों और मित्रों के साथ बैठकों में बार-बार फोन देखना वास्तविक संवाद को बाधित करता है। बच्चे बड़ों को देखकर सीखते हैं, इसलिए माता-पिता का संतुलित मोबाइल उपयोग भी महत्वपूर्ण है।

लत से बचाव के उपाय

- मोबाइल इस्तेमाल करने की समय-सीमा तय करें और स्क्रीन-टाइम की नियमित जाँच करें।
- गैर-जरूरी ऐप्स के नोटिफिक्रेशन बंद रखें।
- भोजन-पारिवारिक बातचीत के दौरान फोन दूर रखें।
- सोने से पहले स्क्रीन का उपयोग कम करें और फोन को बिस्तर से दूर रखें।
- पुस्तक पढ़ने, खेल, योग, संगीत और बाहर घूमने जैसी गतिविधियों के लिए समय निकालें।
- बच्चों को केवल रोकने के बजाय उन्हें संतुलित उपयोग के कारण समझाएँ और स्वयं उदाहरण प्रस्तुत करें।

यदि मोबाइल का उपयोग नियंत्रित करना कठिन हो और उससे पढ़ाई, काम, नींद या संबंधों पर गंभीर असर पड़ रहा हो, तो मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ से सलाह लेना उचित है।

मोबाइल स्वयं बुरा नहीं है; समस्या उसका अनियंत्रित उपयोग है। तकनीक का उद्देश्य हमारे जीवन को बेहतर बनाना है, उस पर हमारा नियंत्रण छीनना नहीं। याद रखिएकृस्क्रीन के माध्यम से दुनिया देखना उपयोगी है, लेकिन उसके कारण अपने आसपास की दुनिया और अपनों से दूर हो जाना नहीं।



माधुरी शुक्ला

प्रिंसिपल
बीएमडी हितकारिणी गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल,
दीक्षितपुरा, जबलपुर।

परीक्षा में सफलता और माइंड मैप का योगदान

परीक्षा का समय विद्यार्थियों के लिए मेहनत, तैयारी और आत्मविश्वास की परीक्षा होता है। कई बार पाठ्यक्रम बड़ा होता है और उसमें बहुत-सी परिभाषाएँ, तथ्य, नियम और उदाहरण याद रखने पड़ते हैं। ऐसी स्थिति में पढ़ाई को व्यवस्थित करना कठिन लग सकता है। माइंड मैप एक ऐसा तरीका है, जो जानकारी को सरल और संक्षिप्त रूप में समझने तथा याद रखने में मदद करता है। माइंड मैप किसी विषय का चित्रों और शाखाओं के रूप में बनाया गया सार होता है। इसे बनाने के लिए पन्ने के बीच में मुख्य विषय लिखा जाता है। फिर उससे जुड़ी शाखाओं में उपविषय, उदाहरण, परिभाषाएँ और अन्य महत्त्वपूर्ण बातें लिखी जाती हैं। जैसे, इतिहास के किसी अध्याय का नाम बीच में लिखकर उसकी शाखाओं में घटनाएँ, तिथियाँ, व्यक्तियों के नाम और परिणाम लिखे जा सकते हैं। इससे पूरे अध्याय की जानकारी एक ही पन्ने पर दिखाई देती है।



माइंड मैप के लाभ

जानकारी को व्यवस्थित करता है – बड़े विषय को छोटे-छोटे भागों में बाँटने से उसे समझना आसान हो जाता है। विद्यार्थी जान पाते हैं कि कौन-सी जानकारी मुख्य है और कौन-सी सहायक।

याद रखने में मदद करता है – शब्दों, रंगों, चित्रों और संकेतों का उपयोग दिमाग को जानकारी से जोड़ने में मदद करता है। इसलिए मुख्य बिंदु लंबे समय तक याद रह सकते हैं।

जल्दी पुनरावृत्ति में उपयोगी है – परीक्षा से पहले पूरे अध्याय को दोहराने के लिए लंबे नोट्स पढ़ने पड़ सकते हैं। माइंड मैप में मुख्य बातें संक्षेप में होती हैं, इसलिए कम समय में दोहराव किया जा सकता है।

पढ़ाई को सक्रिय बनाता है –माइंड मैप बनाते समय विद्यार्थी केवल पढ़ते नहीं, बल्कि जानकारी को चुनकर अपने शब्दों में लिखते भी हैं। इससे विषय पर उनकी समझ बढ़ती है।

विषयों के बीच संबंध दिखाता है – अलग-अलग विचारों को शाखाओं से जोड़ने पर यह समझना आसान होता है कि वे एक-दूसरे से कैसे संबंधित हैं।

रचनात्मकता बढ़ाता है – विद्यार्थी अपनी पसंद के रंग, चित्र और संकेत इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे पढ़ाई अधिक रोचक बनती है और वे अपनी कल्पनाशक्ति का उपयोग करते हैं।

माइंड मैप बनाने का सही तरीका

- पन्ने के बीच में विषय का नाम लिखें।
- उससे जुड़ी मुख्य शाखाएँ बनाएँ।
- हर शाखा में छोटे और स्पष्ट शब्द लिखें।
- अलग-अलग विषयों के लिए अलग रंगों का इस्तेमाल करें।
- जरूरी तथ्यों को रेखांकित या चिह्नित करें।
- नक्शे को साफ रखें और उसमें बहुत अधिक जानकारी न भरें।

– बनाने के बाद माइंड मैप देखकर विषय को अपने शब्दों में समझाने का अभ्यास करें।

ध्यान रखने योग्य बातें

माइंड मैप उपयोगी है, लेकिन यह पाठ्यपुस्तक पढ़ने और प्रश्नों का अभ्यास करने का विकल्प नहीं है। केवल माइंड मैप बना लेने से परीक्षा की पूरी तैयारी नहीं होती। विद्यार्थियों को अध्याय ध्यान से पढ़ना, लिखकर अभ्यास करना और अपनी गलतियों को सुधारना भी जरूरी है। माइंड मैप बनाते समय इसे सजाने में आवश्यकता से अधिक समय नहीं लगाना चाहिए। इसका मुख्य उद्देश्य जानकारी को सरल और उपयोगी बनाना है।

अंततः, परीक्षा में सफलता के लिए मेहनत, नियमित अभ्यास और सही योजना आवश्यक हैं। माइंड मैप इन सभी प्रयासों को व्यवस्थित करने में सहायक हो सकता है। यदि विद्यार्थी इसे समझदारी से बनाएँ और नियमित रूप से दोहराएँ, तो कठिन विषय भी सरल लगने लगते हैं। माइंड मैप पढ़ाई का जादुई उपाय नहीं, बल्कि सीखने, समझने और परीक्षा से पहले पुनरावृत्ति करने का प्रभावी साधन है।

सीपीआर : जीवन बचाने वाली जीवनरक्षक तकनीक

जीवन अनमोल है और आपात स्थिति में उठाया गया एक सही कदम किसी की जान बचा सकता है। अचानक हृदय गति रुकने पर सीपीआर जीवनरक्षक सहायता बन सकता है। इसकी बुनियादी जानकारी केवल स्वास्थ्यकर्मियों के लिए ही नहीं, बल्कि हर नागरिक के लिए उपयोगी है।

क्या है सीपीआर?

सीपीआर एक आपातकालीन प्रक्रिया है। जब किसी व्यक्ति का हृदय प्रभावी ढंग से रक्त पंप करना बंद कर देता है, तब छाती पर दबाव देकर मस्तिष्क और शरीर के अन्य अंगों तक रक्त प्रवाह बनाए रखने का प्रयास किया जाता है। प्रशिक्षित व्यक्ति आवश्यकता के अनुसार बचाव श्वास भी दे सकता है। सीपीआर स्थायी उपचार नहीं है; यह चिकित्सा सहायता पहुँचने तक जीवन बचने की संभावना बढ़ाने का उपाय है।

समय पर सहायता क्यों जरूरी है?



हृदय गति रुकने पर मस्तिष्क और शरीर को ऑक्सीजनयुक्त रक्त मिलना कम हो जाता है। इसलिए हर मिनट महत्वपूर्ण होता है। यदि कोई व्यक्ति अचानक बेहोश हो जाए, प्रतिक्रिया न दे और सामान्य रूप से साँस न ले रहा हो, या केवल हाँफ रहा हो, तो तुरंत आपातकालीन सहायता बुलाएँ। भारत में 112 पर फोन किया जा सकता है।

सीपीआर कैसे दें?

सबसे पहले घटनास्थल की सुरक्षा जाँचें। व्यक्ति की प्रतिक्रिया और साँस देखें। यदि वह प्रतिक्रिया नहीं दे रहा और सामान्य साँस नहीं ले रहा, तो सहायता बुलाकर सीपीआर शुरू करें। वयस्क की छाती के बीचोंबीच दोनों हाथ रखकर प्रति मिनट 100 से 120 बार दबाव दें। छाती को लगभग 5 से 6 सेंटीमीटर नीचे दबाएँ और हर दबाव के बाद उसे सामान्य स्थिति में लौटने दें। यदि आप बचाव श्वास देने में प्रशिक्षित हैं, तो 30 दबावों के बाद 2 श्वास दें। प्रशिक्षित न हों या सहज महसूस न करें, तो लगातार छाती दबाव देते रहें। बच्चों और शिशुओं में सीपीआर की विधि अलग होती है। उनके लिए विशेष प्रशिक्षण लेना उचित है। आपातकालीन सेवा से फोन पर मिलने वाले निर्देशों का भी पालन करें।

प्रशिक्षण और जागरूकता

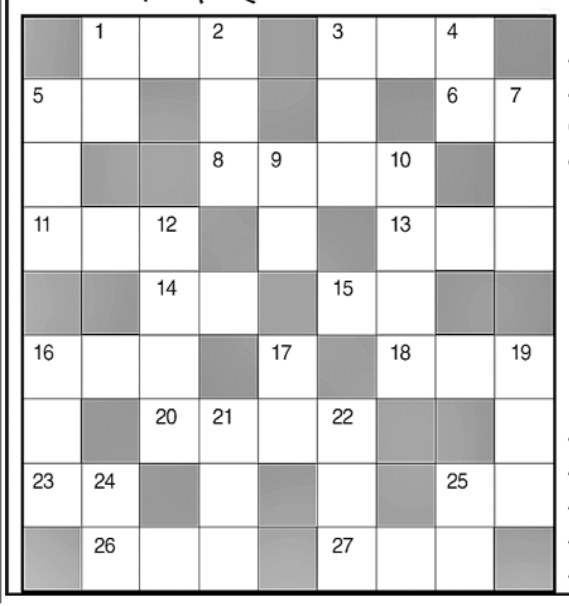
स्कूलों, कॉलेजों, कार्यालयों और सार्वजनिक स्थलों पर प्राथमिक चिकित्सा तथा सीपीआर प्रशिक्षण की व्यवस्था होनी चाहिए। प्रशिक्षण से लोगों का आत्मविश्वास बढ़ता है और वे संकट के समय सही कदम उठा पाते हैं। सीपीआर मानवता और जिम्मेदारी का प्रतीक है। समय पर सहायता बुलाना, सीपीआर देना और उपलब्ध एम्क् का उपयोग करना किसी की जान बचाने की संभावना बढ़ा सकता है। आइए, सीपीआर सीखें और दूसरों को भी जागरूक करेंकृक्योंकि हमारा एक सही कदम किसी के जीवन का सहारा बन सकता है।



शैलजा पटेरिया

टीचर, केसी हितकारिणी चिल्ड्रेन्स एकेडमी, जोन्सगंज, जबलपुर।

शब्द पहेली - 9039



बाएँ से दाएँ

1. कथा, गाथा-3
3. भगौना-3
5. पुष्पहार-2
6. वायदा, कसम-2
8. अभिष्ट इच्छापूर्ति, वर-4
11. योग्य, उपयुक्त-3
13. चिंतन, सोच-विचार-3
14. ताश का एक खेल-2
15. संजय दत्त की पहली फिल्म-2
16. चेहरा, शक्ल-3
18. चाकू, खंजर-3
20. उकसाना, चकमा देना -4
23. लक्ष, सौ हजार-2
25. ईश्वर, भगवान-2
26. विदा, गमन-3
27. लेखनी, पेन-3

ऊपर से नीचे

1. हुनर, फन-2
2. शांति, वीराना-3
3. चिलमन, ओट, घूंघट-3
4. ज्वालामुखी से निकला गर्म पदार्थ-2
5. माजरा, मुद्दा-3
7. आंगन, बरामदा-3
9. भागना (अंग्रेजी-2)
10. चटपटा, क्षारीय-4
12. कारनामा, करिश्मा-4
16. अच्छे सुर का ज्ञाता-3
17. मालिक, स्वामी-2
19. प्रेम प्रतिद्वंदी (उर्दू-3)
21. बेदखल करना-3
22. फिजूल, व्यर्थ-2
24. गधा, गर्दभ -2
25. एक प्रकार की विदेशी शराब-2

शब्द पहेली -9038 का हल

■	ह	ल	क	■	क	ल	र	व
क	द	■	हा	ज	मा	■	■	र
ह	■	ना	नी	■	ल	व	■	दा
र	च	ना	का	र	■	सा	ल	न
■	र	■	र	■	स	■	ह	■
र	स	द	■	ता	ली	ब	जा	ना
वा	■	ल	क	■	के	ला	■	ट
य	■	■	स	ज	दा	■	ना	क
त	ल	ध	र	■	र	ह	म	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत ग्राम पंचायत रोहिया (खापा) में जनसंवाद शिविर आयोजित

10 स्वसहायता समूहों को 60 लाख रुपये की सीसीएल राशि, 164 मरीजों का हुआ नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण





नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत जनपद पंचायत गोटेगांव की ग्राम पंचायत रोहिया (खापा) में जनसंवाद शिविर आयोजित किया गया। शिविर में विधायक श्री महेन्द्र नागेश, मणिनागेन्द्र सिंह फाउंडेशन के सचिव श्री सरदार सिंह पटेल, अपर कलेक्टर श्री अरविंद कुमार सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों-कर्मचारियों ने सहभागिता की। शिविर में बड़ी संख्या में हितग्राही एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

विधायक श्री नागेश ने कहा कि शासन की मंशा है कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम छोर पर खड़े पात्र व्यक्ति तक पहुंचे और आम नागरिकों की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर त्वरित निराकरण हो। इसी उद्देश्य से सरकार द्वारा विभिन्न जनकल्याणकारी अभियान एवं कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के माध्यम से शासन की सेवाओं, सुविधाओं एवं योजनाओं को सीधे आम नागरिकों तक पहुंचाने की पहल की गई है। इस अभियान के माध्यम से ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों को अपने गांव के समीप ही विभिन्न शासकीय सेवाओं का लाभ मिल रहा है। अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य जांच, कृषि एवं पशुपालन संबंधी सुविधाएं, फार्मर आईडी, आधार एवं ई-केवाईसी, स्वरोजगार, सामाजिक सुरक्षा सहित विभिन्न विभागों की योजनाओं की जानकारी एवं सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जा रही हैं।

मणिनागेन्द्र सिंह फाउंडेशन के सचिव श्री पटेल ने कहा कि शासन द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का उद्देश्य आमजन के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना और उन्हें आर्थिक एवं सामाजिक रूप से सशक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि स्वसहायता समूहों को सीसीएल एवं मुद्रा योजना के माध्यम से ऋण उपलब्ध कराना महिलाओं और युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने तथा स्वरोजगार के अवसर बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। ग्रामीणजन इन योजनाओं का लाभ लेकर अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत करें और विकास की गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाएं।

अपर कलेक्टर श्री अरविंद कुमार सिंह ने मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान की अवधारणा एवं उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, विभागीय गतिविधियों एवं नागरिकों को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने ग्रामीणजनों से शिविर में उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का लाभ लेने का आह्वान किया।

शिविर के माध्यम से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को ग्रामीणों तक पहुंचाने के साथ ही उन्हें विभिन्न शासकीय सेवाओं का लाभ उपलब्ध कराया गया। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा 10 स्वसहायता समूहों को 60 लाख रुपये की कैश क्रेडिट लिमिट (सीसीएल) स्वीकृत कर वितरित की गई। वहीं मुद्रा योजना के अंतर्गत 4 हितग्राहियों को 2 लाख रुपये के ऋण वितरित किए गए। शिविर में ग्रामीणों की समस्याओं एवं शिकायतों को भी गंभीरता से सुना गया तथा उनके निराकरण के लिए आवश्यक कार्यवाही की गई।

जनसंवाद शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा योजनाओं एवं शासकीय सेवाओं से संबंधित स्टॉल लगाए गए। अतिथियों ने इन स्टॉलों का निरीक्षण कर विभागीय गतिविधियों की जानकारी ली। विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने ग्रामीणों को शासन की विभिन्न योजनाओं की पात्रता, लाभ, आवश्यक दस्तावेज एवं आवेदन की प्रक्रिया से अवगत कराया। शिविर के माध्यम से ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी देने के साथ ही शासकीय सेवाओं तक उनकी पहुंच आसान बनाने का प्रयास किया गया।

शिविर में नागरिकों को विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। इस दौरान कुल 164 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर ओपीडी सेवाएं प्रदान की गईं। वहीं 5 गर्भवती महिलाओं की एएनसी जांच की गई तथा 124 व्यक्तियों की गैर-संचारी रोग (एनसीडी) संबंधी जांच की गई। इसके अलावा 124 एक्स-रे किए गए। शिविर में 3 हितग्राहियों को पोषण सहायता के रूप में फूड बास्केट वितरित की गईं तथा 12 हितग्राहियों की आभा आईडी भी बनाई गईं। इसी प्रकार आयुष विभाग द्वारा नि:शुल्क आयुष स्टॉल लगाया गया, जिसमें 71 हितग्राहियों ने पहुंचकर आयुष चिकित्सा पद्धति के माध्यम से स्वास्थ्य संबंधी परामर्श एवं सेवाओं का लाभ लिया।

गन्ना मूल्य 600 प्रति क्विंटल करने पर निर्णय नहीं, शुगर मिलों के प्रति हितैषी बनने की अधिकारियों में होड़!

नरसिंहपुर। भारतीय किसान संघ ने कलेक्टर की बैठक में उठाए गन्ना किसानों के हितों से जुड़े मुद्दे पर दिनांक 18 नवंबर 2024 को कलेक्ट्रेट में आयोजित बैठक में भारतीय किसान संघ ने एक बार फिर गन्ने का मूल्य ?600 प्रति क्विंटल किए जाने की मांग प्रमुखता से उठाई। साथ ही गन्ना किसानों को शुगर मिलों से होने वाली विभिन्न परेशानियों और अव्यवस्थाओं को लेकर प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया। गन्ना किसानों का भुगतान 14 दिनों के अंदर सुनिश्चित किया जाए। प्रत्येक सप्ताह कम से कम एक दिन गन्ना तौल कांटों की जांच अनिवार्य रूप से कराई जाए। किसानों की ट्रालियां 24 घंटे के अंदर खाली कराई जाएं। गन्ने का लंबित भुगतान ब्याज सहित कराया जाए।गन्ने का मूल्य बढ़ाकर ?600 प्रति क्विंटल किया जाए आदि हैं बैठक में गन्ने के मूल्य पर कोई ठोस निर्णय नहीं हो सका। बैठक के अंत में कलेक्टर महोदय के कहने पर ?5 प्रति क्विंटल की वृद्धि की बात सामने आई, लेकिन अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। एक ओर गन्ना किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के मामले में कोई ठोस निर्णय नहीं हो रहा है, वहीं दूसरी ओर प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा गुड़ भट्टी संचालकों पर दबाव बनाए जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं।ऐसा प्रतीत हो रहा है कि अधिकारियों के बीच शुगर मिलों के प्रति अपनी हितैषी छवि प्रस्तुत करने की होड़ लगी हुई है।सबसे पहले जिला पंचायत की ओर से ऐसा आदेश जारी किए जाने की जानकारी सामने आई कि बिना एनओसी किसी को बिजली का कनेक्शन नहीं दिया जाएगा। जब इस आदेश के संबंध में सवाल किया गया तो यह तर्क दिया गया कि जब गुड़ भट्टी संचालक इतना महंगा गन्ना खरीद सकते हैं, तो पंचायत को ?5,000 क्यों नहीं दे सकते? इसके बाद एक अन्य आदेश के माध्यम से 24 घंटे वाली बिजली लाइन से स्थायी कनेक्शन नहीं देने की बात सामने आई। इतना ही नहीं, गुड़ भट्टियों पर शुगर मिलों के प्रतिनिधियों के पहुंचने और भट्टी संचालकों पर गन्ने का भाव नहीं बढ़ाने के लिए दबाव बनाने की शिकायतें भी मिल रही हैं।

भारतीय किसान संघ का स्पष्ट सवाल- जब किसानों को अपनी उपज का उचित मूल्य दिलाने की बात आती है, तब प्रशासन निर्णय लेने में असमर्थ क्यों दिखाई देता है? क्या गुड़ भट्टी संचालकों को स्वतंत्र रूप से व्यापार करने का अधिकार नहीं है? क्या किसानों को अपनी उपज का उचित मूल्य दिलाने के लिए बाजार में प्रतिस्पर्धा बनाए रखना गलत है? भारतीय किसान संघ की मांग है कि प्रशासन किसी भी उद्योग विशेष के हितों के बजाय किसानों के हितों को प्राथमिकता दे। गुड़ भट्टी संचालकों पर किसी भी प्रकार का अनुचित दबाव न बनाया जाए तथा गन्ना किसानों को 600 रुपए प्रति क्विंटल मूल्य दिलाने की दिशा में तत्काल निर्णय लिया जाए। बैठक में भारतीय किसान संघ की ओर से उपस्थित प्रतिनिधि प्रांत मंत्री स्वदेश कोठारी, संभागीय अध्यक्ष अनिरुद्ध पटेल, जिला अध्यक्ष संतोष राय, कोषाध्यक्ष विष्णु पटेल, देवी सिंह , भाव सिंह , कल्याण पटेल एवं प्रमलेश दुबे जी राजेंद्र पटेल उपस्थित रहे।

नई श्रम संहिताओं पर एनटीपीसी विंध्याचल में 'श्रम संवाद' जागरूकता कार्यक्रम आयोजित



सिंगरौली (स्वतंत्र मत)

एनटीपीसी विंध्याचल ने भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय और मध्य प्रदेश शासन के श्रम विभाग के सहयोग से 17 नवंबर 2026 को 'श्रम संवाद' शीर्षक से जिला स्तरीय क्षमता निर्माण एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ), कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी), केंद्र एवं राज्य के श्रम विभागों के अधिकारियों, एनसीएल, अदानी, रिलायंस सासन सहित विभिन्न औद्योगिक संस्थानों के प्रतिनिधियों तथा मानव संसाधन पेशेवरों समेत लगभग 120 हितधारकों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य चार नई श्रम संहिताओं, वैधानिक अनुपालन, नियोक्ताओं के दायित्वों और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। तकनीकी सत्रों में श्री संजय रावत, उप सचिव, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, और सुश्री सृष्टि चतुर्वेदी, श्रम प्रवर्तन अधिकारी, ने चारों नई श्रम संहिताओं के प्रमुख प्रावधानों की जानकारी दी। श्री परितोष कुमार, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त-द्वितीय, ईपीएफओ, श्री डी. पी. बाजपेयी, श्रम अधिकारी, जिला सिंगरौली, और श्री धर्मवीर मौर्य, कल्याण प्रशासक, ने वैधानिक दायित्वों और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं पर जानकारी साझा की। इस अवसर पर एनटीपीसी विंध्याचल के श्री माहताब आलम, उप महाप्रबंधक (सीएसआर एवं आरएंडआर), श्री सुदेश राजे, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन), श्री नीरज कुमार झा, अधिकारी (मानव संसाधन) और श्री भरत तवानिया, कार्यपालक प्रशिक्षु (मानव संसाधन) उपस्थित रहे। 'श्रम संवाद' के माध्यम से एनटीपीसी विंध्याचल ने श्रम कानूनों के प्रति जागरूकता बढ़ाने, हितधारकों के बीच संवाद को प्रोत्साहित करने और कर्मचारी कल्याण को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

एनसीएल एनएससी ने लगाया नि:शुल्क हृदय एवं मस्तिष्क रोग चिकित्सा शिविर



सिंगरौली (स्वतंत्र मत)

शुक्रवार को नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) के नेहरू शताब्दी चिकित्सालय द्वारा नि:शुल्क हृदय एवं मस्तिष्क रोग चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान शिविर में अर्वाचीन हॉस्पिटल, वाराणसी के विशेषज्ञ चिकित्सक- डॉ. प्रेम शंकर (स्क्वन्नस, स्क्व-ष्टडुहस्रद्बश), कार्डियक एवं थोरेसिक सर्जन डॉ. हरेंद्र ओझा (स्क्वन्नस, स्रू, स्रष्टद्ध-ष्टञ्जङ्कस, चश्वरू मुंबई) तथा न्यूरोसर्जन डॉ. अविनाश श्रीवास्तव (स्क्वन्नस, स्रू, स्रष्टद्ध) द्वारा उपस्थित मरीजों की स्वास्थ्य जांच, चिकित्सकीय परामर्श एवं आवश्यक स्वास्थ्य संबंधी सलाह दी गई। इस अवसर पर कुल 154 लोगों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। गौरतलब है कि एनसीएल द्वारा कर्मियों और हितग्राहियों तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के उद्देश्य से ऐसे अनेक शिविरों का आयोजन किया जाता रहा है।

रोटरी क्लब गाडरवारा ने हाईस्कूल चिरहकला में 145 छात्र-छात्राओं को वितरित किए स्वेटर

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)

सामाजिक सरोकारों एवं सेवा गतिविधियों के लिए समर्पित रोटरी क्लब गाडरवारा द्वारा शासकीय हाईस्कूल चिरहकला में सेवा एवं सहयोग की भावना के साथ 145 छात्र-छात्राओं को स्वेटर वितरित किए गए। क्लब के इस सराहनीय प्रयास से विद्यार्थियों को शीत ऋतु में राहत मिलेगी। इस दौरान क्लब के मिनेन्द्र डागा ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षा और बच्चों का सर्वांगीण विकास समाज की सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। विद्यार्थियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए उनके सहयोग के लिए आगे आना हम सभी का दायित्व है। रोटरी क्लब सदैव सेवा, सहयोग और सामाजिक उत्तरदायित्व के कार्यों में अपनी सहभागिता निभाता रहा है। बच्चों के चेहरों पर खुशी देखकर ऐसे सेवा कार्यों को आगे भी जारी रखने की प्रेरणा मिलती है।क्लब अध्यक्ष शरद मोलसरिया ने कहा कि रोटरी क्लब का मूल उद्देश्य समाज के जरूरतमंद वर्गों तक सहयोग पहुँचाना और शिक्षा, स्वास्थ्य सहित विभिन्न क्षेत्रों में सकारात्मक योगदान देना है। विद्यार्थियों को स्वेटर वितरण का उद्देश्य केवल उन्हें सर्दी से बचाव के लिए वस्त्र उपलब्ध कराना ही नहीं, बल्कि उन्हें यह एहसास कराना भी है कि समाज उनके साथ खड़ा है। कार्यक्रम का संचालन आरिका सिजारिया ने किया अंत में प्राचार्य राजेश गुप्ता ने आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में अशोक राजपूत, अरुण तिवारी, सुरेन्द्र साहू, संजय गुप्ता, सुनील श्रीवास्तव, मनोज वसा, मनोज राय, दिनेश कलवानी एवं कंछेदी धानक सहित क्लब के सदस्य उपस्थित रहे। वहीं विद्यालय की ओर से शिक्षक नारायण पटेल, दीपक तिवारी, बसंत किरार, उमेश मेहरा, अमित एवं पंकज सहित समस्त स्टाफ की उपस्थिति रही।



एनटीपीसी विंध्याचल में राष्ट्रीय विधिक सेवा जागरूकता सप्ताह 2026 के तहत विधिक जागरूकता सत्र आयोजित

सिंगरौली (स्वतंत्र मत)

एनटीपीसी विंध्याचल ने राष्ट्रीय विधिक सेवा जागरूकता सप्ताह 2026 के अंतर्गत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सिंगरौली के समन्वय से 19 नवंबर 2026 को क्षेत्रीय ज्ञानार्जन संस्थान (आरएलआई) में विधिक जागरूकता सत्र आयोजित किया। सत्र में संविदा कर्मियों को नई श्रम संहिताओं के प्रमुख प्रावधानों, उनके कानूनी अधिकारों, कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम (पॉश), घरेलू हिंसा से संरक्षण, साइबर सुरक्षा तथा नि:शुल्क विधिक परामर्श एवं सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में सिंगरौली के अपर जिला दंडाधिकारी श्री धर्मेंद्र सोनी तथा श्रम अधिकारी श्री राहुल प्रधान अपनी टीम के साथ उपस्थित रहे।



एनसीएल खड़िया परियोजना में संपन्न हुई अंतर-क्षेत्रीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता 2026-27

सिंगरौली (स्वतंत्र मत)

सिंगरौली स्थित कोल इंडिया की अनुषंगी कंपनी नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) की खड़िया परियोजना में गत गुरुवार को अंतर-क्षेत्रीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता 2026-27 का समापन हुआ। यह प्रतियोगिता 17 नवंबर से 19 नवंबर 2026 तक लीग कम नॉकआउट के आधार पर खेली गई जिसमें एनसीएल की सभी परियोजना एवं इकाइयों की 12 टीमों से कुल 168 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। समापन समारोह के दौरान समापन समारोह के दौरान महाप्रबंधक (मानव संसाधन), राजेश त्रिवेदी मुख्य अतिथि के रूप मे उपस्थित रहे। इस दौरान अपने उद्बोधन में उन्होनें विजेता टीम को बधाई दी तथा उपस्थित सभी से खेल कूद गतिविधियों में हिस्सा लेने हेतु आह्वान किया। इस अवसर पर महाप्रबंधक (खड़िया) के. डी. जैन , परियोजना जेसीसी सदस्य, विभागाध्यक्षगण, स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड मेम्बर्स एवं अन्य अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहे। अंतर-क्षेत्रीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का फाइनल मैच जयंत एवं मुख्यालय की टीमों के बीच खेला गया। इस दौरान जयंत टीम ने शानदार प्रदर्शन के साथ मुख्यालय टीम को हराकर विजेता खिताब अपने नाम किया। प्रतिस्पर्धा के दौरान जगन्नाथ वैश्य (जयंत) बेस्ट प्लेयर, मुकुल सिंह (जयंत) बेस्ट सेटर , शशि कुमार वैश्य (मुख्यालय) बेस्ट लिबेरो एवं पंकज वैश्य (मुख्यालय) बेस्ट स्मैशर बने। गौरतलब है कि एनसीएल द्वारा प्रतिवर्ष अपने कर्मियों का मनोबल बढ़ाने एवं उनके शारीरिक और मानसिक विकास हेतु ऐसी अनेक खेल-कूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता रहा है।



देवउठनी एकादशी पर सेवा संकल्प ने की मां अन्नपूर्णा की पूजा-अर्चना



सतना स्वतंत्रमत। देवउठनी एकादशी के पावन पर्व पर जिला अस्पताल परिसर स्थित सेवा संकल्प में मां अन्नपूर्णा की विधि.विधान से पूजा.अर्चना कर सभी के सुखए समृद्धि एवं कल्याण की कामना की गई। इस अवसर पर सेवा संकल्प के अध्यक्ष सुरेश बड़ेरिया राजकुमार शुक्ला मधुकर पारेख श्याम लाल गुप्ता श्यामू घनश्याम सोनी गोविन्द त्रिपाठी विनोद गुप्ता खुशबू पांडेय अन्नू अग्रवाल सहित अनेक सेवादार उपस्थित रहे। सभी ने मां अन्नपूर्णा के चरणों में नमन करते हुए मानव सेवा के इस पुनीत कार्य को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया। इस अवसर पर 'सेवा संकल्प के अध्यक्ष सुरेश बड़ेरिया' ने कहा कि सेवा संकल्प का यह लंबा सफर आप सभी के सहयोग विश्वास और जनभागीदारी का परिणाम है। समाज के सहयोग से ही जरूरतमंदों की सेवा का यह कार्य निरंतर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने सभी सहयोगियों दानदाताओं एवं सेवादारों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सेवा का यह सिलसिला आगे भी इसी भावना के साथ जारी रहेगा। इस अवसर पर श्याम लाल गुप्ता श्यामू' ने कहा कि मां अन्नपूर्णा की असीम कृपा और सतना शहर के दानदाताओं एवं सेवाभावी नागरिकों के जनसहयोग से सेवा संकल्प पिछले 17 वर्षों से निरंतर दोनों समय जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराने का पुनीत कार्य कर रहा है।

नक्शा विहीन गांवों के नक्शे बनाने और स्वामित्व रजिस्ट्री कार्य में गति लायें

सतना स्वतंत्रमत

कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने राजस्व अधिकारियों एवं पटवारियों को जिले के नक्शा विहीन गांवों के नक्शे तैयार करने की कार्यवाही और स्वामित्व योजना के तहत प्लाटों की रजिस्ट्री कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिये है। राजस्व अधिकारियों की बैठक में कलेक्टर ने तहसीलवार स्वामित्व योजना, सीएम हेल्पलाइन, स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन योजना 2026 एवं एनवीडीए तथा लोक निर्माण विभाग की योजनाओं में भूमि संबंधी समन्वय के मुद्दों पर समीक्षा की। इस मौके पर अपर कलेक्टर विकास सिंह, एसडीएम महिपाल सिंह गुर्जर, राहुल सिलाडिया, एलआर जांगड़े, संदीप श्रीवास्तव, सुभाष मिश्रा, डॉ. आरती सिंह, डिप्टी कलेक्टर जितेंद्र वर्मा, संदीप परस्ते, तहसीलदार और नायब तहसीलदार उपस्थित थे। राजस्व अधिकारियों की बैठक में बताया गया कि एमपीएसईडीसी द्वारा कुल 214 गांवों के नक्शे प्रदाय किये गये थे। जिनमें 105 नक्शे डिजिटाइज्ड कराने भोपाल भेजे गये है। 109 नक्शे डिजिटाइज्ड करने के लिए शेष है। वेबजीआईएस पोर्टल पर 89 नक्शे अपलोड किये जा चुके है। शेष 16 नक्शे अपलोड के लिए शेष है। कलेक्टर ने कहा कि नक्शा विहीन गांवों के नक्शे तैयार करने के कार्य की एसडीएम प्रतिदिन समीक्षा करे। संबंधित क्षेत्र के पटवारी और तहसीलदार एसओआई कार्यालय जबलपुर से सम्पर्क कर त्रुटि पूर्ण नक्शों का सुधार दो दिवस के भीतर कराये। उन्होंने कहा कि सुनिश्चित करें कि 30 नवम्बर तक नक्शा विहीन गांवों के नक्शे तैयार कर लिये जाये। स्वामित्व योजना की रजिस्ट्री कार्य की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि 23 नवम्बर तक सभी गांवों में फर्स्ट पब्लिकेशन हो जाना चाहिए। स्वामित्व रजिस्ट्री कार्य में रहिकवारा पटवारी द्वारा कुल 1272 प्लाटों में से 1121 प्लाटों की रजिस्ट्री करने पर प्रोत्साहन दिया गया। इसी प्रकार स्वामित्व योजना के रजिस्ट्री कार्य में लापरवाही बरतने और कमजोर प्रगति पर खाम्हा पटवारी सुखेन्द्र प्रसाद पटेल, चूल्ही पटवारी गेंदराज सिंह को तीन दिन में अपेक्षित प्रगति नहीं लाये जाने पर निलंबित करने के निर्देश दिये। राजस्व विभाग की सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि सतना जिले का 17वां स्थान है।



माता शबरी के प्रेम और भक्ति के आगे नतमस्तक हुए प्रभु श्रीराम, भावविभोर हुए श्रद्धालु



गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। ग्राम कान्हरगांव में आयोजित सात दिवसीय संगीतमय श्री हनुमंत कथा के तृतीय दिवस कथा व्यास पंडित वीरेन्द्र शास्त्री महाराज ने माता शबरी की अनन्य भक्ति एवं भगवान श्रीराम के प्रति उनके अटूट प्रेम का भावपूर्ण वर्णन किया।महाराज श्री ने बताया कि माता शबरी ने वर्षों तक भगवान श्रीराम के आगमन की प्रतीक्षा की। उन्हें पूर्ण विश्वास था कि एक दिन प्रभु श्रीराम उनकी कुटिया में अवश्य आएंगे। उनकी इसी अटूट श्रद्धा और प्रेम से प्रसन्न होकर भगवान श्रीराम स्वयं माता शबरी की कुटिया पहुंचे। माता शबरी ने प्रेमपूर्वक बेर चख-चखकर भगवान को खिलाए। भगवान श्रीराम ने भी भक्त के प्रेम को सर्वोपरि मानते हुए उन बेरों को बड़े प्रेम से स्वीकार किया। महाराज श्री ने कहा कि भगवान को पाने के लिए धन-दौलत, वैभव और दिखावे की आवश्यकता नहीं है, बल्कि हृदय में सच्ची श्रद्धा, प्रेम और समर्पण होना चाहिए। माता शबरी का प्रसंग हमें सिखाता है कि भगवान की नजर में सभी भक्त समान हैं।प्रभु केवल भाव के भूखे हैं। कथा के दौरान माता शबरी के प्रसंग का श्रवण कर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। संगीतमय भजनों और धार्मिक प्रसंगों से पूरा कथा पंडाल भक्तिमय वातावरण में सराबोर रहा। बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर कथा श्रवण कर धर्मलाभ ले रहे हैं।।

भजन जैमिंग के दौरान जमकर नाचे धर्मप्रेमी, मां नर्मदा पंच चौकी महाआरती के दो वर्ष पूर्ण होने पर महिष्मति महोत्सव का आयोजन

मण्डला (स्वतंत्रमत)। मां नर्मदा की पावन नगरी मंडला स्थित महिष्मति घाट पर नमामि नर्मदे महाआरती ट्रस्ट द्वारा संचालित पंच चौकी महाआरती के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में महिष्मति महोत्सव का आयोजन किया गया। यहां पर पंच चौकी महाआरती की गई साथ ही भजन संध्या आयोजित हुई महाआरती के दौरान भव्य आतिशबाजी हुई। इस अवसर पर कलेक्टर राहुल नामदेव घोटे परिवार के साथ पहुंचे उन्होने मां नर्मदा की पूजन अर्चन करते हुये जिले की सुख शांति की कामना की वहीं एसडीएम शैलेन्द्र चौधरी, पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी, जिला पंचायत सीईओ शाश्वात मीना, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार वर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा, नगर पालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम, तहसीलदार हिमांशु भलावी, ट्रस्ट के सदस्य साध्वी मनीषा नंद , पं. नीलू महाराज, अधिवक्ता मनोज फागवानी, नीरज अग्रवाल, संजय तिवारी, प्रसन्न सराफ, उमाशंकर गुड्डू सिधिया, आशीष दुवेदी, किशोर काल्पीवार, श्रीमति सरिता अग्निहोत्री, पं. शैलेश मिश्रा मुख्य रूप से उपस्थित रहे। देवउठनी एकादशी के अवसर पर





आयोजित कार्यक्रम में भजन जैमिंग आदित्य तिवारी ग्रुप भजन संध्या के माध्यम से भक्तिमय माहौल निर्मित हुआ। हनुमान चालीसा, हनुमान अंश के भक्तिमय गीत, राधा रानी गीत और जय श्रीराम और नर्मदा अष्टक के साथ भजन संध्या की प्रस्तुति दी भक्ति गीतों के माध्यम से मां नर्मदा की महिमा का गुणगान किया गया। भजनों ने उपस्थित श्रद्धालुओं को भक्तिरस से सराबोर किया और घाट का वातावरण आध्यात्मिक रंग में रंग गया हजारों की संख्या धर्मप्रेमी महाआरती में शामिल हुये और भजन संध्या का लाभ लिया युवाओं में खास उत्साह दिखाई दिया। नमामि नर्मदे महाआरती ट्रस्ट द्वारा महिष्मति घाट पर नियमित रूप से आयोजित पंच चौकी महाआरती के दो वर्ष पूरे होने पर इस कार्यक्रम को विशेष रूप से आयोजित किया गया था। आयोजन का उद्देश्य मां नर्मदा के प्रति आस्था को प्रगाढ़ करने के साथ धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं को आगे बढ़ाना रहा महाआरती से जुड़े इस आयोजन में श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर मां नर्मदा के प्रति अपनी श्रृद्धा प्रकट की धार्मिक आयोजनों के माध्यम से समाज में आध्यात्मिक चेतना आपसी सद्भाव और नर्मदा के प्रति सम्मान की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया महिष्मति घाट की धार्मिक पहचान का महत्वपूर्ण केंद्र है। यहां होने वाले धार्मिक आयोजनों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। महिष्मति महोत्सव ने एक बार फिर मां नर्मदा के प्रति श्रद्धा और भक्ति की भावना को अभिव्यक्त किया महोत्सव ने मां नर्मदा के प्रति जनआस्था के साथ जिले की समृद्ध धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपरा को भी रेखांकित किया महिष्मति घाट पर पंचचौकी महाआरती की शुरुआत के बाद से यह आयोजन मंडला की धार्मिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। नियमित रूप से होने वाली महाआरती में स्थानीय नागरिकों के साथ दूर-दराज से आने वाले श्रृद्धालु भी शामिल होते हैं। धार्मिक अनुष्ठानों और भजनों की प्रस्तुतियों ने वातावरण को आध्यात्मिक रंग में रंग दिया वहीं आतिशबाजी ने आयोजन को आकर्षक बनाया पंचचौकी महाआरती के प्रति बढ़ती श्रद्धा का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि बीते वर्षों में देश के विभिन्न हिस्सों के साथ विदेशों में रहने वाले धर्मप्रेमी भी इससे जुड़े हैं। आयोजन से संबंधित जानकारी के अनुसार विभिन्न राज्यों से आने वाले श्रद्धालुओं के अलावा कनाडा, अमेरिका, स्पेन, रूस और यूरोप में निवासरत भक्तों ने भी मां नर्मदा की महाआरती के लिए पंजीयन कराया है। विदेश से आए श्रद्धालुओं ने भी महिष्मति घाट पहुंचकर मां नर्मदा की आराधना में सहभागिता की है। उत्तरवाहिनी नर्मदा परिक्रमा के दौरान विभिन्न राज्यों से मंडला पहुंचने वाले भक्त भी महाआरती में शामिल होकर पुण्य लाभ प्राप्त करते हैं पिछले वर्षों में अनेक विशिष्ट अतिथियों ने भी महिष्मति घाट पहुंचकर मां नर्मदा की महाआरती में सहभागिता की।

इनमें कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत, मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल, तथा अन्य जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ अधिकारी शामिल रहे हैं। मसूरी से प्रशिक्षण के लिए आए राजस्व अधिकारियों और सीआरपीएफ के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी अपने परिजनों के साथ मां नर्मदा की आराधना की है। पंचचौकी महाआरती के दो वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित महिष्मति महोत्सव ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि धार्मिक परंपराएं समाज को जोड़ने और सांस्कृतिक विरासत को सहेजने का सशक्त माध्यम हैं। मां नर्मदा के प्रति श्रद्धा, सामूहिक सहभागिता और स्वच्छता के संकल्प के साथ महिष्मति घाट की आस्था एवं सांस्कृतिक चेतना का प्रमुख केंद्र बनकर उभर रहा है।

गुरुनानक जयंती की बैठक सम्पन्न

मण्डला (स्वतंत्रमत)। श्री गुरुनानक देव का प्रकाश पर्व 24 नवंबर को सिंधी समाज के द्वारा मनाया जाएगा। इस अवसर पर धार्मिक सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की विशेष तैयारियां की जा रही हैं। पर्व के दिन सुबह 5 बजे अंबेडकर वार्ड स्थित श्री गुरुद्वारा साहिब से विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी। शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए गुरबाणी के मधुर स्वर और गुरु महिमा के जयकारों के साथ पुन: गुरुद्वारा साहिब पहुंचेगी। शोभायात्रा के समापन के बाद श्री गुरुग्रंथ साहिब के पाठ का भोग का कार्यक्रम आयोजित है। इसके पश्चात आरती-अरदास और स्वल्पाहार का आयोजन होगा। वहीं रात्रि में सामाजिक मेधावी बालक-बालिकाओं एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाले सामाजिक सदस्यों का सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा।

नियुक्ति समिति की बैठक सम्पन्न

मण्डला(स्वतंत्रमत)। कलेक्ट्रेट के गोलमेज कक्ष में कलेक्टर की अध्यक्षता में सर्व शिक्षा अभियान अंतर्गत जिला शिक्षा केंद्र की जिला नियुक्ति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान जिला शिक्षा केंद्र में सहायक परियोजना समन्वयक (एपीसी) के कुल 4 रिक्त पदों में से 2 पदों (जिनमें एपीसी बालिका शिक्षा का पद शामिल है) तथा विकासखंड स्रोत समन्वयक (बीआरसी) नारायणगंज के 1 रिक्त पद पर नियुक्ति हेतु संपूर्ण चयन प्रक्रिया की समीक्षा की गई। समिति द्वारा निर्धारित मापदंडों एवं मेरिट लिस्ट के आधार पर इन पदों पर प्रतिनियुक्ति के माध्यम से नियुक्ति का विधिवत अनुमोदन प्रदान किया गया।

महाविद्यालय में जागरूकता सत्र

मण्डला/अंजनिया(स्वतंत्रमत)। कलेक्टर के निर्देशन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विनोद परस्ते के मार्गदर्शन में शासकीय महाविद्यालय अंजनिया तहसील बिछिया में वन स्टॉप सेंटर द्वारा बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। इस दौरान वन स्टॉप सेंटर की प्रशासक सुश्री प्रेरणा मर्सकोले ने बाल विवाह के दुष्परिणामों, बाल अधिकारों तथा संबंधित कानूनी प्रावधानों की जानकारी देते हुए बताया कि 18 वर्ष से कम आयु की बालिका एवं 21 वर्ष से कम आयु के बालक का विवाह कानूनन अपराध है। बाल विवाह में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई का प्रावधान है। सत्र में पॉक्सो अधिनियम, जेंडर आधारित हिंसा, लिंग परीक्षण एवं दहेज प्रतिषेध अधिनियम सहित बाल संरक्षण से संबंधित कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन

मण्डला(स्वतंत्रमत)। कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी एवं डीपीसी समग्र शिक्षा के तत्वावधान में 16 से 18 नवम्बर तक बिंझिया में आयोजित तीन दिवसीय जिला स्तरीय समावेशी शिक्षा नोडल शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन हुआ। कार्यशाला में जिले के शासकीय हाई एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों के नोडल शिक्षकों ने सहभागिता की प्रशिक्षण में विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों की पहचान समावेशी शिक्षण पद्धति बोर्ड परीक्षा की सुविधाएं स्व-निर्मित शिक्षण सामग्री बीएएलए तथा कक्षा 9 से 12वीं तक विद्यार्थी-केंद्रित शिक्षण तकनीकों पर प्रशिक्षण दिया गया।

वोट रक्षक अभियान को गति देने बैठक



मण्डला(स्वतंत्रमत)। मतदाता सूची के सत्यापन और लोकतंत्र की रक्षा के उद्देश्य से कांग्रेस ने वोट रक्षक अभियान को गति देने की पहल शुरू कर दी है। इसी क्रम में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के पर्यवेक्षक विमल शाह और मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव गुरमीत सिंह ने मंडला पहुंचकर पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ बैठके की। दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान नैनपुर में चौपाल और मंडला में दीपावली मिलन समारोह एवं कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया इसमें बूथ स्तर पर वोट रक्षकों की नियुक्ति मतदाता सूची के सत्यापन और संगठन को मजबूत बनाने की रणनीति पर चर्चा हुई कांग्रेस ने मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में 10 से 20 अक्टूबर तक चलाए गए वोट बचाओ-देश बचाओ अभियान और वोट चोर-गद्दी छोड़ रैली के बाद अब अभियान के अगले चरण में चौपाल कार्यक्रम शुरू किया है। इसके तहत मतदान केंद्र स्तर पर वोट रक्षकों की नियुक्ति कर मतदाता सूची के सत्यापन का कार्य किया जाएगा। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष डॉ. अशोक मर्सकोले ने कहा कि वोट रक्षक अभियान लोकतंत्र की रक्षा से जुड़ा महत्वपूर्ण अभियान है। प्रत्येक मतदान केंद्र पर सक्रिय और जिम्मेदार वोट रक्षक की भूमिका मतदाता सूची की शुद्धता तथा मतदान प्रक्रिया की पारदर्शिता के लिए अहम है।

श्रीमद्भागवत कथा का समापन, उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

जिले के नैनपुर तहसील अंतर्गत ग्राम पिंडरई में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का श्रद्धा भक्ति और उत्साह के वातावरण में समापन हुआ। 12 नवंबर से 18 नवंबर तक आयोजित इस धार्मिक आयोजन में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर कथा श्रवण किया और धर्मलाभ अर्जित किया। कथा के समापन अवसर पर आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले दानदाताओं प्रतिनिधियों और पत्रकारों का सम्मान किया गया। उन्हें अंगवस्त्र एवं स्मृति चिह्न भेंट कर उनके योगदान के प्रति आभार व्यक्त किया गया ग्राम पिंडरई में आयोजित इस धार्मिक अनुष्ठान में कथा वाचक पं. विपिन बिहारी जी



महाराज ने श्रीमद्भागवत कथा के विभिन्न प्रसंगों के माध्यम से श्रद्धालुओं को धर्म भक्ति सदाचार और जीवन मूल्यों का संदेश दिया। सात दिनों तक चले आयोजन में कलश यात्रा से लेकर कुंती स्तुति सती चरित्र प्रहलाद चरित्र, कृष्ण बाललीला, श्रीकृष्ण-रुक्मिणी विवाह और सुदामा चरित्र जैसे प्रसंगों का वर्णन किया गया। कथा के दौरान श्रद्धालु भक्ति और आध्यात्मिक भाव में सराबोर रहे आयोजन के अंतिम दिन हवन-पूजन एवं विशाल भंडारे के साथ धार्मिक कार्यक्रम का विधिवत समापन हुआ।

भंडारे में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। पूरे आयोजन के दौरान ग्राम में भक्तिमय वातावरण बना रहा और बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने सहभागिता निभाई आयोजकों ने सभी सहयोगियों श्रद्धालुओं और ग्रामवासियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सामूहिक सहभागिता से ही इस प्रकार के धार्मिक आयोजन सफल होते हैं। श्रीमद्भागवत कथा के माध्यम से लोगों को आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्त करने के साथ-साथ सामाजिक एकता और सद्भाव का संदेश भी मिला सात दिवसीय आयोजन के समापन पर श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण के जयकारे लगाए और क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। मुख्य यजमान जितेन्द्र सिंह राजपूत उपसंरपच ग्राम पंचायत पिंडरई, पूनम जितेन्द्र सिंह राजूपत सभापति निर्माण एवं संकर्म समिति नैनपुर रहे वहीं सर्वधर्म स्थाई प्रबंधन समिति एवं ग्राम पंचायत पिंडरई के धर्मप्रेमियों ने अपनी सहभागिता दर्ज कराते हुये इस श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन सम्पन्न कराया इस आयोजन में प्रतिदिन हजारों की संख्या में धर्मप्रेमी शामिल हुये।

अंग्रेजी शराब जब्त, दो आरोपी गिरफ्तार



मण्डला(स्वतंत्रमत)।

अवैध शराब के परिवहन के खिलाफ पुलिस ने कार्यवाही करते हुए दो वाहनों से 426.6 लीटर अंग्रेजी शराब जब्त की है। पुलिस ने मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जब्त शराब और दोनों वाहनों की कुल अनुमानित कीमत 23 लाख 31 हजार 500 रुपये बताई गई है। आरोपियों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश करने कार्यवाही की जा रही है पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव कुमार वर्मा के मार्गदर्शन में जिले में अवैध शराब के विक्रय और परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में एसडीओपी नैनपुर मनीष राज के नेतृत्व में नैनपुर अनुभाग की दो पुलिस टीमों का गठन कर कार्यवाही की गई पुलिस के अनुसार 20 नवंबर को दोनों टीमें बालाघाट-सिवनी तिराहे पर वाहनों की जांच कर रही थीं। इसी दौरान एक टोयोटा कार और बिना नंबर प्लेट वाली बोलेरो को रोककर तलाशी ली गई जांच के दौरान दोनों वाहनों से कुल 426.6 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद हुई पुलिस ने शराब सहित दोनों वाहनों को जब्त कर लिया और मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गिरफ्तार आरोपियों की पहचान निश्चिल पीपरे निवासी नैनपुर तथा राजेश कुमार बर्वे निवासी एकता कॉलोनी जिला सिवनी के रूप में हुई है पुलिस द्वारा जब्त अंग्रेजी शराब की अनुमानित कीमत 4 लाख 51 हजार 500 रुपये बताई गई है।

वहीं टोयोटा कार की कीमत लगभग 16 लाख रुपये और बिना नंबर प्लेट वाली बोलेरो की कीमत 2 लाख 80 हजार रुपये आंकी गई है। इस तरह पुलिस ने कुल 23 लाख 31 हजार 500 रुपये का मशरूका जब्त किया है मामले में अपराध क्रमांक 541/26 के तहत धारा 34(2) आबकारी अधिनियम में प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश करने की प्रक्रिया की जा रही है।

जिला प्रबंधन दल डीएमटी की बैठक

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

कलेक्टर की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट के गोलमेज कक्ष में जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र डीडीआरसी के जिला प्रबंधन दल डीएमटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम सीईओ जिला पंचायत शास्वत सिंह मीना, उप संचालक रोहित बड़कुल, पीयूष पांडे सहित संबंधित अधिकारी एवं समिति सदस्य उपस्थित रहे बैठक में पंजीकृत कार्यान्वयन एजेंसियों के चयन के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई कलेक्टर ने कहा कि डीडीआरसी के अंतर्गत रिक्त 8 पदों पर की जाने वाली नियुक्ति की प्रक्रिया के लिए विज्ञापन जारी करने का निर्णय लिया गया कलेक्टर ने निर्देश दिए कि दिव्यांग पुनर्वास के क्षेत्र में सक्रिय रूप से कार्य कर रहे अनुभवी व्यक्तियों को भी इस प्रक्रिया में सम्मिलित किया जाए। उन्होंने डीडीआरसी में कार्यरत कर्मचारियों की सेवा अवधि बढ़ाने के संबंध में विचार-विमर्श किया।

नाली का हो निर्माण नहीं तो करेंगे आन्दोलन

मण्डला/नारायणगंज(स्वतंत्रमत)। ग्राम पंचायत पड़रिया उर्फ नारायणगंज में स्वीकृत नाली निर्माण कार्य को रोके जाने से ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। ग्रामीणों ने जनपद उपाध्यक्ष अविनाश शर्मा पर द्वेषपूर्ण राजनीति के तहत पंचायत के विकास कार्यों में बाधा डालने का आरोप लगाते हुए विरोध दर्ज कराया है ग्रामीणों से प्राप्त जानकारी के अनुसार पंचायत में 15वें वित्त आयोग की राशि से ग्रे वाटर ड्रेनेज योजना के अंतर्गत सुरेंद्र चक्रवर्ती के घर से टिकरिया की ओर नाली निर्माण का कार्य अनुमोदित हुआ है। यह कार्य वर्ष 2026 की ग्राम पंचायत विकास योजना में भी विधिवत रूप से दर्ज है। हालांकि कार्य शुरू होने से पूर्व ही जनपद उपाध्यक्ष अविनाश शर्मा द्वारा पत्र जारी कर इस निर्माण कार्य पर रोक लगवाने का प्रयास किया जा रहा है जिससे क्षेत्र की जनता बुनियादी सुविधा से वंचित हो रही है ग्रामवासियों का आरोप है कि उपाध्यक्ष द्वारा यह विरोध राजनीतिक द्वेष के चलते किया जा रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि वर्तमान सचिव से पूर्व उपाध्यक्ष के भाई अभिषेक शर्मा इसी पंचायत में सचिव के पद पर पदस्थ थे उस समय यह कार्य किया ज रहा था तब उपाध्यक्ष सहाब को किसी भी प्रकार कि कोई दिक्कत नहीं थी आज जब सगें भाई नही है जो पत्र जारी करके अनावश्यक काम को रुकवाया जा रहा है वर्तमान मे अभिषेक शर्मा को भ्रष्टाचार की



गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने के कारण उन्हें निलंबित कर दिया गया था और उन पर विभागीय कार्यवाही चल रही है। ग्रामीणों का कहना है कि इसी बात से नाराज होकर उपाध्यक्ष पंचायत के जनहितैषी कार्यों को अनावश्यक और भ्रामक पत्रों के माध्यम से प्रभावित कर रहे हैं विकास कार्य रुकने से नाराज ग्रामवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि जनहित को ध्यान में रखते हुए स्वीकृत नाली निर्माण कार्य को शीघ्र शुरू कराया जाए अन्यथा ग्रामीण उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे।

युवा कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ



मण्डला(स्वतंत्रमत)। सबमिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन आत्मा के तत्वावधान में कृषि विज्ञान केंद्र में 25 दिवसीय ग्रामीण युवा कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण युवाओं को कृषि एवं कृषि आधारित व्यवसायों में कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर स्वरोजगार एवं उद्यमिता के लिए सक्षम बनाना है कार्यक्रम में कृषि सभापति भूपेंद्र वरकड़े एवं एसडीएम शैलेश चौधरी उपस्थित रहे। एसडीएम चौधरी ने युवाओं को औषधीय फसलों की खेती के लिए प्रेरित करते हुए अश्वगंधा तुलसी एवं एलोवेरा जैसी फसलों को आय एवं स्वरोजगार का बेहतर माध्यम बताया उप परियोजना संचालक आत्मा सुश्री अंजू कोडापे ने प्रशिक्षण की रूपरेखा एवं निर्धारित गतिविधियों की जानकारी दी। उप संचालक कृषि अश्विनी झारिया ने कृषि विभाग एवं आत्मा की योजनाओं से अवगत कराया। कृषि विज्ञान केंद्र के कृषि वैज्ञानिक डॉ. आरपी अहिरवार ने प्राकृतिक खेती के अंतर्गत जीवामृत, घनजीवामृत, नीमास्त्र, ब्रह्मास्त्र, आच्छादन एवं वापसा आदि की जानकारी दी। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को कृषि क्षेत्र में दक्ष बनाकर आत्मनिर्भर एवं स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ना है।

बाल विवाह मुक्त सत्र आयोजित

मण्डला(स्वतंत्रमत)। कलेक्टर के निर्देशन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विनोद परस्ते के मार्गदर्शन में तहसील मवई के बैगा बाहुल्य ग्राम कुकती सरई में वन स्टॉप सेंटर द्वारा बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत विशेष जागरूकता सत्र आयोजित किया गया कार्यक्रम में वन स्टॉप सेंटर प्रशासक सुश्री प्रेरणा मर्सकोले ने ग्रामीणों को बाल विवाह के दुष्परिणामों के बारे में बताया।

दोस्त को वीडियो कॉल कर फांसी पर झूला युवक

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। जाकपुर घाट के घने जंगल में शुक्रवार को 21 वर्षीय युवक का शव पेड़ पर फंदे से लटका मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान ग्राम भटलाई निवासी अरुण पिता बलदेव ठाकरे के रूप में हुई है। चौंकाने वाली बात यह है कि मौत से पहले युवक ने अपने बचपन के दोस्त और एक महिला मित्र को वीडियो कॉल कर आत्महत्या करने की बात कही थी। दोस्त उसे लगातार समझाता रहा, लेकिन वह नहीं माना और वीडियो कॉल के दौरान ही अपनी जान दे दी। यही आत्महत्या की वजह थी या इसके पीछे कोई और कहानी छिपी है, इसका खुलासा होना अभी बाकी हैं। जानकारी के अनुसार, अरुण पिछले करीब दो वर्षों से बालाघाट में रहकर पढ़ाई कर रहा था। वह स्थानीय सरदार पटेल कॉलेज में बीए द्वितीय वर्ष का छात्र था। शुक्रवार सुबह करीब 10.30 बजे उसने अपने बचपन के दोस्त कपिल को वीडियो कॉल किया और आत्महत्या करने की बात कही। बताया गया कि उसने अपनी महिला मित्र को भी फोन कर इसकी जानकारी दी थी। कपिल ने उसे ऐसा कदम नहीं उठाने के लिए काफी समझाया, लेकिन अरुण ने उसकी बात नहीं मानी। देखते ही देखते वीडियो कॉल के दौरान ही उसने आत्मघाती कदम उठा लिया। इस घटनाक्रम ने परिजनों और परिचितों को झकझोर कर रख दिया। इस पूरे मामले में मृतक के बचपन के दोस्त कपिल ने एक अहम घटनाक्रम का जिक्र किया है। कपिल गांव में हार्डवेयर की दुकान संचालित करने के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी भी कर रहा है। उसके मुताबिक, 16 नवंबर की रात उसके घर से बाइक गायब हो गई थी। काफी तलाश के बावजूद बाइक का पता नहीं चला। बाद में जानकारी मिली कि बाइक अरुण अपने साथ ले गया था। बताया गया कि बाइक ले जाते समय उसका छोटा एक्सीडेंट भी हो गया था।

मुख्यमंत्री के समक्ष नवाचारी विचार प्रस्तुत करेंगे

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

माय भारत एवं जिला खेल विभाग के संयुक्त तत्वावधान में जिला पंचायत सभागार में विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग के अंतर्गत चैलेंज ट्रैक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। निबंध लेखन प्रतियोगिता के माध्यम से चयनित 30 प्रतिभागियों में से 17 युवाओं ने प्रतियोगिता में सहभागिता कर अपने नवाचारी विचार प्रस्तुत किए प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर जिले के 6 युवाओं का चयन किया गया है। ये प्रतिभागी भोपाल में मुख्यमंत्री के समक्ष अपने नवाचारी विचार प्रस्तुत करेंगे। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार अनिकेत पुरी गोस्वामी को प्रदान किया गया।

28 को होगा वृहद रोजगार मेला

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार युवा संगम अंतर्गत वृहद रोजगार मेला का आयोजन 28 नवंबर को प्रात: 11 बजे से पीएम श्री महाविद्यालय में किया जाएगा। मेले में जिले के बेरोजगार युवक-युवतियों को विभिन्न रोजगार एवं स्वरोजगार अवसरों से जोड़ने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी द्वारा जारी आदेश के अनुसार रोजगार मेले के सफल आयोजन एवं क्रियान्वयन के लिए विभिन्न विभागों के अधिकारियों को दायित्व सौंपे गए हैं। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत को कार्यक्रम का जिला स्तरीय नोडल अधिकारी बनाया गया है जबकि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को मेला स्थल पर कानून एवं व्यवस्था की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिला रोजगार अधिकारी को रोजगार मेले की संपूर्ण व्यवस्थाओं के साथ बेरोजगार युवक-युवतियों के पंजीयन कम्पनियों से समन्वय प्रचार-प्रसार कंपनी प्रतिनिधियों की आवश्यक व्यवस्थाओं तथा उपस्थित युवाओं की कॅरियर काउंसलिंग का दायित्व सौंपा गया है। इसी प्रकार जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, आईटीआई, आजीविका मिशन, जनपद पंचायतों, जनसंपर्क, नगर पालिका, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास तथा संबंधित शैक्षणिक संस्थानों के अधिकारियों को भी विभिन्न दायित्व दिए गए हैं। रोजगार मेले में राज्य एवं स्थानीय कंपनियों को आमंत्रित कर युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के साथ-साथ रोजगार संबंधी मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक प्रचार-प्रसार कर अधिक से अधिक बेरोजगार युवक-युवतियों की सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

संपादकीय

आजम खां की रिहाई

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की आहट के बीच सपा के वरिष्ठ नेता आजम खां की जेल से रिहाई ने प्रदेश की सियासत में नई बहस छेड़ दी है। यह महज एक नेता की जेल से बाहर आने की घटना नहीं, बल्कि समाजवादी पार्टी के राजनीतिक भविष्य, रामपुर की सियासत और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मुस्लिम मतदाताओं के बीच नए समीकरण बनने का मौका भी है। आजम की सक्रियता से जहां सपा को एक मजबूत और प्रभावशाली आवाज मिल सकती है, वहीं पार्टी के भीतर अब तक उभरे नए नेतृत्व और स्थानीय सियासतदानों के सामने भी अपनी राजनीतिक जमीन बचाने की चुनौती होगी। सपा नेता आजम खां लंबे समय तक रामपुर की सियासत का केंद्र रहे हैं। उनकी गैरमौजूदगी में यहां कई नए राजनीतिक चेहरे सक्रिय हुए और सपा के भीतर भी नेतृत्व के स्तर पर बदलाव देखने को मिला। अब उनकी वापसी से सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या पार्टी उन्हें फिर पहले जैसी राजनीतिक भूमिका देगी या बदले हुए हालात में उन्हें नए सिरे से अपनी जगह बनानी होगी? आजम खां की रिहाई का असर केवल रामपुर तक सीमित रहने वाला नहीं है। उनकी राजनीतिक पकड़, भाषण शैली और समर्थकों के बीच प्रभाव को देखते हुए सपा उन्हें पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अपने पक्ष में माहौल बनाने के लिए इस्तेमाल कर सकती है। हालांकि, उनकी वापसी पार्टी के लिए जितनी संभावनाएं लेकर आई है, उतनी ही चुनौतियां भी खड़ी कर सकती है। खासकर उन नेताओं के सामने, जिन्होंने उनके राजनीतिक रूप से कमजोर रहने के दौरान अपनी अलग पहचान बनाई है।

राजनीतिक जानकारों के मुताबिक आजम खां की रिहाई का सबसे बड़ा फायदा समाजवादी पार्टी को मुस्लिम मतदाताओं के बीच अपनी राजनीतिक पकड़ मजबूत करने के रूप में मिल सकता है। आजम खां की पहचान केवल रामपुर के नेता की नहीं, बल्कि प्रदेश स्तर पर मुस्लिम राजनीति के बड़े चेहरे की रही है। उनकी सक्रियता से सपा के उन कार्यकर्ताओं में भी उत्साह लौट सकता है, जो लंबे समय से उनकी गैरमौजूदगी में राजनीतिक रूप से खुद को कमजोर महसूस कर रहे थे। दूसरी ओर, आजम खां की वापसी से पार्टी के भीतर नेतृत्व और राजनीतिक हिस्सेदारी को लेकर नए सवाल भी उठेंगे। रामपुर में उनके समर्थकों और दूसरे स्थानीय नेताओं के बीच तालमेल कितना बेहतर रहता है, यह देखना अहम होगा। जिन नेताओं ने पिछले कुछ समय में रामपुर में अपनी राजनीतिक पकड़ मजबूत की है, उन्हें अब आजम खां के प्रभाव के साथ अपनी जगह बनाए रखनी होगी। भाजपा के लिए भी आजम खां की सक्रियता चुनावी रणनीति के लिहाज से महत्वपूर्ण हो सकती है। उनकी वापसी से रामपुर और आसपास के क्षेत्रों में सियासी मुकाबला अधिक दिलचस्प होगा। हालांकि, आजम खां की राजनीतिक सक्रियता का वास्तविक असर इस बात पर निर्भर करेगा कि वह कितने समय तक सार्वजनिक जीवन में सक्रिय रह पाते हैं और कानूनी मामलों के बीच अपनी राजनीतिक रणनीति किस तरह आगे बढ़ाते हैं। आजम खां की वापसी कई नेताओं के राजनीतिक कद का आकलन भी करेगी। अखिलेश यादव के सामने पुराने भरोसे को कायम रखने की चुनौती होगी तो शिवपाल यादव की भूमिका भी चर्चा में रहेगी। रामपुर में आजम खां के पुराने समर्थकों, मौजूदा जनप्रतिनिधियों और टिकट के दावेदारों के बीच समीकरण बदल सकते हैं। आजम खां किसे अपने करीब रखते हैं और किसे राजनीतिक जिम्मेदारी देते हैं, इसका असर आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर पड़ सकता है। हालांकि, आजम खां के सामने भी चुनौतियां कम नहीं हैं। कानूनी मामलों का दबाव, लंबे समय तक राजनीतिक गतिविधियों से दूरी और बदले हुए चुनावी हालात उनके सामने बड़ी चुनौती होंगे। ऐसे में उनकी वापसी केवल समर्थकों की भीड़ जुटाने तक सीमित रहती है या वह चुनावी रणनीति को प्रभावित करने वाली सक्रिय भूमिका निभाते हैं, इसका जवाब आने वाला वक्त देगा।

बच्चे राष्ट्र की अमूल्य धरोहर

हिंसा, शोषण और अभाव से मुक्त हो भारत का बचपन



ललित गर्ग
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

हम में से प्रत्येक को बच्चों के अधिकारों की वकालत करने, उन्हें बढ़ावा देने, उनके शोषण को रोकने, उनका समग्र विकास करने और बच्चों का उत्सव मनाने के लिए एक प्रेरणादायी अवसर के रूप में विश्व बाल दिवस है, यह उस समाज की आत्मपरीक्षा का अवसर है, जो अपने भविष्य को बच्चों की आंखों में देखता है। बच्चे केवल परिवार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि राष्ट्र की अमूल्य धरोहर हैं। इसी बुनियादी प्रश्न को सामने रखती है कि क्या हमारे बच्चों को वास्तव में अपने अधिकारों के साथ जीने, सपने देखने और अपना भविष्य गढ़ने का अवसर मिल रहा है? भारत में बचपन की तस्वीर विरोधाभासों से भरी है। एक ओर महानगरों के वातानुकूलित कमरों में पलते बच्चे आधुनिक शिक्षा, तकनीक और सुविधाओं से घिरे हैं, तो दूसरी ओर फुटपाथ, झुग्गियों, कारखानों, ढाबों और खेतों में ऐसे बच्चे भी हैं जिनके हाथों में किताब की जगह औजार हैं। किसी बच्चे के लिए बचपन खेल, शिक्षा और परिवार का स्नेह है, तो किसी के लिए भूख, श्रम, हिंसा और असुरक्षा से जूझने का नाम। यह असमानता केवल आर्थिक नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना की भी परीक्षा है।

सबसे गंभीर चुनौती बाल हिंसा और मानसिक दबाव की है। हिंसा का अर्थ केवल बच्चे को पीटना नहीं है। लगातार डांटना, अपमानित करना, डराना, उसकी तुलना दूसरे बच्चों से करना, उसकी इच्छा और प्रतिभा को नकारना तथा हर समय परिणाम का दबाव बनाना भी हिंसा के ही रूप हैं। आज अनेक अभिभावक चाहते हैं कि उनका बच्चा डॉक्टर, इंजीनियर, आईएएस या किसी प्रतिष्ठित पेशे में जाए। महत्वाकांक्षा गलत नहीं, लेकिन जब माता-पिता की अधूरी इच्छाओं का बोझ बच्चे के कंधों पर रख दिया जाता है, तब शिक्षा विकास का माध्यम न रहकर तनाव का कारण बन जाती है। स्कूल भी इससे अछूते नहीं हैं। अनुशासन के नाम पर अपमान, डर और कठोरता बच्चे के व्यक्तित्व को भीतर से तोड़ सकती है। जिस विद्यालय में बच्चे को प्रश्न पूछने, गलती करने और फिर सीखने का अवसर मिलना चाहिए, वहां भय का वातावरण उसकी रचनात्मकता को कुंठित कर देता



है। हमें यह समझना होगा कि डर से आज्ञाकारी बच्चा तो बनाया जा सकता है, लेकिन आत्मविश्वासी नागरिक नहीं।

भारत में बाल मजदूरी, बाल तस्करी, यौन शोषण और भिक्षावृत्ति जैसी समस्याएं आज भी हमारी सामूहिक चेतना एवं राजनीतिक नेतृत्व पर प्रश्नचिह्न हैं। आर्थिक मजबूरी के कारण अनेक बच्चे शिक्षा से दूर होकर श्रम की दुनिया में पहुंच जाते हैं। कुछ खतरनाक उद्योगों और असुरक्षित कार्यस्थलों पर काम करने के लिए विवश होते हैं। कई बच्चे तस्करी के जाल में फंसकर अपने परिवार और बचपन दोनों से दूर हो जाते हैं। सबसे पीड़ादायक स्थिति उन बच्चों की है जिन्हें अपराध, भीख या यौन शोषण के अंधेरे में धकेल दिया जाता है। इन परिस्थितियों में उनसे केवल उनका वर्तमान नहीं छीना जाता, बल्कि भविष्य की संभावनाएं भी छीन ली जाती हैं। गरीबी बचपन की सबसे बड़ी चुनौती है, लेकिन गरीबी से भी बड़ी समस्या है अवसरों की असमानता। यदि किसी गरीब परिवार का बच्चा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य और सुरक्षित वातावरण से वंचित रहता है तो वह अपनी प्रतिभा का पूरा उपयोग कैसे करेगा? विकसित भारत का सपना तभी वास्तविक होगा जब विकास की रोशनी गांव, झुग्गी, श्रमिक परिवार और वंचित समुदाय के बच्चे तक पहुंचेगी। किसी राष्ट्र की प्रगति का सही पैमाना उसके सबसे कमजोर बच्चे की स्थिति है।

इसलिए बाल अधिकारों को केवल कानून की पुस्तकों तक सीमित रखने के बजाय घर, स्कूल और समाज की संस्कृति का हिस्सा बनाना होगा। बच्चे को यह विश्वास होना चाहिए कि वह अपनी समस्या बिना भय के माता-पिता, शिक्षक अथवा किसी विश्वसनीय व्यक्ति से कह सकता है। परिवार में संवाद की परंपरा विकसित करनी होगी। माता-पिता को बच्चों के साथ केवल उनकी पढ़ाई और परीक्षा की बात नहीं करनी चाहिए, बल्कि उनके डर, मित्रता, सपनों, असफलताओं और भावनाओं को भी सुनना चाहिए। शिक्षा व्यवस्था में भी बड़ा परिवर्तन आवश्यक है। शिक्षा का लक्ष्य केवल अंक और रोजगार नहीं, बल्कि संवेदनशील, आत्मनिर्भर, नैतिक और मानसिक रूप से स्वस्थ मनुष्य बनाना होना चाहिए। बच्चों को अधिकारों के साथ कर्तव्यों, संविधान, लैंगिक सम्मान, डिजिटल सुरक्षा, आत्मरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति भी जागरूक किया जाना चाहिए। सरकार को बाल संरक्षण कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ बाल श्रम, तस्करी और यौन अपराधों के विरुद्ध तंत्र को और मजबूत करना होगा। गरीब बच्चों की शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य को आर्थिक सहायता से जोड़ना भी जरूरी है। हमें यह भी स्वीकार करना होगा कि बच्चों की सुरक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। पड़ोस में किसी बच्चे से दुर्व्यवहार हो रहा हो, किसी दुकान या कारखाने में बाल मजदूर दिखाई दे, कोई बच्चा लगातार भय में जी रहा हो या उसके साथ शोषण की आशंका हो, तो हमें क्या लेना-देना है कहकर आगे बढ़ जाना सामाजिक अपराध के प्रति मौन स्वीकृति है। बच्चे की रक्षा के लिए समाज को संवेदनशील प्रहरी बनना होगा।

विश्व बाल दिवस के अवसर पर बच्चों के सामने उभरती नई चुनौतियों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) भी एक गंभीर विषय बनकर सामने आई है। एआई शिक्षा, रचनात्मकता और ज्ञान-विस्तार का प्रभावी साधन हो सकता है, लेकिन उसका अनियंत्रित और अत्यधिक उपयोग बच्चों की सोचने-समझने की मौलिक क्षमता, कल्पनाशक्ति, एकाग्रता और निर्णय लेने की स्वतंत्रता को प्रभावित कर सकता है। चैटबॉट पर अत्यधिक निर्भरता बच्चों को स्वयं प्रश्न पूछने, उत्तर खोजने और गलतियों से सीखने की प्रक्रिया से दूर कर सकती है। साथ ही, एआई से बने भ्रामक या अनुपयुक्त कंटेंट, डीपफेक, साइबर बुलिंग, ऑनलाइन शोषण, निजता के खतरे और बच्चों के मानसिक संसार पर बढ़ते डिजिटल दबाव जैसी चुनौतियां भी चिंता का विषय हैं। इसलिए आज आवश्यकता केवल बच्चों को एआई से परिचित कराने की नहीं, बल्कि उन्हें एआई के सुरक्षित, संतुलित और विवेकपूर्ण उपयोग की शिक्षा देने की है, ताकि कृत्रिम बुद्धिमत्ता बच्चों की बुद्धि का विकल्प नहीं, बल्कि उनकी प्रतिभा और रचनात्मकता को विकसित करने का सहायक माध्यम बने।

विश्व बाल दिवस का वास्तविक अर्थ तभी पूरा होगा जब भारत में ऐसा वातावरण बने जहां हर बच्चा सुरक्षित हो, सुना जाए, सम्मान पाए, पढ़ सके, खेल सके, अपनी प्रतिभा विकसित कर सके और बिना भय के सपने देख सके। हमें बच्चों को अपने सपनों के अनुसार जीने का अवसर देना होगा, अपने सपनों के अनुसार ढालने का नहीं। बचपन किसी राष्ट्र की प्रतीक्षा करती हुई सुबह है। यदि उस सुबह पर हिंसा, शोषण, भूख और भय के बादल छा गए तो विकसित भारत का सूर्योदय अधूरा रहेगा। इसलिए आज जरूरत केवल बाल दिवस मनाने की नहीं, बल्कि बचपन को बचाने की है। जिस दिन भारत के हर बच्चे की आंखों में भय की जगह विश्वास, हाथों में श्रम की जगह किताब और होंठों पर शिकायत की जगह मुस्कान होगी, उसी दिन हम कह सकेंगे कि हमने विश्व बाल दिवस की भावना को वास्तव में आत्मसात किया है।

प्रेमनाथ यादों से आगे, विरासत को सहेजने का समय



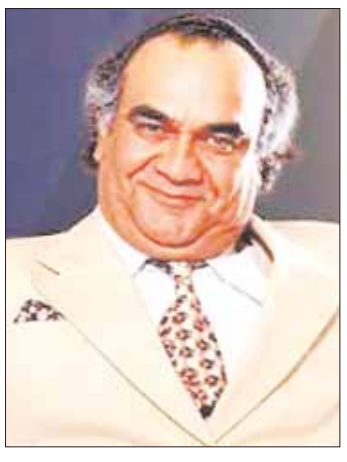
पवन शर्मा

जन्मदिवस पर एक ऐसे कलाकार को स्मरण, जिनकी जड़ें जबलपुर में थीं और जिनकी विरासत आज भी संरक्षण की प्रतीक्षा कर रही है।

भारतीय सिनेमा के लोकप्रिय और प्रतिष्ठित अभिनेताओं में प्रेमनाथ का नाम एक विशेष स्थान रखता है। अपनी प्रभावशाली व्यक्तित्व, अभिनय और यादगार भूमिकाओं से उन्होंने सिनेमा जगत में अपनी अलग पहचान बनाई। लेकिन प्रेमनाथ केवल पर्दे के कलाकार नहीं थे, उनका जबलपुर से भी गहरा रिश्ता था। यह शहर उनके लिए घर, अपनापन, स्मृतियों और आध्यात्मिक शांति का स्थान था।

आज भी जबलपुर में उनके जीवन से जुड़ी कई स्मृतियां और संपत्तियां मौजूद हैं। कैंट क्षेत्र स्थित ऐतिहासिक एम्पायर थिएटर, जो कभी उनसे जुड़ा हुआ था, दुर्भाग्यवश स्थानीय प्रशासन द्वारा ध्वस्त कर दिया गया। इस संबंध में मामला न्यायालय में विचाराधीन है। कैंट क्षेत्र में उनका बंगला भी उनके शहर से जुड़ाव की याद दिलाता है।

लेकिन प्रेमनाथ के जबलपुर प्रवास से जुड़ा सबसे आत्मीय और विशेष स्थान जिलहरी घाट के समीप स्थित वह भूमि है, जहां वे शहर आने पर समय बिताया करते थे। स्थानीय लोगों के अनुसार, वे आध्यात्मिक प्रवृत्ति के व्यक्ति थे और मां नर्मदा के प्रति उनकी गहरी आस्था थी। नदी के निकट, प्रकृति की शांति में वे ध्यान और आत्मचिंतन किया करते थे। आज भी उस भूमि पर उनका प्री-फैब्रिकेटेड निवास मौजूद है। वहीं उनके फिल्मी गुरु एवं भारतीय सिनेमा के महान कलाकार पृथ्वीराज कपूर की समाधि भी स्थित है। प्रेमनाथ जी की समाधि भी उसी परिसर में है। पुराने सागौन, चंदन और आम के वृक्षों से घिरा यह स्थान अपने आप में एक अनूठी शांति, ऐतिहासिक महत्व और भावनात्मक विरासत समेटे हुए है। यह केवल जमीन का एक टुकड़ा नहीं, बल्कि सिनेमा के इतिहास, गुरु-शिष्य परंपरा, आध्यात्मिकता और जबलपुर की स्मृतियों से जुड़ा एक महत्वपूर्ण स्थल है।



प्रेमनाथ जी के पुत्र मोंटी नाथ की भी इस स्थान को विकसित करने की योजना रही थी। लाइट एंड साउंड शो, अभिनय प्रशिक्षण संस्थान तथा अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से इसे एक पर्यटन एवं सांस्कृतिक केंद्र के रूप में विकसित करने की कल्पना की गई थी। यदि यह प्रयास साकार होता, तो जबलपुर को एक ऐसी विरासत मिल सकती थी, जो फिल्म प्रेमियों, युवाओं, पर्यटकों और शहर के नागरिकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनती।

दुर्भाग्य यह है कि आज तक इस विरासत को सहेजने और विकसित करने की दिशा में अपेक्षित सामूहिक प्रयास दिखाई नहीं दिए। यह किसी व्यक्ति, संस्था या प्रशासन की आलोचना मात्र नहीं, बल्कि हम सभी के लिए आत्मचिंतन का विषय है। क्या हम अपने शहर की महान विभूतियों को केवल उनकी जयंती और पुण्यतिथि पर याद करने तक सीमित रह गए हैं? क्या उनकी स्मृतियों और उनसे जुड़े स्थानों को आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखना हमारी जिम्मेदारी नहीं है? जबलपुर ने अनेक प्रतिभाओं,ऐतिहासिक स्थलों और गौरवशाली स्मृतियों को जन्म दिया है। लेकिन किसी शहर की पहचान केवल उसके अतीत पर गर्व करने से नहीं बनती, बल्कि उस अतीत को भविष्य से जोड़ने के प्रयासों से बनती है।

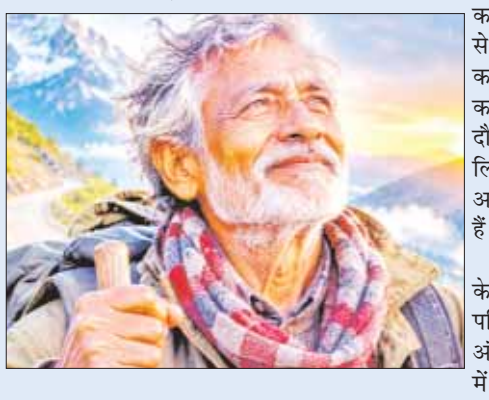
प्रेमनाथ जी की जन्मजयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि देने का सबसे सार्थक तरीका शायद यही होगा कि नागरिक, सांस्कृतिक संस्थाएं, पर्यटन विभाग, जनप्रतिनिधि और प्रशासन मिलकर इस स्थल के संरक्षण एवं विकास की दिशा में पहल करें। परिवार की सहमति और उचित संरक्षण योजना के साथ इसे एक सांस्कृतिक एवं विरासत केंद्र के रूप में विकसित करने की संभावनाओं पर विचार किया जा सकता है। यह पहल केवल प्रेमनाथ जी की स्मृति को सम्मान देने तक सीमित नहीं होगी, बल्कि जबलपुर की सांस्कृतिक पहचान को भी नई दिशा दे सकती है।

प्रेमनाथ जी जब भारतीय सिनेमा की एक महान पहचान थे, तब वे जबलपुर की मिट्टी से जुड़े एक अपने भी थे। आइए, उनकी जन्मजयंती पर केवल उन्हें याद न करें, बल्कि उनकी विरासत को सहेजने का संकल्प भी लें। किसी महान व्यक्तित्व को सच्ची श्रद्धांजलि केवल स्मरण नहीं, बल्कि उसकी विरासत को आने वाली पीढ़ियों के लिए जीवित रखना है।

सीखें दूसरों के लिए जीना: उम्र के साथ बदलता है जीवन का नजरिया, बढ़ता है सेवा और संवेदना का भाव

देवेश त्रिपाठी

उम्र के साथ मिलने वाले अनुभव और संघर्ष परिपक्वता, संवेदनशीलता, करुणा व सहानुभूति को गहरा कर देते हैं। तब हम समझने लगते हैं कि जीवन की सार्थकता समाज और प्रकृति के लिए भी कुछ अच्छा करने में है।



मार्टिन लूथर किंग जूनियर ने कहा था, 'आखिरकार, आप दूसरों को बचाए बिना, खुद को नहीं बचा सकते। दूसरों की रक्षा करना जीवन का पहला नियम है।' जीवन की सबसे सुंदर सीखों में से एक यह है कि हमारा वास्तविक सुख केवल अपने लिए जीने में नहीं, बल्कि दूसरों के जीवन में खुशियां बांटने में छिपा होता है।

उम्र बढ़ने के साथ-साथ मनुष्य का दृष्टिकोण बदलने लगता है। युवावस्था में जहां हम अपनी इच्छाओं, सफलताओं, जरूरतों और जिम्मेदारियों में उलझे रहते हैं, वहीं जीवन के उत्तरार्ध में धीरे-धीरे हमारा ध्यान स्वयं से हटकर दूसरों की ओर जाने लगता है। उम्र के साथ मिलने वाले अनुभव और संघर्ष हमारी परिपक्वता, संवेदनशीलता, करुणा व सहानुभूति को गहरा कर देते हैं। हम समझने लगते हैं कि जीवन की सार्थकता केवल अपने लिए कुछ हासिल करने में नहीं, बल्कि समाज और प्रकृति के लिए भी कुछ अच्छा करने में है। किसी जरूरतमंद की सहायता करना, किसी अकेले व्यक्ति को अपनापन देना, बच्चों को शिक्षा देना, ये छोटे-छोटे कार्य वृद्धावस्था में भीतर से शक्ति और संतोष प्रदान करते हैं। शायद यही कारण है कि जीवन के इस दौर में भी हम दूसरों के लिए कुछ अच्छा करने का अवसर हमेशा खोज सकते हैं।

युवावस्था और जीवन के मध्य पड़ाव में हम घर-परिवार, नौकरी, बच्चों और आर्थिक जिम्मेदारियों में इतने व्यस्त रहते हैं कि अपने दायरे से बाहर देखने का अवसर ही नहीं मिलता। पर, जैसे-जैसे ये जिम्मेदारियां हल्की होती हैं, हमारे भीतर समाज से जुड़ने व दूसरों के लिए कुछ करने की इच्छा बढ़ने लगती है। बढ़ती उम्र हमें यह समझाती है कि जीवन की सबसे बड़ी पूंजी धन-संपत्ति नहीं, बल्कि रिश्ते, अपनापन व हमारे द्वारा किए गए अच्छे कार्य हैं। जीवन का सौंदर्य इस बात में नहीं है कि हमने अपने लिए कितना संचित किया, बल्कि इस बात में है कि हमने दूसरों के जीवन में कितना प्रेम और आशा बांटी। दूसरों के लिए जीना स्वयं को समृद्ध करने का सबसे सुंदर मार्ग है।

पाकिस्तान की राह पर चल पड़ा बांग्लादेश, विरोधियों के निशाने पर पूर्व हुक्मरान



नीरज कुमार दुबे
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बाद जिस राजनीतिक प्रतिशोध और अराजकता की पटकथा लिखी गई थी, अब उसी की आग मुहम्मद यूनुस के घर तक पहुंच गई है। कभी अंतरिम सरकार के मुखिया के रूप में देश की सत्ता संभालने वाले नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस के चटगांव स्थित पुश्तैनी मकान में आग लगा दी गई है। देखा जाये तो यह घटना महज एक मकान में आगजनी का मामला नहीं है, बल्कि उस बांग्लादेश की राजनीतिक स्थिति का आईना है, जिसे यूनुस के नेतृत्व में नई दिशा देने का दावा किया गया था।

विडंबना देखिए कि जिस शेख हसीना को सत्ता से हटाने के बाद उनके राजनीतिक अस्तित्व को मिटाने की कोशिशें हुईं, आज उन्हीं घटनाओं की परछाईं यूनुस के अपने दरवाजे तक पहुंच चुकी है। देखा जाये तो बांग्लादेश की राजनीति अब इस खतरनाक मोड़ पर खड़ी है, जहां सत्ता बदलने के बाद पूर्व हुक्मरानों को राजनीतिक विरोधी नहीं, बल्कि दुश्मन की तरह देखा जाने लगा है। पाकिस्तान में जिस तरह सत्ता से बाहर हुए नेताओं और उनके परिवारों को राजनीतिक प्रतिशोध का सामना करना पड़ता रहा है, बांग्लादेश में भी वैसी ही तस्वीर उभरने लगी है। हम आपको बता दें कि 19 नवंबर की रात चटगांव के पंचलैश इलाके में स्थित यूनुस के पुश्तैनी मकान के भूतल पर बने एक खाली कमरे में आग लगा दी गई। पुलिस के मुताबिक, रात करीब 11:30 बजे आग लगी। पुलिसकर्मियों ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाई और घटना की जांच शुरू कर दी। मकान के ऊपरी हिस्सों में यूनुस के भाइयों के परिवार रहते हैं। इस घटना के बाद वहां सुरक्षा बढ़ा दी गई है। लेकिन यह हमला किसी अकेली घटना की तरह नहीं देखा जा सकता। पिछले दस दिनों से बांग्लादेश के अलग-अलग हिस्सों में बम धमाकों, वाहनों को जलाने और राजनीतिक कार्यकर्ताओं के ठिकानों पर हमलों की घटनाएं सामने आ रही हैं। यूनुस द्वारा स्थापित ग्रामीण बैंक की कम से कम 37 शाखाओं और कार्यालयों को भी आगजनी या आग लगाने की कोशिशों का निशाना बनाया



गया है। देश के कम से कम 28 जिलों में हिंसा की घटनाएं दर्ज की गई हैं। इस घटनाक्रम का सबसे बड़ा राजनीतिक संदेश यही है कि बांग्लादेश में प्रतिशोध की राजनीति अब किसी एक राजनीतिक दल या नेता तक सीमित नहीं रह गई है। शेख हसीना के खिलाफ जिस राजनीति को बढ़ावा मिला था अब उसी का सामना यूनुस कर रहे हैं

हम आपको याद दिला दें कि अगस्त 2024 में शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद मुहम्मद यूनुस ने अंतरिम सरकार की कमान संभाली थी। उस समय उनके सामने सबसे बड़ी जिम्मेदारी बांग्लादेश में लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने, राजनीतिक स्थिरता कायम करने और देश को आर्थिक विकास की राह पर आगे बढ़ाने की थी। लेकिन उनके कार्यकाल की पहचान धीरे-धीरे राजनीतिक टकराव, अवामी लीग पर प्रतिबंध, पूर्ववर्ती सत्ता प्रतिष्ठान के खिलाफ कार्रवाई से जुड़ती चली गई। अवामी लीग की गतिविधियों पर रोक लगाई गई। पार्टी के हजारों नेताओं और कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया। शेख हसीना को देश से बाहर रहने के दौरान मुकदमे का सामना करना पड़ा और नवंबर 2025 में विशेष न्यायाधिकरण ने उन्हें उनकी अनुपस्थिति में मौत की सजा सुनाई। इस पूरी प्रक्रिया ने बांग्लादेश की राजनीति में गहरी खाई पैदा कर दी। यूनुस के शासनकाल में शेख मुजीबुर्रहमान के ऐतिहासिक आवास और 1971 के मुक्ति संग्राम से जुड़े प्रतीकों पर भी हमले हुए। जिन प्रतीकों को बांग्लादेश की राष्ट्रीय पहचान का हिस्सा माना जाता था, वे भी राजनीतिक उन्माद की भेंट चढ़े। ऐसे माहौल में लोकतंत्र की मजबूती के बजाय राजनीतिक बदले की भावना को बढ़ावा मिलने का आरोप लगातार गहराता गया।

यूनुस के कार्यकाल की एक बड़ी विफलता भारत के साथ बांग्लादेश के पारंपरिक रिश्तों में आई गिरावट रही। शेख हसीना के शासनकाल में दोनों देशों के बीच सुरक्षा, व्यापार, कनेक्टिविटी और रणनीतिक सहयोग का मजबूत ढांचा तैयार हुआ था। लेकिन हसीना के सत्ता से हटने के बाद भारत और बांग्लादेश के संबंध तनावपूर्ण हो गए। यूनुस सरकार की ओर से शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग, भारत के खिलाफ बढ़ती बयानबाजी और दोनों देशों के बीच अविश्वास ने रिश्तों को नुकसान पहुंचाया। भारत के साथ रिश्तों में आई इस तल्खी ने बांग्लादेश की क्षेत्रीय कूटनीतिक स्थिति को भी कमजोर किया।

दूसरी तरफ, कट्टरपंथी इस्लामी संगठनों और जमात-ए-इस्लामी जैसे राजनीतिक समूहों के बढ़ते प्रभाव को लेकर भी लगातार सवाल उठते रहे। अल्पसंख्यकों, विशेषकर हिंदू समुदाय की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ीं। कई हिंदुओं को बुरी तरह जान से मारा भी गया। इन परिस्थितियों ने बांग्लादेश की उस धर्मनिरपेक्ष पहचान को चुनौती दी, जिसकी नींव 1971 के मुक्ति संग्राम के बाद रखी गई थी। भारत के साथ तनाव और कट्टरपंथी ताकतों के बढ़ते प्रभाव की आशंकाओं ने देश के भविष्य को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए।

आज बांग्लादेश में हालात यह हैं कि शेख हसीना की वापसी की मांग को लेकर अवामी लीग ने 19 नवंबर को देशव्यापी लॉकडाउन का आह्वान किया है। हसीना दिसंबर में स्वदेश लौटने की बात कह चुकी हैं, लेकिन मौजूदा सरकार ने उनके नए पासपोर्ट और पहचान दस्तावेजों की मांग स्वीकार नहीं की है। इसी राजनीतिक टकराव के बीच हिंसा भड़क रही है। पुलिस ने राजधानी ढाका में 24 घंटे के अभियान में 500 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया और संवेदनशील इलाकों में सीमा सुरक्षा बल की तैनाती बढ़ाई गई।

अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिस बांग्लादेश में राजनीतिक बदलाव के नाम पर नई व्यवस्था और लोकतांत्रिक भविष्य का वादा किया गया था, वह आखिर कहां पहुंच गया? जिस नेता की सरकार ने पूर्ववर्ती सत्ता प्रतिष्ठान के खिलाफ कठोर कार्रवाई की थी, उसी नेता के परिवार के पुश्तैनी मकान तक आग पहुंच गई। ग्रामीण बैंक जैसी संस्था भी हिंसा का निशाना बन रही है। देखा जाये तो मुहम्मद यूनुस के सामने अब वही चुनौती खड़ी है, जिसे उन्होंने अपने कार्यकाल में शेख हसीना के सामने खड़ा किया था। फर्क सिर्फ इतना है कि हसीना फिलहाल सत्ता में नहीं हैं, जबकि यूनुस भी अब पूर्व अंतरिम शासन प्रमुख बन चुके हैं। बांग्लादेश की राजनीति में बदले की जिस आग को बुझाने की जरूरत थी, वह अब और फैलती दिखाई दे रही है।

बहरहाल, बांग्लादेश के लिए यह सिर्फ सत्ता संघर्ष नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्थिरता, आर्थिक भविष्य और अंतरराष्ट्रीय संबंधों का संकट है। पाकिस्तान की तरह अगर वहां भी हर सत्ता परिवर्तन के साथ पुराने हुक्मरानों को मिटाने और उनके समर्थकों को कुचलने की परंपरा मजबूत होती गई, तो लोकतंत्र महज सत्ता हासिल करने और विरोधियों को खत्म करने का औजार बनकर रह जाएगा।

हमें जेनसन हुआंग को वापस लाना होगा, एनवीडिया के पूर्व सीईओ के समर्थन में आए उबर के को-फाउंडर

टेक्सस



जेनसन हुआंग को एनवीडिया में वापस लाने का कैंपेन अब सोशल मिडिया से आगे बढ़ गया है। उबर (ड्डद्गह्) के सह-संस्थापक ट्रैविस कलानिक ने अब इस लड़ाई को सीधे चिप निर्माता कंपनी के मुख्यालय तक ले जाने की पेशकश की है। उन्होंने कर्मचारियों, कंपनी के संस्थापकों और बिजनेस लीडर्स को एकजुट करके काम छोड़ने (वॉकआउट) की चेतावनी भी दी है।

उनके पास विरोध प्रदर्शन के लिए एक अनोखी चीज है और वह है सिलिकॉन वेफर्स से ढका हुआ एक मेगाफोन। बुधवार को टेक्सस के ऑस्टिन में टुमॉरोएक्स समिट में बोलते हुए कलानिक ने हुआंग को वापस लाने के बढ़ते अभियान का समर्थन किया। हुआंग ने पिछले हफ्ते एनवीडिया के सीईओ का पद छोड़ दिया था। उनके इस्तीफे के पीछे कथित अफेयर और विदेशी खुफिया एजेंसियों से संभावित संबंधों की जांच से जुड़ा विवाद था। एलन मस्क के पुराने सहयोगी और निवेशक एंटोनियो ग्रेसियस के साथ बातचीत के दौरान कलानिक ने कहा, हमें जेनसन को वापस लाना होगा। बातचीत तब एक दिलचस्प मोड़ पर आ गई जब ग्रेसियस ने ध्यान दिलाया कि कलानिक ने काले रंग की लेदर जैकेट पहनी हुई है, जो बिल्कुल हुआंग के सिग्नेचर पहनावे जैसी दिखती है। कलानिक ने इस मौके का फायदा उठाते हुए अपना रुख स्पष्ट किया।

उन्होंने कहा, मैं वेफर से जड़े मेगाफोन के साथ एनवीडिया के मुख्यालय पहुंचूंगा और मेरे साथ एनवीडिया के बहुत सारे कर्मचारी होंगे जो बाहर निकलना चाहते हैं... साथ ही कई सीईओ और फाउंडर भी होंगे। उन्होंने आगे कहा, जो सही है उसके लिए लड़ते हैं और अपनी पूरी जान लगा देते हैं। नतीजे हमारे हाथ में नहीं हैं, लेकिन चलो जी-जान से लड़ते हैं।

कलानिक की टिप्पणियां केवल किसी अन्य टेक्नोलॉजी लीडर का समर्थन करने तक सीमित नहीं थीं। उन्होंने हुआंग के बाहर होने की तुलना 2017 में उबर से अपने खुद के विवादास्पद इस्तीफे से भी की।

निवेशकों के बढ़ते दबाव और कंपनी के वर्कप्लेस कल्चर की जांच के बाद कलानिक ने उबर के सीईओ पद से इस्तीफा दे दिया था। यह जांच यौन उत्पीड़न के आरोपों और कंपनी के मानव संसाधन विभाग में मौजूद समस्याओं के सामने आने के बाद शुरू हुई थी।

उन्होंने बताया कि उन्होंने हुआंग को 2017 की उन न्यूज रिपोर्टों के स्क्रीनशॉट भी भेजे थे, जिनमें एक ऐसी याचिका का जिक्र था जिसमें उनके (कैलानिक के) उबर में वापस लौटने की मांग की गई थी। कैलानिक ने कहा, याचिका अच्छी है, लेकिन वॉकआउट और भी बेहतर है। उन्होंने आगे बताया कि हुआंग ने उनके संदेश का कोई जवाब नहीं दिया।

यह तुलना इसलिए भी दिलचस्प है क्योंकि कलानिक खुद जानते हैं कि उस कंपनी को छोड़ने का दबाव झेलना कैसा होता है, जिसे खड़ा करने में उन्होंने खुद मदद की थी। उन्होंने उबर की सह-स्थापना की थी और इसे दुनिया के सबसे बड़े राइड-हेलिंग व्यवसायों में से एक बनाने में अहम भूमिका निभाई थी।

कलानिक ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के भविष्य के लिए हुआंग के महत्व के बारे में एक व्यापक तर्क भी दिया। उन्होंने कहा कि एआई को लोगों को नियंत्रित करने वाली शक्ति बनने के बजाय, मानवता की शर्तों के अनुसार काम करना चाहिए।

उनके नजरिए से हुआंग उन लोगों में से हैं जो यह सुनिश्चित करने के लिए सबसे उपयुक्त स्थिति में हैं कि ऐसा हो। कलानिक ने कहा, जेनसेन ही वह मुख्य व्यक्ति हैं जो हमें यह आजादी दिलाएंगे और उन्होंने इसके लिए स्टैंड भी लिया है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि यह मामला न्याय और उचित प्रक्रिया से जुड़ा है, न कि सिर्फ इस बात से कि हुआंग को उनके पुराने पद पर वापस आना चाहिए या नहीं।

कलानिक का यह हस्तक्षेप ऐसे समय में हुआ है जब हुआंग को फिर से बहाल करने की मांग को लेकर चल रहे ऑनलाइन अभियान को काफी समर्थन मिल रहा है। खबरों के अनुसार, इस याचिका पर 2,00,000 से यादा हस्ताक्षर हो चुके हैं। इसे टेक्नोलॉजी और निवेश जगत की कुछ बड़ी हस्तियों का भी समर्थन मिला है।

जॉर्जिया में गैस विस्फोट से ढही 5 मंजिला इमारत, बचा समेत 6 लोगों की मौत

त्बिलिसी



गैस विस्फोट की वजह से जॉर्जिया की राजधानी त्बिलिसी में गुरुवार को पांच मंजिला रिहायशी इमारत का एक हिस्सा ढह गया। इस हादसे में एक बचे समेत कम से कम छह लोगों की मौत हो गई।

अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, यह विस्फोट गुरुवार सुबह उपनगरीय पोनिचाला जिले में हुआ, जिससे कई निवासी मलबे के नीचे दब गए।

जॉर्जिया के गृह मंत्री सुल्खान तमाज़ाशविली ने बताया कि बचाव दलों ने छह शव निकाले हैं, जिनमें एक छोटा बचा भी शामिल है। मलबे के नीचे कई घंटों तक दबी रहने के बावजूद तीन साल की एक बची को जिंदा बचा लिया गया।

जॉर्जियन पब्लिक ब्रॉडकास्टर की रिपोर्ट के मुताबिक, बची को इंगोरोक्वा यूनिवर्सिटी क्लिनिक ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने बताया कि उसकी हालत स्थिर है और स्कैन में कोई गंभीर चोट नहीं पाई गई है। 11 साल के एक लड़के का भी इंटेंसिव केयर में इलाज चल रहा है, जिसकी हालत काफी हद तक स्थिर बताई गई है। वहीं, एएफपी के मुताबिक आपातकालीन प्रबंधन सेवा के प्रमुख तेइमुराज़ मगेब्रिशविली ने बताया कि मृत पाई गई महिलाओं में से एक के उस बची की मां होने का अंदेशा है। गैस आपूर्तिकर्ता तिबिलिसी एनर्जी ने बताया कि जिस अपार्टमेंट को विस्फोट का संभावित स्रोत माना जा रहा है, वह खाली दर्ज था। पिछले एक साल में वहां गैस की कोई खपत नहीं हुई थी। कंपनी ने बताया कि वो अभी तक क्षतिग्रस्त जगह का निरीक्षण नहीं कर पाई है।

अल जजीरा ने जॉर्जिया की इंटरप्रेसन्यूज एजेंसी के हवाले से बताया कि इमारत के ढांचे की जांच के बाद, त्बिलिसी के मेयर काखा कालाद्जे ने कहा कि 28 परिवारों (जिनमें 100 से अधिक लोग शामिल हैं) को अस्थायी रूप से होटलों में स्थानांतरित किया जाएगा, क्योंकि इमारत के दो हिस्सों को असुरक्षित घोषित कर दिया गया है। अभियोजक लेवन वेपखवाद्जे ने कहा कि अधिकारियों ने सुरक्षा नियमों के संभावित उल्लंघन को लेकर आपराधिक जांच शुरू कर दी है।

इराक युद्ध की तरह यूएस फिर गढ़ रहा फर्जी कहानी, जैविक हथियारों के दावों पर बोला इरान



यरुशलम। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने गुरुवार (स्थानीय समयानुसार) को अमेरिका के उन दावों को सिरे से खारिज कर दिया, जिनमें कहा गया था कि तेहरान जैविक या रासायनिक हथियार विकसित कर रहा है। उन्होंने वाशिंगटन पर आरोप लगाया कि वह 2003 में इराक पर हमले से पहले लगाए गए बेबुनियाद आरोपों के पैटर्न को ही दोहरा रहा है। एक्स पर एक पोस्ट में बघाई ने कहा कि ईरान के खिलाफ अमेरिका के आरोप तो बदलते रहते हैं, लेकिन उनके पीछे की कहानी वही पुरानी है। उन्होंने इसकी तुलना 2003 में अमेरिका के नेतृत्व वाले हमले से पहले इराक के कथित सामूहिक विनाश के हथियारों के बारे में अमेरिकी अधिकारियों द्वारा किए गए खुफिया दावों से की। बघाई ने कहा कि ईरानी परमाणु खतरे की बड़ी कहानी के बाद, अब अमेरिकी अधिकारी दावा कर रहे हैं कि ऐसे संकेत हैं कि ईरान जैविक या रासायनिक हथियार विकसित कर रहा है! उन्होंने आगे कहा कि आरोप तो बदलते रहते हैं, लेकिन इनके पीछे की कहानी बहुत जानी-पहचानी और चिंताजनक है। ऐसा लगता है कि दुनिया से एक बार फिर यह उम्मीद की जा रही है कि वह सब कुछ भूल जाए - बिल्कुल फाइंडिंग निमो फिल्म की उस मछली डोरी की तरह, जिसे चीजें जल्दी भूल जाने की आदत थी।

यह सवाल उठाते हुए कि क्या अमेरिकी अधिकारी यह उम्मीद करते हैं कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय इराक युद्ध से पहले की घटनाओं को भूल जाएगा, बघाई ने 2003 में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सामने पूर्व अमेरिकी विदेश मंत्री कॉलिन पॉवेल की प्रस्तुति का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि क्या अमेरिकी अधिकारी सच में यह उम्मीद करते हैं कि दुनिया 2003 में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सामने कॉलिन पॉवेल की उस कुख्यात उपस्थिति को भूल जाएगी, जब उन्होंने इराक के जनसंहार के हथियारों से जुड़े कथित खतरे को दिखाने के लिए एक छोटी शीशी दिखाई थी? बघाई ने इस घटना को आधुनिक इतिहास की सबसे गंभीर खुफिया विफलताओं और राजनीतिक धोखों में से एक का प्रतीक बताया। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि इराक के पास जनसंहार के हथियार होने के बेबुनियाद खुफिया दावों का इस्तेमाल जानबूझकर सैन्य हस्तक्षेप के लिए जनसमर्थन जुटाने के लिए किया गया था। बघाई ने कहा कि इराक के पास जनसंहार के हथियार होने के बेबुनियाद खुफिया दावों को जानबूझकर एक हथियार की तरह इस्तेमाल किया गया, ताकि जनसमर्थन जुटाया जा सके और सैन्य हमले का रास्ता साफ हो सके। इसके नतीजे विनाशकारी रहे - न केवल इराकी लोगों के लिए, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए और अंततः, खुद अमेरिकी समाज के लिए भी।

निर्बाध उपचार के लिए हर जरूरतमंद का बनेगा आयुष्मान कार्ड : योगी

गोरखपुर, (वार्ता)



मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए आर्थिक सहायता का अनुरोध लेकर पहुंचे लोगों को मुख्यमंत्री ने आश्वस्त करते हुए कहा कि सरकार उपचार कराने में पूरी मदद करेगी। इसके लिए हर जरूरतमंद का आयुष्मान कार्ड बनवाया जाएगा और इसके बाद भी जरूरत पड़ी तो विवेकाधीन कोष से सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी। जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री ने मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिए कि हर जरूरतमंद, पात्र व्यक्ति का आयुष्मान कार्ड बनवाना सुनिश्चित किया जाए ताकि बीमारी की स्थिति में उनका निर्बाध उपचार हो सके।

शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर में, महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन के दौरान सीएम योगी आदित्यनाथ करीब 150 लोगों से मिले। उनके पास जाकर उनकी समस्याएं सुनीं। उनके प्रार्थना पत्र अपने हाथ में लेकर उसका अवलोकन कर समस्या, शिकायत का संज्ञान लिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने लोगों से कहा कि वे चिंता न करें, सरकार उनके साथ खड़ी है। उन्होंने अलग-अलग मामलों के निस्तारण के लिए संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को प्रार्थना पत्र संदर्भित और हस्तगत किया। साथ ही निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और संतुष्टिप्रद होना चाहिए। जनता दर्शन में जमीन कब्जा करने से जुड़ी शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ऐसे मामलों में विधिसंगत सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान शुक्रवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या परंपरागत रही। प्रात:काल महायोगी गुरु गोरखनाथ और अपने ब्रह्मलीन गुरुदेव महंत अवेद्यनाथ जी का आशीर्वाद लेने के बाद सीएम योगी ने मंदिर की गोशाला में गोसेवा की। गोवंश को अपने हाथ से रोटी व गुड़ खिलाकर उन पर स्नेह बरसाया। उन्होंने भोलू नामके बछड़े और छुटकी नाम की बछिया को आवाज देकर अपने पास बुलाया और उन्हें खूब दुलारा। गोशाला में रोटी-गुड़ खिलाने के दौरान गोवंश, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सानिध्य पाकर उनके और निकट आने के लिए भावविह्वल अंदाज में उतावले होने लगे। इस पर मुख्यमंत्री ने प्यार से उन्हें समझाया, अपनी जगह पर ही रहो नहीं तो चोट लग जाएगी।

रोहिंग्या नरसंहार के लिए म्यांमार जिम्मेदार, आईसीजे के फैसले का संयुक्त राष्ट्र ने किया स्वागत

द हेग, (वार्ता)। अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) ने 2017 में रोहिंग्या मुसलमानों के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के दौरान हुए नरसंहार के लिए म्यांमार को जिम्मेदार ठहराया है। न्यायालय के इस ऐतिहासिक फैसले का संयुक्त राष्ट्र और इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) ने स्वागत किया है, जबकि अमेरिका ने कहा है कि वह फैसले के प्रभावों का अध्ययन कर रहा है। गुरुवार को सुनाए गए फैसले में संयुक्त राष्ट्र की शीर्ष न्यायालय ने नौ के मुकाबले छह मतों से म्यांमार को 1948 के नरसंहार रोकथाम और दंड संबंधी संधि के कई प्रावधानों का उल्लंघन करने का दोषी पाया। यह पहली बार है, जब न्यायालय ने किसी देश को नरसंहार के लिए जिम्मेदार ठहराया है। न्यायाधीश यूजी इवासावा ने कहा कि म्यांमार ने रोहिंग्या आबादी के एक बड़े हिस्से को नष्ट करने के इरादे से कार्रवाई की थी। न्यायालय के अनुसार, उपलब्ध साक्ष्यों से नरसंहार का इरादा ही एकमात्र उचित निष्कर्ष निकलता है। म्यांमार में 2017 की सैन्य कार्रवाई में हजारों रोहिंग्या मारे गए थे और सात लाख से अधिक लोगों को पड़ोसी देश बंगलादेश में शरण लेने के लिए मजबूर होना पड़ा था। न्यायालय ने कहा कि सैन्य सफाया अभियान के दौरान करीब 10 हजार रोहिंग्या की हिंसक तरीके से हत्या की गई, जबकि लगभग 8.15 लाख लोगों को किसी न किसी रूप में निशाना बनाया गया। न्यायालय ने म्यांमार को पीड़ितों को मुआवजा देने के लिए भी जिम्मेदार ठहराया है।

जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है केंद्र सरकार : रेवंत

हैदराबाद, (वार्ता)



तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर आरोप लगाया कि केंद्र सरकार जांच एजेंसियों का दुरुपयोग तथा समाज को विभाजित करने के साथ ही गरीबों को उनके मतदान के अधिकार से वंचित करने की कोशिश कर रही है।

श्री रेड्डी ने यहां आयोजित एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि श्री मोदी ने पिछले 12 वर्षों में लोगों के मन में जो डर पैदा किया था, उसे युवाओं ने महज 12 दिनों में खत्म कर दिया है। कथित चुनावी अनियमितताओं के खिलाफ विपक्ष के अभियान का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि गरीब लोगों को मतदान के अधिकार से वंचित करने और दशकों के संघर्ष के बाद हासिल किए गए उनके अधिकार को छीनने की कोशिश की जा रही है।

उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी और पंडित जवाहरलाल नेहरू ने विकास की ऐसी परिकल्पना की थी, जिसका लाभ समाज के हर गरीब व्यक्ति तक पहुंचे। श्री मोदी ने कथित तौर पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और आयकर विभाग जैसी एजेंसियों को राजनीतिक हथियार बना दिया है।

श्री रेड्डी ने कहा कि राहुल गांधी का नारा वोट चोर, गद्दी छोड़ लोकप्रिय हो रहा है। उन्होंने कहा कि यदि गरीबों के मतदान के अधिकार छीने जाते हैं, तो दुनिया के किसी भी हिस्से में रहने वाले लोगों को इसके खिलाफ आवाज उठाने का अधिकार है।

क्रांतिकारी चे ग्वेरा का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि न्याय के लिए संघर्ष कर रहे लोगों की मदद के लिए जहां भी जरूरत हो, वहां पहुंचने के लिए तैयार रहना चाहिए।

प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं पर कटाक्ष करते हुए मुख्यमंत्री ने उन्हें घूमने वाले प्रधानमंत्री बताया और सवाल किया कि उन्होंने कितनी बार विदेश यात्राएं की हैं। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया कि वह सचाई से अधिक सत्ता को प्राथमिकता देती है और भ्रामक जानकारी के सहारे राजनीति करती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के स्वतंत्रता संग्राम का नेतृत्व करने वाली कांग्रेस अगले एक हजार वर्षों तक भी लोगों के लिए संघर्ष करती रहेगी। उन्होंने कहा कि उन्होंने कांग्रेस इसलिए वाइन की, क्योंकि देश को राहुल गांधी की जरूरत थी। केंद्र सरकार के साथ अपनी सरकार के संबंधों पर मुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना के हित में वह पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव और श्री मोदी सहित किसी से भी मिलने के लिए तैयार हैं। प्रधानमंत्री के साथ हाल में हुई अपनी मुलाकात का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि राय सरकार ने प्रधानमंत्री को खेलो इंडिया आयोजन में शामिल होने का निमंत्रण दिया है। इस आयोजन में आठ हजार खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। इसके अलावा प्रधानमंत्री को सात, आठ और नौ दिसंबर को आयोजित होने वाले तेलंगाना वैश्विक शिखर सम्मेलन में भी आमंत्रित किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री इस वैश्विक सम्मेलन में शामिल होते हैं या नहीं, यह पूरी तरह उनका अपना फैसला होगा। श्री रेड्डी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को चुनौती दी कि वह हैदराबाद लोकसभा सीट से चुनाव लड़कर ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी को हराकर दिखायें। उन्होंने तेलंगाना में भाजपा की राजनीतिक ताकत को भी खारिज करते हुए जुबली हिल्स विधानसभा उपचुनाव में पार्टी के खराब प्रदर्शन का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी के प्रतिनिधित्व वाले इस निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा अपनी जमानत तक नहीं बचा सकी। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेतृत्व पर निशाना साधते हुए श्री रेड्डी ने श्री चंद्रशेखर राव को अपना राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी बताया, लेकिन बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के. टी. रामाराव को गंभीरता से नहीं लेने की बात कही।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

सामंथा रूथ प्रभु और राज निदिमोरु के घर गूंजी किलकारी, बेटे का नाम रखा देव निदिमोरु



अभिनेत्री सामंथा रूथ प्रभु और फिल्म निर्माता राज निदिमोरु के जीवन में एक बेहद खास और खुशियों भरा पल आया है। इस जोड़े के घर एक बेटे का जन्म हुआ है, जिसका नाम उन्होंने देव निदिमोरु रखा है। सामंथा ने सोशल मीडिया के जरिए यह खुशखबरी अपने फैंस और चाहने वालों के साथ साझा की। उन्होंने अपने नवजात बेटे की एक बेहद प्यारी तस्वीर पोस्ट की, जिसमें बच्चे की नन्ही उंगलियां सामंथा की उंगलियों को थामे नजर आ रही हैं। तस्वीर के साथ, अभिनेत्री ने बच्चे का नाम और जन्म की तारीख भी बताई। उन्होंने कैप्शन में लिखा, हमारा प्यारा बेटा देव निदिमोरु, 19.11.2026। हमारा दिल आज जितनी खुशी महसूस कर रहा है, उतनी पहले कभी नहीं की थी। सामंथा और राज। यह घोषणा उस पारंपरिक समारोह के कुछ समय बाद आई है, जो इस जोड़े ने अपने घर पर मां और बच्चे के लिए आशीर्वाद मांगने के लिए आयोजित किया था। 17 नवंबर को हुए इस निजी समारोह में परिवार के करीबी सदस्य शामिल हुए। कियारा आडवाणी, नयनतारा, तमन्ना भाटिया, रकुल प्रीत सिंह, अनन्या पांडे, वरुण धवन और भूमि पेडनेकर सहित सैकड़ों प्रशंसकों ने इस जोड़े को बधाई दी। मातृ शिशु मंगला आशीर्वादम नाम के इस समारोह में प्रार्थनाएं, मंत्रोच्चार और पारंपरिक रस्में शामिल थीं। सामंथा लाल रंग के पारंपरिक परिधान में नजर आईं, जबकि राज ने क्रीम रंग का कुर्ता और सफेद पजामा पहना था। समारोह की तस्वीरों में इस जोड़े को रस्में निभाते और बड़ों का आशीर्वाद लेते हुए देखा जा सकता है। सामंथा की ननद (या भाभी) ने इस समारोह की कई तस्वीरें साझा कीं और परिवार की तैयारियों के बारे में बताया। उन्होंने याद किया कि कैसे वे रिश्तेदार, जिन्होंने उन्हें बड़ा करने में मदद की थी, सामंथा और बच्चे को आशीर्वाद देने के लिए एक साथ आए। उन्होंने लिखा, हम ऐसा कब कर सकते हैं, बाबू मैं काफी समय से अपने भाई (अन्नय्या) से यही पूछ रही थी। और आखिरकार, वह समय आ ही गया। हमारी मौसियां और बड़ी मौसियां (पिन्नाम्मा और पेड्डाम्मा), जिन्होंने हमें बड़ा करने में मदद की थी, मातृ शिशु मंगला आशीर्वादम के लिए दूर-दूर से आईं। उन्होंने सामंथा और उस प्यारे नन्हे बच्चे को आशीर्वाद दिया, जो पहले से ही हमारे दिलों पर राज कर रहा है और जल्द ही हमारे पूरे परिवार (साम्राज्यम) पर छा जाएगा।

शादी की नई तस्वीरों में पति अनिरुद्ध रविचंदर के गले लगने पर शरमाती दिखीं काव्या मारन



मशहूर म्यूजिक कंपोजर अनिरुद्ध रविचंदर और सनराइजर्स हैदराबाद की सीईओ काव्या मारन की शादी इस साल की सबसे चर्चित शादियों में से एक बन गई है। 11 नवंबर, 2026 को ग्रीस में एक बेहद निजी लेकिन शाही समारोह में शादी के बंधन में बंधने के बाद, यह नवविवाहित जोड़ा अब चेन्नई में एक भव्य वेडिंग रिसेप्शन के जरिए अपनी खुशियों का जश्न मनाने के लिए पूरी तरह तैयार है। रिसेप्शन की तैयारियों के बीच अनिरुद्ध ने अपनी शादी की कुछ बेहद खूबसूरत और अनदेखी तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की हैं, जो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रही हैं। अपनी शादी, संगीत और कॉकटेल पार्टी की तस्वीरें साझा करने के बाद, जवान फिल्म के म्यूजिक कंपोजर ने शादी की कुछ और नई तस्वीरें पोस्ट की हैं और फैंस को उनके प्यार के लिए धन्यवाद दिया है।

अपनी पत्नी काव्या मारन के साथ नई तस्वीरों में, अनिरुद्ध रविचंदर ने अपने शुभचिंतकों को उनके प्यार और आशीर्वाद के लिए धन्यवाद दिया। इस जोड़े ने एक संयुक्त बयान में कहा,हमारा दिल खुशी से भरा है। आपका प्यार और आशीर्वाद हमारे लिए शब्दों से कहीं ज्यादा मायने रखता है। इस नई शुरुआत को और भी खास बनाने के लिए आप सभी का धन्यवाद। हम आपके दिए गए सारे प्यार को अपने साथ संजोकर रखेंगे - काव्या और अनिरुद्ध। 21 नवंबर को होने वाले इस कार्यक्रम में जोड़े के परिवार वाले, दोस्त और शुभचिंतक शामिल होंगे। मारन परिवार इस रिसेप्शन का आयोजन कर रहा है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री कार्यालय ने ट्विटर पर एक पोस्ट के जरिए इस तारीख की पुष्टि की है। इस पोस्ट से पता चला है कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को भी इस कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया है।

इंटरनेशनल मेन्स डे पर गौरव खन्ना ने पुरुषों की अधूरी ख्वाहिशों को लेकर उठाया सवाल



अभिनेता गौरव खन्ना ने इंटरनेशनल मेन्स डे के अवसर पर पुरुषों की भावनाओं और परिवार के प्रति उनकी जिम्मेदारियों को रेखांकित करते हुए सवाल किया कि आखिरी बार किसी पुरुष ने अपनी कोई ख्वाहिश कब पूरी की थी। स्टार प्लस के आगामी पारिवारिक धारावाहिक दिल की बेवफाइयाँ के विशेष वीडियो में गौरव अपने किरदार मानव के जरिए उन पुरुषों की कहानी पेश करते नजर आ रहे हैं, जो परिवार की खुशियों और जरूरतों को पूरा करने में अपनी इच्छाओं को अक्सर पीछे छोड़ देते हैं।धारावाहिक में मानव 40 वर्ष से अधिक उम्र का ऐसा व्यक्ति है, जिसे अपने परिवार के प्रत्येक सदस्य की जरूरतों का पूरा ध्यान रहता है। उसे याद रहता है कि माता-पिता की दवाइयां कब लानी हैं, पत्नी के करियर में किस तरह सहयोग करना है, बच्चों के एडमिशन से जुड़ी जिम्मेदारियां कब पूरी करनी हैं और परिवार की छुट्टियों की योजना कैसे बनानी है। वह अपने परिवार के सपनों को पूरा करने में ही अपनी खुशी तलाशता है। मानव के शब्दों में, %उनका सपना पूरा करना अपना सपना बन जाता है। हालांकि, परिवार की जिम्मेदारियां निभाते हुए मानव अपनी इच्छाओं को लगातार टालता रहता है। जब वह अपनी बकेट लिस्ट के बारे में सोचता है, तो उसे एहसास होता है कि लंबे समय से उसने अपने मन की कोई ख्वाहिश पूरी नहीं की है। परिवार के हर सदस्य की पसंद और जरूरत का ध्यान रखने वाले मानव के अपने सपने आज भी अधूरे हैं। एकता कपूर के नए पारिवारिक धारावाहिक दिल की बेवफाइयाँ में इसी भावनात्मक पहलू को मानव और जानकी के वैवाहिक रिश्ते के माध्यम से दिखाया गया है। धारावाहिक में गौरव खन्ना और श्रद्धा आर्या पहली बार एक साथ नजर आएंगे। दोनों ऐसे दंपती की भूमिका निभा रहे हैं, जिनकी शादी को 20 वर्ष हो चुके हैं। जानकी रोजमर्रा की छोटी-छोटी खुशियों में संतोष तलाशती है। उसके लिए मानव के साथ मिलकर बनाया गया परिवार और जीवन ही पर्याप्त है। वहीं मानव भी अपने परिवार से बेहद प्यार करता है, लेकिन उसके मन में अपनी अधूरी इच्छाओं को लेकर एक कसक बनी हुई है। दोनों के जीवन और सोच के बीच का यही अंतर उनके रिश्ते में नया मोड़ लाता है। शादी के दो दशक बाद मानव की यह अधूरी ख्वाहिश उनके रिश्ते को किस दिशा में ले जाएगी, यह धारावाहिक की कहानी का अहम हिस्सा होगा।

प्राचीन सूर्य मंदिर में 22 नवंबर को सजेगा भव्य मड़ई मेला, मां चंडी की पूजा और अहीरी नृत्य रहेगा आकर्षण

टैगोर वार्ड में होगा धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन, व्यापारियों से नहीं लिया जाएगा कोई शुल्क, अहीरी नृत्य प्रतियोगिता के विजेताओं को मिलेंगे नकद पुरस्कार

सिवनी, स्वतंत्र मत। नगर के टैगोर वार्ड स्थित श्री प्राचीन सूर्य मंदिर परिसर में रविवार, 22 नवंबर 2026 को प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी भव्य मड़ई मेला एवं मां चंडी पूजा का आयोजन किया जाएगा। धार्मिक आस्था और पारंपरिक लोक संस्कृति के संगम के रूप में आयोजित इस मेले में नगरवासियों की सहभागिता रहेगी। आयोजन समिति ने समस्त नगरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

आयोजन के संबंध में दी गई जानकारी के अनुसार मां चंडी का पूजन शाम 4 बजे प्रारंभ होगा। इसके पूर्व मां चंडी की शोभायात्रा श्री नारायण नन्दा जी के निवास, सी.वी. रमन वार्ड, डीओ ऑफिस के पीछे से प्रारंभ होकर नगर भ्रमण करते हुए श्री प्राचीन सूर्य मंदिर पहुंचेगी। मंदिर परिसर में विधि-विधान से मां चंडी की



पूजा-अर्चना की जाएगी।

मड़ई में व्यापारियों से नहीं लिया जाएगा कोई शुल्क

आयोजन समिति ने मड़ई मेले में पहुंचने वाले व्यापारियों के लिए विशेष घोषणा की है। मेले में दुकान एवं व्यापारिक गतिविधियां संचालित करने के लिए आने वाले किसी भी व्यापारी से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। समिति का उद्देश्य अधिक से अधिक व्यापारियों को मेले से जोड़ना और पारंपरिक मड़ई की रौनक बढ़ाना है।

अहीरी नृत्य प्रतियोगिता में मिलेंगे नकद पुरस्कार

मड़ई मेले का प्रमुख आकर्षण पारंपरिक अहीरी नृत्य रहेगा। इसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करने के लिए नकद पुरस्कार निर्धारित किए गए हैं। प्रथम पुरस्कार 1501 रुपये, द्वितीय पुरस्कार 1101 रुपये एवं तृतीय पुरस्कार 901 रुपये प्रदान किए जाएंगे।

आयोजन समिति ने किया आमंत्रित

इस भव्य धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन के मुख्य सदस्यों में संतोष अग्रवाल (बाहुबली), नारायण नन्दा, सुभाष यादव, पिंटू नन्दा, बंटी नन्दा, दीपक साहू, विष्णु बरमैया, सूरज यादव, शंकर उड़के, मनोज यादव, निरंजन बरमैया, राज कश्यप एवं विशाल नागेश्वर शामिल हैं।

आयोजन श्री सिद्ध शनिधाम ट्रस्ट (प्राचीन सूर्य मंदिर), टैगोर वार्ड, सिवनी के तत्वावधान में किया जा रहा है। कार्यक्रम का सौजन्य श्री संतोष अग्रवाल (मुख्य संरक्षक) द्वारा है। आयोजकों ने नगरवासियों, व्यापारियों एवं धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से परिवार सहित पहुंचकर मां चंडी का आशीर्वाद प्राप्त करने और पारंपरिक मड़ई मेले की रौनक बढ़ाने का आग्रह किया है।

आज सिवनी आएंगे भाजपा व्यापारी प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक धीरज खंडेलवाल, व्यापारियों के साथ करेंगे बैठक

भाजपा पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में होगा व्यापारी संवाद, जिला संयोजक आशीष अग्रवाल ने दी दौरा कार्यक्रम की जानकारी

सिवनी, स्वतंत्र मत। भारतीय जनता पार्टी व्यापारी प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक धीरज खंडेलवाल 21 नवंबर 2026 को सिवनी पहुंचेंगे। अपने प्रदेशव्यापी दौरा कार्यक्रम के तहत उनके सिवनी प्रवास के दौरान व्यापारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में भाजपा के पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहेंगे।

व्यापारी प्रकोष्ठ के जिला संयोजक आशीष अग्रवाल ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश संयोजक धीरज खंडेलवाल के सिवनी आगमन पर 21 नवंबर को शाम 5 बजे से 6:30 बजे तक व्यापारियों के साथ बैठक रखी गई है। इसमें भाजपा पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में व्यापारियों से संवाद किया जाएगा। बैठक में व्यापारिक क्षेत्र से जुड़े विषयों और संगठनात्मक



गतिविधियों पर चर्चा होगी।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार धीरज खंडेलवाल सुबह 10 बजे से 11 बजे तक जबलपुर में मंजेश जैन के साथ बैठक करेंगे। इसके बाद दोपहर 12.30 बजे से 1 बजे तक सचिन गुप्ता के निवास पर मुलाकात करेंगे। जबलपुर से दोपहर 2.30 बजे सिवनी के लिए प्रस्थान कर शाम 5 बजे पहुंचेंगे। सिवनी में बैठक संपन्न होने के बाद शाम 7 बजे वे छिंदवाड़ा मार्ग से पांढुर्णा के लिए रवाना होंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार रात्रि लगभग 11.30 बजे पांढुर्णा पहुंचने का कार्यक्रम है।

प्रदेश संयोजक के इस प्रवास को व्यापारी प्रकोष्ठ की संगठनात्मक सक्रियता बढ़ाने और व्यापारियों के साथ सीधा संवाद स्थापित करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जिला संयोजक आशीष अग्रवाल ने व्यापारियों एवं संबंधित पदाधिकारियों से बैठक में उपस्थित रहने की अपील की है।

राष्ट्रीय एम.एम. ग्रैंड अंताक्षरी प्रतियोगिता का आज से आगाज

फ्री पास से दर्शकों को भी मिलेगा लकी ड्रा से ईनाम

सिवनी, स्वतंत्र मत। संगीत प्रेमियों के लिए सिवनी में आज से दो दिवसीय राष्ट्रीय एम.एम. ग्रैंड अंताक्षरी प्रतियोगिता 2026 का भव्य आयोजन होने जा रहा है। जिला मनोरंजन समिति सिवनी के तत्वावधान में 21 एवं 22 नवंबर को एम.एम. ग्रैंड अग्रोहा, सेंट फ्रांसिस स्कूल के बाजू में लूघरवाड़ा में आयोजित इस प्रतियोगिता में देशभर के संगीत प्रेमी एवं प्रतिभागी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। कार्यक्रम प्रतिदिन शाम 4 बजे से प्रारंभ होगा। आज पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए आयोजकों में सल्लू अग्रवाल, पृथ्वीराज जगने, सुधीर अग्रवाल, आशीष अग्रवाल, कपिल पांडे, आशीष दुबे, उमेश मोदी ने बताया कि प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 51 हजार रुपये, द्वितीय पुरस्कार 31 हजार रुपये एवं तृतीय पुरस्कार 21 हजार रुपये निर्धारित किया गया है। इसके अलावा 30 सांत्वना पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे।

आयोजन को सामान्य अंताक्षरी से अलग और रोमांचक बनाने के लिए पांच प्रारंभिक राउंड, छह सेमीफाइनल राउंड एवं आठ विशेष बजर राउंड तैयार किए गए हैं। इनमें प्रतिभागियों को फिल्मी गीत गाने के साथ संगीत की धुन पहचानने, फिल्म का नाम, हीरो-हीरोइन, गायक-गायिका की पहचान करने तथा ऑडियो और वीडियो क्लिपिंग के माध्यम से अपनी फिल्मी जानकारी का प्रदर्शन करना होगा। कई राउंड में बोनस अंकों की व्यवस्था भी रखी गई है। प्रतियोगिता में अंताक्षरी, धुन, म्यूट वीडियो क्लिपिंग, अंतरा-मुखड़ा, ऑडियो क्लिपिंग, सवाल-जवाब, सिचुएशनल एवं चिट राउंड विशेष आकर्षण रहेंगे। बजर राउंड में सबसे पहले बजर दबाने वाली टीम को जवाब देने का अवसर मिलेगा। प्रतिभागियों के जवाब नहीं देने पर दूसरी टीम और इसके बाद दर्शकों को भी मौका दिया जाएगा। इस आयोजन को मेनलाइन एकेडमी द्वारा पावर्ड किया जा रहा है, जबकि दैनिक पृथ्वी टाइम्स मीडिया पार्टनर है। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों के साथ दर्शकों के लिए भी विशेष आकर्षण रहेगा। आयोजन के दौरान दर्शकों के लिए लकी ड्रॉ का आयोजन किया जाएगा, जिसके माध्यम से आकर्षक उपहार जीतने का अवसर मिलेगा।

आयोजन समिति ने जिले के नागरिकों, संगीत प्रेमियों एवं कलाकारों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस अनूठे संगीतमय आयोजन का आनंद लेने, लकी ड्रॉ में शामिल होने एवं प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करने की अपील की है।

किफायती और सुलभ वित्तीय सहायता से सिवनी में कारोबार को नई मजबूती

एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज ने सिवनी में ऑटो पार्ट्स का 50 साल पुराना पारिवारिक कारोबार चलाने वाले व्यक्ति को अपना कामकाज दोबारा खड़ा करने और विकास के अगले चरण की ओर बढ़ने में मदद की।

सिवनी, स्वतंत्र मत। कई छोटे कारोबारियों के लिए समय पर और किफायती वित्तीय सहायता मिलना केवल कारोबार को किसी तरह चलाए रखने और उसे सफल उद्यम बनाने के बीच का निर्णायक मोड़ साबित हो सकता है। मध्य प्रदेश के सिवनी में लंबे समय से ऑटो पार्ट्स का कारोबार चला रहे अजय गौतम के लिए सही समय पर मिली वित्तीय मदद बेहद महत्वपूर्ण साबित हुई। इससे उन्हें अपने परिवार के कई पीढ़ियों पुराने कारोबार को फिर से खड़ा करने और आगे बढ़ाने में मदद मिली।

अजय का ऑटो पार्ट्स कारोबार से पुराना नाता है। इस कारोबार की शुरुआत उनके पिता ने की थी और उनका परिवार करीब पांच दशकों से इस क्षेत्र में सक्रिय है। अजय खुद पिछले 25 वर्षों से दुकान का प्रबंधन कर रहे हैं। हालांकि, उनका यह सफर हमेशा आसान नहीं रहा। कोविड-19 महामारी से पहले के वर्षों में कारोबार को एक बेहद मुश्किल दौर से गुजरना पड़ा। इस दौरान काफी नुकसान हुआ, जिससे कारोबार का भविष्य भी संकट में पड़ गया।

अनिश्चितता के इसी दौर में अजय ने एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज से संपर्क किया। एक किफायती और भरोसेमंद ऋणदाता के रूप में एचडीबी ने उनकी जरूरतों के अनुरूप सरल और पारदर्शी प्रक्रिया के जरिये 5 लाख रुपये का कारोबारी ऋण उपलब्ध कराया। हर चरण पर स्पष्ट मार्गदर्शन और आसानी से पूरी की जा सकने वाली शर्तों के कारण अजय अपना पूरा ध्यान कारोबार को फिर से खड़ा करने और मजबूत बनाने पर लगा सके।

समय पर मिली इस किफायती वित्तीय सहायता से अजय अपने स्टॉक की भरपाई कर सके, ग्राहकों की बढ़ती मांग पूरी कर सके और कारोबार को दोबारा मजबूती से विकास की राह पर ला सके। पूंजी मिलने से दुकान को फिर से स्थिरता हासिल करने में मदद मिली और उसके कामकाज तथा मुनाफे, दोनों में उल्लेखनीय सुधार हुआ।

अपना अनुभव साझा करते हुए अजय गौतम ने कहा एक समय ऐसा था, जब मेरा कारोबार मुश्किल दौर से गुजर रहा था और मुझे इसे आगे बढ़ाने के लिए सही सहयोग की जरूरत थी। एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज ने ठीक उसी समय किफायती ऋण देकर मेरा साथ दिया, जब मुझे इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी। उनकी प्रक्रिया सरल थी और ऋण की शर्तें वास्तव में किफायती थीं। इससे मेरी दुकान को जरूरी गति मिली। मैं उनके सहयोग के लिए आभारी हूं और भरोसेमंद ऋण देने वाले साझेदार की तलाश कर रहे किसी भी व्यक्ति को खुशी से उनकी सिफारिश करूंगा। जब भी मुझे वित्तीय सहायता की जरूरत होगी, मैं एचडीबीएफएस की मदद लेना पसंद करूंगा।

अजय के लिए 5 लाख रुपये का यह ऋण केवल वित्तीय सहायता से कहीं बढ़कर था। इसने उन्हें अपने परिवार की विरासत को बचाने और कारोबार को अधिक मजबूत तथा सुरक्षित भविष्य की ओर ले जाने में मदद की।

सुलभ और किफायती वित्तपोषण समाधानों तथा ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण के जरिये एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज भारतभर के छोटे कारोबारियों को सशक्त बनाने का काम कर रही है। इसमें सिवनी जैसे छोटे शहरों और अर्ध-शहरी बाजारों के कारोबारी भी शामिल हैं, जिन्हें चुनौतियों से उबरने और टिकाऊ विकास हासिल करने में मदद दी जा रही है।

कॉलेज स्तरीय दो दिवसीय युवा उत्सव का हुआ रंगारंग समापन

युवाओं ने बिखेरा अपनी प्रतिभा का जलवा

सिवनी, स्वतंत्र मत। उच्च शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला युवा उत्सव इस बार भी शानदार तरीके से पीएम एक्सीलेंस कॉलेज में संपन्न हुआ. प्राचार्य डॉ रविशंकर नाग के कुशल निर्देशन में कॉलेज स्तर पर आयोजित दो दिवसीय युवा उत्सव में युवा विद्यार्थियों ने 27 विधाओं में अपनी प्रतिभा का जलवा बिखेरा. हर विधा में पहला स्थान हासिल करने वाले विजेता छात्र-छात्राओं को जिला स्तर पर कॉलेज का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिलेगा. युवा उत्सव के मीडिया प्रभारी डॉ. सत्येन्द्र शेन्डे ने बताया कि पहले दिन साहित्यिक, गायन-वादन और रूपांकन विधाओं का आयोजन हुआ. रंगोली, पेंटिंग, क्ले मॉडलिंग, पोस्टर निर्माण और



कार्टून निर्माण जैसी प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी कलाकृतियों से प्रतिभा का लोहा मनवाया. वहीं, दूसरी ओर प्रश्न मंच, भाषण और वाद विवाद प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने अपने बौद्धिक कौशल का परिचय देते हुए अपनी वाणी का जादू बिखेर दिया दिया. युवा उत्सव के जिला संयोजक डॉ. मनोज टेंभरे ने बताया कि युवा उत्सव के दूसरे दिन मिमिक्री, माईम, नाटक तथा शास्त्रीय नृत्य एवं लोक नृत्य प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ, जिसमें विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक छटा के रंग बिखेरे. आदिवासी लोक नृत्य ने सभी का मन मोह लिया।

जिला स्तरीय आयोजन 25, 26 और 27 नवंबर को होगा

प्राचार्य डॉ. रविशंकर नाग ने बताया कि जिला स्तरीय युवा उत्सव का तीन दिवसीय आयोजन 25, 26और 27 नवंबर को होगा, जिसमें जिले भर के शासकीय और प्राइवेट महाविद्यालय के प्रथम स्थान प्राप्त विजेता विद्यार्थी 27 विधाओं में हिस्सा लेंगे. जिला स्तर के विजेता छात्र-छात्राओं को विश्वविद्यालय स्तर पर हिस्सा लेने का मौका मिलेगा

वृद्ध दंपति ने एक साथ खाया कीटनाशक दोनों की मौत

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। बिरसा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम रमगढ़ी में वृद्ध दंपति ने कीटनाशक दवाई का सेवन कर लिया दोनों की मौत हो गई। मृतक सूरज सिंह पिता स्व.हरलाल धुर्वे 68 वर्ष और उनकी पत्नी सुंदरी बाई पति सूरज सिंह धुर्वे 65 वर्ष है। एक साथ कीटनाशक दवाई का सेवन किया अभी पूर्ण रूप से स्पष्ट नहीं हो पाया है। सूरज सिंह धुर्वे अपनी पत्नी सुंदरी बाई धुर्वे और बेटा गौतम सिंह और परिवार के अन्य लोगों के साथ में घर में थे दोनों वृद्ध दंपति ने कीटनाशक दवाई का सेवन कर लिया परिजनों ने दोनों को घर ला लिए थे किंतु 20 नवंबर को हालत बिगड़ने पर बालाघाट लाया जा रहा था रास्ते में ही सुंदरी बाई की मौत हो गई जिसका शव घर भिजवा दिया गया।

कलेक्टर एवं एसपी ने खर्रा में चौपाल लगाकर सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। कलेक्टर आदित्य सिंह एवं पुलिस अधीक्षक मलय जैन ने परसवाड़ा विकासखंड के ग्राम खर्रा में चौपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और उनके निराकरण के लिए आवश्यक निर्देश दिए। चौपाल में ग्रामीणों ने गांव में पानी की समस्या, सड़क निर्माण, स्कूल की बाउंड्रीवाल सहित विभिन्न समस्याओं से अधिकारियों को अवगत कराया। ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम खर्रा में 155 परिवार निवास करते हैं और गांव में पानी की समस्या बनी हुई है। ग्रामीणों ने खर्रा से सुकड़ी तक सीसी रोड निर्माण की मांग रखी। उनका कहना था कि सड़क बनने से बच्चों को स्कूल आने-जाने में आसानी होगी। इसके अलावा खर्रा के स्कूल में बाउंड्रीवाल निर्माण की आवश्यकता भी बताई गई। चौपाल



में ग्रामीणों ने एक अन्य समस्या रखते हुए बताया कि खर्रा में जिस शासकीय भूमि पर यात्री प्रतीक्षालय का निर्माण किया जा रहा है, उस भूमि का आवासीय पट्टा जारी कर दिया गया है।

ग्रामीणों ने मांग की कि उक्त पट्टे को निरस्त कर वहां यात्री प्रतीक्षालय का निर्माण कराया जाए। इस दौरान ग्रामीणों ने बताया कि गांव में राशन वितरण के लिए चलित वाहन आता है और पात्रता के अनुसार हितग्राहियों को राशन उपलब्ध कराया जाता है। चौपाल में ग्राम खर्रा में निवासरत विधवा महिला पारबता बाई ठाकरे ने बताया कि समग्र आईडी नहीं होने के कारण उन्हें शासन की योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। ग्रामीणों की समस्याएं सुनने के बाद कलेक्टर श्री आदित्य सिंह ने कहा कि गांव में पानी की समस्या के निराकरण के लिए तालाब एवं नालों पर स्टॉप डेम बनाने के कार्य कराए जाएंगे।

रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटी एक की मौत, एक गंभीर



बालाघाट(स्वतंत्र मत)। रेत के कारोबार से जुडा एक भयावह हादसा बीती रात वारासिवनी थाना क्षेत्र के ग्राम रेंगाटोला में देखने मिला हैं। हादसा इतना भयावह था कि ट्रॉली में दबने से 17 वर्षीय एक किशोर की जान चली गई, जबकि उसका साथी ट्रेक्टर चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे उपचार के लिये भेजा गया। लेकिन इस घटना के बाद से क्षेत्र में हो रहे रेत के अवैध उत्खनन और परिवहन को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। मामला वारासिवनी थाना क्षेत्र का है। जहां ग्राम जागपुर निवासी सनोज पिता प्रेमलाल ऊके उम्र 17 वर्ष 19 नवंबर की शाम करीब 7 बजे ट्रेक्टर पर मजदूरी करने जाने की बात कहकर घर से निकला था। देर रात करीब 12:30 बजे वह अपने सहयोगी विशाल कोहरे उम्र 17 वर्ष के साथ वैनगंगा नदी से ट्रैक्टर-ट्रॉली में रेत भरकर रेंगाटोला और एकोड़ी की ओर जा रहा था। लेकिन इसी दौरान रेत से भरी ट्रॉली अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। जहां हादसे में सनोज और विशाल दोनों ट्रॉली के नीचे दब गए। घटना के बाद किसी तरह लोगो को हादसे की खबर लगी और मौके पर ग्रामीण पहुंचे, जिन्होने कड़ी मशक्कत कर दोनों को बाहर निकाला और सनोज के पिता प्रेमलाल ऊके को सूचना दी। परिजन तत्काल दोनों को जिला अस्पताल बालाघाट लेकर पहुंचे, लेकिन यहां चिकित्सकों ने सनोज को मृत घोषित कर दिया। वहीं घायल विशाल कोहरे का निजी अस्पताल में उपचार जारी है।

20 नवंबर की सुबह अस्पताल चौकी पुलिस ने मर्ग कायम कर सनोज के शव का पंचनामा किया। दोपहर करीब 12 बजे परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम कराया गया, जिसके बाद शव उन्हें सौंप दिया गया। लेकिन इस हादसे ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। उम्र का आंकलन किया गया तो दोनों नाबालिग थे। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि नाबालिगो को ऐसे गोरखधंधे में क्यो ढकेला जा रहा है और उन्हे ट्रेक्टर जैसे वाहनो की स्टे:रिंग किसने और कैसे सौंप दीड़ कौन है वो, मासुमो को रेत के कारोबार में शामिल कर रहा हैड़ फिलहाल इन्ही सवालो को लेकर वारासिवनी पुलिस घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

मोबाइल को लेकर पत्नी की गला घोंटकर हत्या

तिरोड़ी थाना के सिवनहेटी की घटना आरोपी गए जेल

बालाघाट(स्वतंत्र मत)।



मोबाइल आज हमारी जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुका है। संचार, शिक्षा, मनोरंजन और जरूरी जानकारियों के लिए मोबाइल जितना उपयोगी साबित हुआ है उतना ही इसका अनियंत्रित इस्तेमाल पारिवारिक जीवन में तनाव और विवादों का कारण भी बनता जा रहा है। मोबाइल की बड़ती लत किस तरह पति-पत्नी के रिश्तों में दूरी पैदा कर सकती है। इसका एक दुखद उदाहरण तिरोड़ी थाना क्षेत्र के ग्राम सिवनहेटी में सामने आया है। यहां देर रात तक मोबाइल चलाने की बात को लेकर हुए विवाद ने इतना गंभीर रूप ले लिया कि एक 27 वर्षीय नवविवाहिता सुषमा राऊत की जान चली गई। आरोप है कि पति ने आवेश में आकर अपनी ही पत्नी का गला घोंटकर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी पति दिनेश राऊत 32 वर्ष को गिरफ्तार कर लिया है। सुषमा राऊत, जिसका साल 2023 में सिवनहेटी निवासी दिनेश राऊत के साथ सामाजिक रीति-रिवाज से विवाह हुआ था। विवाह के बाद दोनों पति-पत्नी अलग रहने लगे थे, उनके कोई बच्चे नहीं थे। दिनेश पेशे से मजदूर है। हाल के दिनो में सुषमा अपने मायके पक्ष की रिश्तेदारी में गई हुई थी और 17 नवंबर को लौटी थी। उस रात पति-पत्नी ने साथ बैठकर भोजन किया और उसके बाद सोने चले गये। इस दौरान सुषमा मोबाइल चला रही थी, जबकि उसका पति दिनेश गहरी नींद में सो गया था। लेकिन रात करीब 12:30 बजे जब दिनेश की नींद खुली तो उसने देखा कि सुषमा उस समय भी मोबाइल चला रही थी। जहां दिनेश ने पत्नी से देर रात तक मोबाइल चलाने को लेकर मना किया। लेकिन इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई और देखते ही देखते विवाद बड़ गया। जहां आक्रोश में आकर दिनेश ने सुषमा का गला दबा दिया और दम घुटने से सुषमा की मौत हो गई। घटना के बाद दिनेश पुरी तरह घबरा गया और परिजनो को सुषमा की अचानक तबीयत बिगड़ने की बात बताते हुए उसे कटंगी अस्पताल पहुंचाया। लेकिन यहां डॉक्टरों ने सुषमा को मृत घोषित कर दिया। नवविवाहिता की मौत संदिग्ध परिस्थितियों में होने के कारण पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया। 18 नवंबर को तिरोड़ी पुलिस ने शव का पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम कराया और शव परिजनों को सौंप दिया। जांच के दौरान पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सुषमा की मौत दम घुटने से होने की पुष्टि हुई। इसके बाद पुलिस ने मामले की नए सिरे से जांच शुरू की और पति दिनेश राऊत से पूछताछ की। जहां पूछताछ के दौरान दिनेश ने देर रात तक मोबाइल चलाने को लेकर पत्नी से विवाद होने और इसी दौरान उसका गला दबाने की बात स्वीकार की। जिसके बाद पुलिस ने दिनेश राऊत के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) के तहत हत्या का मामला दर्ज किया और उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

इनका कहना हैं

पीएम रिपोर्ट में हत्या का पहलु आने पर पति से पुछताछ की तो बताया कि शराब के नशे में सोया हुआ था रात्रि में पत्नी मोबाईल चला रहीं थीं इसी को लेकर विवाद हुआ और फिर गला दबाकर हत्या कर दी। इस मामले में आरोपी पति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

विवेक शर्मा, एसडीओपी कटंगी

गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर निकली भव्य बाइक रैली, जयकारों से गूंजा शहर





केसरिया निशान साहिब लेकर निकले युवा, जगह-जगह पुष्पवर्षा कर संगत का किया स्वागत

कटनी (स्वतंत्रमत)।

सिखों के प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के पावन अवसर पर शुक्रवार को गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा कटनी द्वारा शहर में भव्य बाइक रैली निकाली गई। बरही रोड स्थित गुरुद्वारा से दोपहर 2 बजे प्रारंभ हुई इस रैली में बड़ी संख्या में सिख समाज के श्रद्धालु, युवा एवं संगत शामिल हुए। केसरिया निशान साहिब लेकर बाइक पर सवार युवाओं ने गुरु नानक देव जी के जयकारों के साथ शहर का भ्रमण किया। रैली के दौरान पूरा शहर भक्तिमय माहौल में नजर आया। बाइक रैली गुरुद्वारा से प्रारंभ होकर हीरागंज, नई बस्ती, आदर्श कॉलोनी, चांडक चौक, आजाद चौक, मिशन चौक, बरगवां, माधवनगर गेट, विश्राम बाबा, माधवनगर, बरगवां, मिशन चौक, थाना चौराहा, सुभाष चौक एवं स्टेशन चौराहा होते हुए पुन: गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा पहुंचकर संपन्न हुई। मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं एवं नागरिकों ने पुष्पवर्षा कर रैली का आत्मीय स्वागत किया। आयोजकों ने बताया कि गुरु नानक देव जी ने संपूर्ण विश्व को शांति, प्रेम, भाईचारे और मानवता का संदेश दिया। उनका पावन संदेश सतगुरु नानक प्रगट्या, मिट्टी धुंध जग चानन होया आज भी मानव समाज को सत्य, सद्भाव और सेवा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। इसी संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से बाइक रैली का आयोजन किया गया।

नई बस्ती में हुआ भव्य स्वागत-रैली के नई बस्ती स्थित सरस्वती स्कूल मोड़ पहुंचने पर समाजसेवी अरुण चक्रवर्ती द्वारा श्रद्धालुओं का जोरदार स्वागत किया गया।

इस दौरान साध-संगत पर पुष्पवर्षा की गई तथा प्रसाद वितरण किया गया। स्वागत कार्यक्रम में नवीन चक्रवर्ती, रितेश सेठी, प्रवीण भसीन, अशोक साहू, अशोक मोहनी, रविंद्र चक्रवर्ती, तरुण खुराना, बाबू ग्रोवर, भूरा पाठक, नवीन भसीन एवं विजित भसीन सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। बाइक रैली में गुरचरण सिंह खुराना, तेजपाल सिंह भाटिया, अवतार सिंह टुटेजा, सोनू खुराना, सतवीर सिंह भाटिया, जसप्रीत सिंह लांबा, बाबू ग्रोवर, रणदीप सिंह बाजवा, अमनदीप सिंह भाटिया, रविंदर सिंह छाबड़ा, लकी खालसा, संतोख सिंह भट्टी, नीटू नारंग, हरप्रीत सिंह ग्रोवर, जसपाल सिंह मठारू, हरभजन सिंह खालसा, अनुज आनंद रवि गंगवानी, रविंदर सिंह आसान, आकाश लालवानी, पार्षद मौसूफ अहमद बिट्टू एवं समाजसेवी भूषण पाठक सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग शामिल हुए। प्रकाश पर्व के अवसर पर निकली इस भव्य रैली ने गुरु नानक देव जी के प्रेम, समानता, सेवा और भाईचारे के संदेश को शहरवासियों तक पहुंचाया।

विश्व धरोहर सप्ताह का भव्य शुभारंभ

19 नवम्बर से 25 नवम्बर तक छाया चित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया जायेगा

कटनी (स्वतंत्रमत)।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई), जबलपुर मंडल द्वारा 19 नवंबर गुरुवार को ऐतिहासिक कंकाली देवी मंदिर परिसर, तिगवा में विश्व धरोहर सप्ताह का शुभारंभ किया गया यह आयोजन 19 से 25 नवंबर तक आयोजित किया जायेगा कार्यक्रम का समापन 25 नवम्बर को किया जायेगा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) श्लोक वाईकर द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया किया गया। इसके अलावा मन्दिर परिसर में आयोजित विशेष छायाचित्र प्रदर्शनी का भी अवलोकन एसडीएम द्वारा किया गया आयोजित प्रदर्शनी में क्षेत्र सहित देश भर की प्राचीन स्थापत्य कला और गौरवशाली ऐतिहासिक विरासत को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गयाए जिसे देखकर लोग मंत्रमुग्ध हो गए आयोजित छायाचित्र प्रदर्शनी को आगंतुकों एवं विद्यार्थियों ने खूब सराहा।



विधार्थियों को प्रमाणपत्र वितरित किये

विरासत के प्रति युवाओं में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं के लिए चित्रकला (ड्राइंग) एवं प्रश्नोत्तरी (क्विज) प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था जिसमें छात्र, छात्राओ द्वारा उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपने रचनात्मकता और ऐतिहासिक ज्ञान का परिचय दिया। गया कार्यक्रम के के एसडीएम श्लोक वाईकर द्वारा सभी विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान करते हुए सभी का उत्साहवर्धन किया गया इस आयोजन का संचालन भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, जबलपुर मंडल के अधीक्षण पुरातत्वविद डॉ. आफताब हुसैन के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम में उप अधीक्षण पुरातत्वविद कमलकांत वर्मा, उप अधीक्षण पुरातत्वविद राजेश कुमार मेहर, उप अधीक्षण पुरातत्व अभियंता आर. के. मीणा महावीर शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय प्राचार्य महेन्द्र राय शिक्षक राकेश विश्वकर्मा सहित जबलपुर मंडल के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों सहित स्कूली बच्चों की उपस्थिति रही।

जल संचय अभियान 15 से 30 दिसंबर तक



कटनी (स्वतंत्रमत)। जल संचय अभियान 15 नवंबर से 30 दिसंबर तक चलाया जा रहा है जिसके अंतर्गत बेहड़ी कला के दतला नाले में हुआ बोरी बंधान। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद बड़वारा सेक्टर 4 बसाडी अंतर्गत बेहड़ी कला में जल संचय अभियान के तहत बोरी बंधान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद जिला कटनी के जिला समन्वय तेज सिंह केशवाल के दिशा निर्देश अनुसार, ब्लॉक समन्वयक नंदनी वाटिया के सहयोग एवं नवांकुर संस्था मानव जीवन विकास समिति, बिजौरी संस्था प्रमुख निर्भय सिंह के मार्गदर्शन में सेक्टर प्रभारी गुलशन सिंह रुहेल द्वारा प्रस्फुटन समिति बेहड़ी कला के सहयोग से प्रस्फुटन समिति के साथ बैठक-संगोष्ठी के पश्चात चयनित दतला नाला में बोरी बंधान कार्य किया गया। बोरी बंधान कार्यक्रम में प्रस्फुटन समिति बेहड़ी कला के अध्यक्ष-सचिव राकेश तिवारी एवं बेला बाई, राम कृपाल अध्यक्ष प्रस्फुटन समिति कुम्हरवारा व बिट्टी बाई, रोशनी तिवारी, ममता, अर्जुन सिंह, काव्या सिंह, काजल, कनक एवं सिया बाई ने श्रमदान कर हर्षोल्लास के साथ बोरी बंधान किया गया इससे पानी का संचय के साथ साथ क्षेत्र में किसानों को खेती के लिए पानी की उपलब्धता भी रहेगी।

बरही अग्निकांड के पीड़ित परिवार से मिले अरुण यादव

कटनी में की प्रेसवार्ता

कटनी (स्वतंत्रमत)। पूर्व कैंद्रीय मंत्री, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण यादव बरही में अग्रवाल परिवार से मिले उस परिवार जिनके घर मे अग्निकांड के कारण 6 लोगो का दुखद निधन हुआ, एवं शोक संवेदना प्रगट की उसके बाद वरिष्ठ कांग्रेस नेता राकेश जैन के कार्यालय स्कूटी से पहुंचे, जंहा शहर के पत्रकारों से चर्चा की। अरुण यादव ने पत्रकारों से बोला की आज अभी में बरही से होकर आ रहा हूँ, बहुत ही दुखद घटना वंहा हुई हैं दीवाली के दिन एक ही परिवार के 6 लोगो की आगजनी से मृत्यु हो गई। परिवार के लोगो से चर्चा हुई परिवार की महिलाओ से चर्चा हुई और उन्होंने पूरी घटना के बारे मे मुझे बताया जिस समय



आग लगी उस समय नगर पालिका का फायर ब्रिगेड बुलाया गया, लेकिन वो काम नहीं कर रहा था आस पास के दो नगर पंचायत के फायर ब्रिगेड बुलाये गये वो भी काम नहीं कर रहे थे। एक जो सीमेंट कम्पनी का आया था थोड़ा बहुत काम किया। परिवार के लोगो ने बताया कि पूरा प्रशासन पूर्ण रूप से असंवेदन शीलता दिखा रहा था फायर बिग्रेड कर्मचारी आये थे। उन्होंने कोई भी इस तरह का एक्शन नहीं लिया जिससे उनकी जाने बचाई जा सके परिवार के लोगो ने ये भी कहा कि अगर समय पर फायर ब्रिगेड आ जाता पानी की व्यवस्था ठीक हो जाती मगर फायर ब्रिगेड का प्रेशर नहीं चल रहा था मोटर नहीं चल रही थी अगर वो ठीक होता तो हमारे परिवार के लोग बच जाते।अगर प्रशासन अलर्ट होता तो शायद आज वंहा पर दो महीने की बच्ची की मृत्यु हुई हैं जो मुझे कहा की दास साल बाद उस परिवार मे बच्ची का जन्म हुआ हैं तो पूरा आज मान लो पूरा गांव क्षेत्र लोग बहुत ही दु:खद स्थिति मे पाए गए तो हम लोग इस पूरे प्रकरण को विधानसभा मे रखने का काम करंगे हमने उनको अश्वाशन भी दिया हैं उसको लेकर हम काम करेंग। पत्रकार के सवाल कांग्रेस इस समय जैसी चल रही उसके हालात पर सवाल ये हैं कि नकुलनाथ का आगमन ओर डायरेक्ट जो अभी एंट्री हुई हैं उस पर आप क्या कहना चाहेंगे। अरुण यादव ने कहा नकुलनाथ हमारे कमलनाथ के वरिष्ठ पुत्र है पूर्व सांसद भी हैं और स्वाभाविक हैं उनके पिता का एक बड़ा योगदान पूरे प्रदेश की राजनीति मे देश की राजनीति मे कमलनाथ जी का और उनके जन्मदिन को मनाने के लिए वो वंहा पर आये थे। पत्रकार के सवाल ज्ञानेश कुमार का ये जो राहुल गाँधी में देश मे मूमेंट छेड़कर रखा हैं। पत्रकार वार्ता मे ग्रामीण अध्यक्ष सौरव सिंह, शहर अध्यक्ष अमित शुक्ला, राकेश जैन कक्का, नीरज सिंह बघेल, पूर्व विधायक बसंत सिंह, पप्पू बाजपेई, आदित्य जैन नमन, संतोष यादव, मुन्ना भाई राजू कुशवाहा कान्हा कुशवाह, कल्लू बाजपेई आदि कांग्रेस जन उपस्थित रहे।



अंतर जिला विश्वविद्यालय स्तरीय प्रतियोगिता

कटनी (स्वतंत्रमत)। राज्य स्तरीय युवा उत्सव में गीतांजलि संगीत महाविद्यालय, कटनी के छात्र-छात्राओं ने अपनी कला, प्रतिभा एवं उत्कृष्ट प्रस्तुतियों से महाविद्यालय का गौरव बढ़ाया। इस प्रतियोगिता में महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने शुद्ध शास्त्रीय गायन, तबला वादन, शुद्ध शास्त्रीय कथक नृत्य जूनियर एवं सीनियर वर्ग तथा राजस्थानी लोकनृत्य में उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रतियोगिता में महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट उपलब्धियाँ प्राप्त कीं। शुद्ध शास्त्रीय गायन: देवांश मिश्रा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जूनियर वर्ग-शुद्ध शास्त्रीय कथक नृत्य: अनुष्का साहू ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। सीनियर वर्ग-शुद्ध शास्त्रीय एकल कथक नृत्य: सुजाता सिंह परिहार ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। राजस्थानी लोकनृत्य: गीतांजलि संगीत महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर अपनी शानदार प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया। गीतांजलि संगीत महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने अपनी इन सराहनीय प्रस्तुतियों एवं उपलब्धियों से न केवल महाविद्यालय, बल्कि अपने गुरुजनों और कटनी शहर का नाम भी गौरवान्वित किया।

दो मामलों में फरार 2500 रु. का इनामी आरोपी गिरफ्तार

लूट एवं विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के प्रकरण में था फरार पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय में किया पेश

कटनी (स्वतंत्रमत)। पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनव विश्वकर्मा के मार्गदर्शन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य एवं नगर पुलिस अधीक्षक अनिमेष द्विवेदी के कुशल मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी रंगनाथ नगर सिद्धार्थ राय के नेतृत्व में रंगनाथ नगर पुलिस ने दो अलग-अलग आपराधिक प्रकरणों में फरार चल रहे 2,500 रु. के इनामी आरोपी अनमोल कोल को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। दिनांक 06.09.2026 को फरियादी दीपक सिंह द्वारा थाना रंगनाथ नगर में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी कि वह



मटन मार्केट से घर वापस अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान रास्ते में अर्जुन वंशकार, राज, समीर एवं अनमोल कोल द्वारा छुरा दिखाकर उसके साथ लूट की घटना को अंजाम देते हुए 2,800 रूपये छीन लिए गए थे। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना रंगनाथ नगर में अपराध क्रमांक 380/26, धारा 119(1), 309(4), 296(बी), 351(2), 3(5) भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था।

इसके अतिरिक्त आरोपी अनमोल कोल थाना रंगनाथ नगर के एक अन्य प्रकरण अपराध क्रमांक 381/26 धारा 3/5 विस्फोटक पदार्थ अधिनियम एवं धारा 326जी को घटित कर फरार चल रहा था। उक्त दोनों प्रकरणों में फरार आरोपी अनमोल कोल पिता गुलाब कोल, उम्र 18 वर्ष, की गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक कटनी द्वारा 2,500 रु. का इनाम घोषित किया गया था। पुलिस की कार्रवाई एवं गिरफ्तारी-थाना प्रभारी रंगनाथ नगर सिद्धार्थ राय द्वारा इनामी आरोपी की गिरफ्तारी हेतु विशेष पुलिस टीम गठित कर लगातार प्रयास किए जा रहे थे। इसी क्रम में मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने दिनांक 18 नवम्बर को आरोपी अनमोल कोल को रंगनाथ नगर क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में जेआर पर पेश किया गया। उक्त इनामी आरोपी की गिरफ्तारी में सहायक उप निरीक्षक सिद्धार्थ राय, सतीश सहायक उप निरीक्षक विजेंद्र तिवारी, बहादुर सिंह, प्रधान आरक्षक रामनरेश, लालजी, पवन, अजय, महेंद्र, अर्जुन तथा आरक्षक वीरेंद्र दहायत की विशेष एवं सराहनीय भूमिका रही।



अब रविवार को भी खुलेगा डाकघर का आधार केंद्र

कटनी (स्वतंत्रमत)। आम जनता की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए डाक विभाग द्वारा एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। अब प्रधान डाकघर कटनी में रविवार को भी आधार केंद्र संचालित किया जाएगा। प्रवर अधीक्षक डाकघर, जबलपुर संभाग द्वारा जारी जानकारी के अनुसार आधार से संबंधित सेवाओं के लिए केंद्र निम्नानुसार संचालित रहेगा। रविवार: प्रात: 10 बजे से शाम 6 बजे तक, सोमवार से शनिवार: प्रात: 9 बजे से रात्रि 7 बजे तक। इस दौरान नागरिक आधार कार्ड से संबंधित नामांकन, संशोधन एवं अन्य अपडेट का कार्य करा सकेंगे। इस सुविधा के प्रारंभ होने से नौकरीपेशा एवं व्यस्त नागरिकों को विशेष सुविधा मिलेगी, क्योंकि अब वे रविवार को भी आधार संबंधी कार्य आसानी से करा सकेंगे। भारतीय डाक विभाग द्वारा आमजन की सुविधा हेतु यह एक महत्वपूर्ण पहल है।

बिना दस्तावेज धान ले जा रहा ट्रक पकड़ा

88 हजार 930 रुपए वसूले, जबलपुर बायपास पर मंडी उड़नदस्ते की कार्रवाई

कटनी (स्वतंत्रमत)। धान खरीदी के सीजन में अवैध परिवहन और व्यापार पर निगरानी के बीच मंडी उड़नदस्ते ने कटनी-जबलपुर बायपास पर बड़ी कार्रवाई की है। जांच के दौरान बिना वैध दस्तावेजों के 301.50 क्विंटल धान ले जा रहे ट्रक को पकड़ा गया। वाहन चालक धान के परिवहन से संबंधित कोई अभिलेख प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद मंडी अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए 88 हजार 930 रुपए की राशि वसूल की गई। जानकारी के अनुसार, मंडी उड़नदस्ता दल ने वाहन क्रमांक यूपी-65-एफटी- 8757 को जांच के लिए रोका



था। ट्रक में बड़ी मात्रा में धान लोड था। पूछताछ और दस्तावेजों की जांच के दौरान परिवहन से संबंधित वैध कागजात नहीं मिलने पर दल ने प्रकरण दर्ज किया। मध्यप्रदेश कृषि उपज मंडी अधिनियम 1972 की धारा 19 (4) के तहत कार्रवाई की गई। कार्रवाई में 74 हजार 56 रुपए दांडिक मंडी शुल्क, 9 हजार 874 रुपए निराश्रित शुल्क और 5 हजार रुपए प्रशमन शुल्क सहित कुल 88 हजार 930 रुपए वसूल किए गए। मंडी प्रशासक एवं एसडीएम जितेंद्र पटेल के अनुसार, कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश पर धान के अवैध परिवहन और भंडारण के विरुद्ध निगरानी बढ़ाई गई है। कार्रवाई करने वाली टीम में उड़नदस्ता प्रभारी एवं उपनिरीक्षक सुधीर कुमार त्रिपाठी, उपनिरीक्षक प्रशांत मौर्य और विकास नारायण मिश्रा शामिल रहे।

माध्यमिक शाला स्तर के शिक्षकों का प्रशिक्षण संपन्न

कलेक्टर के मार्गदर्शन में जिले के सभी विकासखण्डों में माध्यमिक शाला स्तर पर

कटनी (स्वतंत्रमत)।



कक्षा सातवीं की सामाजिक विज्ञान, गणित एवं विज्ञान की एनसीईआरटी पाठ्य पुस्तक जो वर्तमान सत्र से लागू हुई है, का 5 दिवसीय विकासखंड स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया जिसमें लगभग 800 शिक्षकों ने सहभागिता की! प्रशिक्षण में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति, राष्ट्रीय पाठ्य चर्या प्रारूप 2005 की रूपरेखा, एवं विषयवार शिक्षण की विभिन्न विधियों पर चर्चा तथा केस स्टडी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रभावी उपयोग, विद्यार्थियों के अलग अलग स्तरों के अनुरूप विषय वस्तु के आधार पर शिक्षण विधि का चयन, आनंददायक सीखना, अलग अलग विषय वस्तु पर माइंड मैप बनाना इत्यादि विषयों पर सार्थक चर्चा गतिविधियों के माध्यम से की गई! अंतिम दिवस एथिक्स और वैल्यूज पर गहन चर्चा की गई! शिक्षकों में ईमानदारी सत्यनिष्ठा जिम्मेदारी और करुणा के भाव होने से विद्यार्थियों के जीवन में आने वाले नैतिक बदलावों पर विस्तृत चर्चा वरिष्ठ व्याख्याता डाइट कटनी राजेन्द्र असाटी द्वारा की गई! प्रशिक्षण के पश्चात डाइट कटनी एवं जिले के समस्त मॉनिटरिंग अमले द्वारा माध्यमिक शालाओं में शिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण में सीखी गई विधियों के क्रियान्वयन का फॉलोअप किया जायेगा। सभी शिक्षकों को जिला प्रशासन द्वारा तैयार ई मटेरियल के प्रभावी उपयोग के निर्देश प्राचार्य एम पी डुंगडुंग द्वारा दिए गए हैं।

विकासखंड स्तरीय प्रशिक्षण की मॉनिटरिंग डाइट फैकल्टी राजेन्द्र असाटी, राकेश सिननरकर एवं ज्योति श्रीवास्तव द्वारा भी की गई एवं गणित तथा विज्ञान विषय को सहज बनाने हेतु उपयोगी सुझाव शिक्षकों को दिए गए! डाइट कटनी द्वारा सभी बीआरसी, बीएसी एवं जन शिक्षकों तथा मास्टर ट्रेनर्स को स्वयं रोल मॉडल बनने हेतु प्रेरित किया गया है ताकि शैक्षिक गुणवत्ता में तीव्रता से बदलाव आ सके।

स्वतंत्र मत
जबलपुर

शनिवार 21 नवंबर 2026

वेलिंगटन टेस्ट के दूसरे दिन भारत का स्कोर 159/1

राहुल और यशस्वी ने फिफ्टी लगाई, न्यूज़ीलैंड 368 रन पर ऑलआउट

वेलिंगटन

न्यूज़ीलैंड ने वेलिंग्टन में पहले टेस्ट के दूसरे दिन हेनरी निकोल्स के नाबाद 175 और ग्लेन फिलिप्स के 118 रन की मदद से पिछले दिन की वापसी में मदद करते हुए 368 रन बनाए। भारत ने जवाब में 30 पारियों में अपनी पहली शतकीय ओपनिंग साझेदारी की, जिसमें यशस्वी जायसवाल (85) और केएल राहुल (नाबाद 52) ने मेजबान टीम को मज़बूत जवाब दिया, जिससे स्टंप्स तक उनका स्कोर 159/1 हो गया, और वे अभी भी 209 रन से पीछे हैं।

243/5 से आगे खेलते हुए, न्यूज़ीलैंड ने अपनी मज़बूत स्थिति को और मज़बूत करना जारी रखा, हेनरी निकोल्स और ग्लेन फिलिप्स ने छठे विकेट के लिए अपनी पार्टनरशिप को 216 तक बढ़ाया। फिलिप्स ने शानदार शतक बनाया, जो टेस्ट में उनका दूसरा शतक था, और वे एक ही प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ तीनों फ़ॉर्मेट में शतक बनाने वाले न्यूज़ीलैंड के पहले बैट्समैन बन गए। वह एक कैलेंडर साल में किसी विरोधी टीम के ख़िलाफ़ ऐसा करने वाले दूसरे बैट्समैन भी थे, इससे पहले रोहित शर्मा ने 2017 में श्रीलंका के ख़िलाफ़ ऐसा कारनामा किया था। इस बीच, निकोल्स दूसरे छोर पर बिना घबराए रहे, लगातार आगे बढ़ते रहे और पार्टनरशिप तोड़ने की भारत की कोशिश



को नाकाम कर दिया। भारत के लिए सुबह का खेल काफ़ी हद तक फीका रहा, उनके बॉलर तेज़ी और पैठ बनाने के लिए जूझ रहे थे। जसप्रीत बुमराह अपने बेस्ट फॉर्म में नहीं दिखे, और पिच से भी ज़्यादा मदद नहीं मिली, जिससे बैटिंग आरामदायक लग रही थी। आकाश दीप ने फिलिप्स को आउट करके ब्रेकथ्रू दिलाया, एक गेंद को ऑफ़ स्टंप के ऊपर से मारकर, लेकिन इसके अलावा भारत लगातार दबाव बनाने के लिए जूझता रहा और उनके रिव्यू भी खराब रहे। फिलिप्स के आउट होने के बाद, नाथन स्मिथ ने निकोल्स की एक और मज़बूत साझेदारी में मदद की, जिससे न्यूज़ीलैंड ने सेशन का अंत सिर्फ़ एक विकेट के नुकसान पर 74 रन के साथ किया।

15 ओवर तक चली निकोल्स-स्मिथ की जोड़ी

निकोल्स-स्मिथ की जोड़ी 15 ओवर तक चली और 32 रन बने, इससे पहले कि लंच के बाद दूसरे ओवर में प्रसिद्ध कृष्णा ने स्मिथ को एक और पगबाधा आउट कर दिया। निकोल्स ने प्रसिद्ध की गेंद पर कवर ड्राइव बाउंड्री लगाकर 150 रन पूरे किए, लेकिन न्यूज़ीलैंड ने एक और विकेट खो दिया क्योंकि आकाश दीप की एक अच्छी तरह से निर्देशित शॉर्ट गेंद पर काइल जैमीसन को स्लिप में ग्लव करना पड़ा। फिर बुमराह ने मैट हेनरी को विकेट के सामने पगबाधा कर अपना चौथा विकेट लिया। जैकब डफी ने आखिरी विकेट के लिए 20 रन जोड़ने में मदद की, लेकिन निकोल्स 175 रन पर तब फंसे जब नंबर 11 अंशुल कंबोज की शॉर्ट गेंद पर आउट हो गए। भारतीय ओपनर्स चाय से पहले आठ ओवर के चुनौतीपूर्ण समय में बिना किसी परेशानी के खेले, लेकिन उन्हें कुछ घबराहट वाले पल भी आए।

जायसवाल की शानदार बैटिंग

जायसवाल की शानदार बैटिंग तीसरे सेशन की शुरुआत तक जारी रही, जिसमें एक लीडिंग एज ने उन्हें दो और एक टेम्परी डैब ने उन्हें चौका दिलाया। जैसे-जैसे सेशन आगे बढ़ा, वह अपने शॉट बनाने में कॉन्फिडेंट होते गए, उन्होंने स्ट्रेट ड्राइव और यहां तक कि बाउंड्री के लिए एक रैंप शॉट भी लगाया। राहुल ने डफी के एक ओवर में दो चौके भी लगाए, जिससे ओपनर्स ने चाय के बाद के सेशन में अच्छी रन बनाए, बॉलर्स को ज़्यादा मदद नहीं मिली क्योंकि बॉल पुरानी हो गई थी। जायसवाल ने डफी की गेंद पर चौका लगाकर 66 गेंदों में फिफ्टी पूरी की, इसके बाद दो और चौके मारे, जिनमें से एक एज पर लगा। चाय के बाद पहले घंटे में ओपनर्स ने 15 ओवर में 81 रन जोड़े, जिसमें जायसवाल ने ज़्यादातर बाउंड्री लगाईं। तीसरे सेशन के दूसरे घंटे में 100 रन पूरे हुए जब जायसवाल ने एक और रैंप शॉट खेलकर चौका लगाया। यह 17 टेस्ट में भारत की ओपनिंग विकेट के लिए पहली सेंचुरी पार्टनरशिप थी, पिछली बार नवंबर 2024 में पर्थ में इन दोनों के बीच 201 रन की सेंचुरी पार्टनरशिप बनी थी।

लोह कीन यू को अपसेट कर लक्ष्य सेन सेमीफाइनल में



हांगकांग

तीन दिनों में तीसरा मुश्किल मैच खेलने के बाद, सिंगापुर के बैडमिंटन स्टार लोह कीन यू शुक्रवार को हांगकांग ओपन के क्वार्टर-फ़ाइनल में भारत के लक्ष्य सेन से 21-17, 10-21, 21-13 से हार गए। पूर्व वर्ल्ड चैंपियन लोह, जो लगातार तीसरा मैच खेल रहे थे, 15-15 से बराबरी पर होने के बाद पहला गेम हार गए। लेकिन, दूसरे गेम में, वह पीछे नहीं रहे और आखिरी 11 में से नौ पॉइंट लेकर डिसाइडिंग सेट शुरू किया। वहां से, सेन ने अपनी जगह बना ली। शुरुआती पॉइंट गंवाने के बाद, दुनिया के 11वें नंबर के खिलाड़ी ने 15-8 की ज़बरदस्त बढ़त बना ली, जिसे साफ तौर पर थके हुए लोह के लिए पार करना बहुत मुश्किल साबित हुआ। 55 मिनट की मेहनत के बाद, सेन ने अपने अपोनेंट पर अपने करियर की आठवीं जीत पक्की की, इस मुकाबले में उन्हें सिर्फ पांच हार मिली थीं। लक्ष्य इस जीत के साथ ही सेमीफाइनल में पहुँच गए । टॉप विमेंस सिंगल्स एक्शन में, पहली सीड वांग झियी ने पुत्री कुसुमा वर्दानी पर 22-20, 22-20 से जीत हासिल करके मुश्किल काम किया, जबकि चौथी वरीयता प्राप्त मियाज़ाकी तोमोका ने जापानी हमवतन अकेची हिना के खिलाफ 21-11, 21-9 से आसान जीत के साथ सेमीफाइनल में जगह बना ली। इस बीच भारत की रक्षिता संतोष रामराज का शानदार अभियान क्वार्टर फाइनल में खत्म हो गया, जब वह थाईलैंड की वर्ल्ड नंबर 8 पोर्नपावी चोचुवोंग से 19-21, 16-21 से हार गईं। टूर्नामेंट में पहले, रक्षिता ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टोक्यो ओलंपिक चैंपियन चेन यू फेई और डेनमार्क की मिया ब्लिचफेल्ड को हराया था।



चनमारी एफसी ने राजस्थान यूनाइटेड के खिलाफ 4-1 से हासिल की जीत

जयपुर। चनमारी एफसी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शुक्रवार को जयपुर के विद्याधर नगर स्टेडियम में खेले गए स्टार सीमेंट इंडियन फुटबॉल लीग 2026-27 सीज़न के मैच 19 में राजस्थान यूनाइटेड एफसी पर 4-1 से ज़बरदस्त जीत हासिल की। यह राजस्थान की सीज़न में लगातार तीसरी घरेलू हार है। राजस्थान यूनाइटेड के डिफेंडर प्रदीप सिंह के आत्मघाती गोल ने चनमारी को सातवें मिनट में बढ़त दिलाई, जिसके तीन मिनट बाद डेनिलसन रोल्डाओ ने ओलंपिको के गोल से उनकी बढ़त दोगुनी कर दी। मेज़बान टीम ने 35वें मिनट में साबिर मूसा के गोल से कमी कम की, लेकिन चनमारी ने 57वें मिनट में गैब्रियल पाज़ के गोल और 90वें मिनट में ललथनजुआला के गोल से नतीजा पक्का कर दिया। चनमारी, जो इस सीज़न में बिना हारे रहे हैं, तीन मैचों में सात पॉइंट्स के साथ टेबल में तीसरे स्थान पर आ गए हैं, जबकि राजस्थान यूनाइटेड चार मैचों में तीन पॉइंट्स के साथ आठवें स्थान पर बना हुआ है।

भारत से फाइनल खेले बिना पाकिस्तान को ट्रॉफी दी

भारतीय ब्लाइंड क्रिकेट टीम अवॉर्ड सेरेमनी में नहीं गई, पाकिस्तानी अधिकारी ने लिया था फैसला

ढाका

भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट में एक और विवाद शुरू हो गया है। बांग्लादेश के ढाका में शुक्रवार को खेले जाने वाले मेंस एशिया कप फॉर द ब्लाइंड का फाइनल बारिश के कारण नहीं हो सका। पाकिस्तान और भारत को टूर्नामेंट का संयुक्त विजेता घोषित कर दिया गया। इसके बाद वर्ल्ड ब्लाइंड क्रिकेट के अध्यक्ष और पाकिस्तान ब्लाइंड क्रिकेट काउंसिल के प्रमुख सुल्तान शाह ने पाकिस्तान को विजेता घोषित किया। मैच रेफरी को भी यही फैसला सुनाना पड़ा। क्रिकेट एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड इन इंडिया के महासचिव शैलेंद्र ने कहा कि जब तक यह विवाद नहीं सुलझता, भारतीय टीम आगे



पाकिस्तान के साथ कोई मैच नहीं खेलेगी। भारतीय टीम ने इस फैसले को खेल भावना के खिलाफ बताया है। टीम का विरोध सिर्फ ट्रॉफी को लेकर नहीं, बल्कि फाइनल खेले बिना एक टीम को विजेता घोषित करने के तरीके को लेकर भी है।भारत और पाकिस्तान के बीच शुक्रवार को फाइनल खेला जाना था। लेकिन बारिश ने मैच शुरू ही नहीं होने दिया। ऐसे में मैदान पर मुकाबले से विजेता तय करने का मौका नहीं मिला। टूर्नामेंट के नियमों और लीग स्टेज के प्रदर्शन के आधार पर पाकिस्तान को विजेता घोषित किया गया। पाकिस्तान लीग मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन करते हुए पॉइंट्स टेबल में पहले स्थान पर रहा था। भारत दूसरे स्थान पर था। पाकिस्तान के पास 6 अंक थे, जबकि भारत ने 4 अंक हासिल किए थे। इसी आधार पर पाकिस्तान को खिताब दिया गया।

केन्या ओलंपिक मैराथन चैंपियन जेपचिरचिर पर डोपिंग के लिए तीन साल का बैन



नैरोबी। केन्या की पेरेस जेपचिरचिर, जो मौजूदा वर्ल्ड मैराथन चैंपियन और टोक्यो 2020 ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट हैं, पर डोपिंग के लिए तीन साल का बैन लगा दिया गया है। उनका सस्पेंशन अक्टूबर 2029 तक चलेगा। 33 साल की जेपचिरचिर उन तीन केन्याई एथलीट में से एक थीं, जिन्हें एथलेटिक्स इंटीग्रिटी यूनिट (एआईयू) ने को एंटी-डोपिंग नियम तोड़ने के लिए सज़ा दी थी। इस बैन के कारण वह बीजिंग में 2027 में होने वाली वर्ल्ड चैंपियनशिप से बाहर हो जाएंगी, जहाँ वह अपना महिला मैराथन टाइटल बचातीं, और 2028 के लॉस एंजेलिस ओलंपिक से भी बाहर हो जाएंगी। एआईयू ने कहा कि जेपचिरचिर ने दो एंटी-डोपिंग नियम तोड़ने की बात मानी है, जिसमें एक बैन चीज़ की मौजूदगी और इस्तेमाल शामिल है। उनका बैन एक साल कम कर दिया गया क्योंकि उन्होंने नियमों का उल्लंघन जल्दी मान लिया और सज़ा को मान लिया। उन्होंने अपील करने का अपना अधिकार छोड़ दिया। 2021 में अपने ओलंपिक गोल्ड और पिछले साल जापान में जीते गए वर्ल्ड टाइटल के अलावा, जेपचिरचिर ने 2021 में न्यूयॉर्क सिटी मैराथन, 2022 में बोस्टन मैराथन और 2024 में लंदन मैराथन जीता। जेपचिरचिर ओलंपिक मैराथन जीतने के बाद डोपिंग बैन पाने वाली दूसरी केन्याई महिला हैं। पहली, रियो 2016 चैंपियन जेमिमाह सुमगोंग, फरवरी तक आठ साल का बैन झेल रही हैं।

एफपीआई की लिवाली से शेयर बाजारों में तेजी जारी

प्रमुख सूचकांक एक प्रतिशत से ज्यादा चढ़े

मुंबई

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के लगातार लिवाली बने रहने तथा कच्चे तेल में नरमी से शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजारों में तेजी जारी रही और प्रमुख सूचकांक एक प्रतिशत से ज्यादा की बढ़त के साथ बंद हुए। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक शुरुआती गिरावट के बाद अंत में 897.96 अंक (1.08 फीसदी) ऊपर 83,919.71 अंक पर बंद हुआ। यह इस साल 11 फरवरी के बाद इसका उच्चतम बंद स्तर है। इससे पहले, सेंसेक्स की शुरुआत 463 अंक की गिरावट में हुई थी और एक समय यह 600 अंक से ज्यादा टूट गया था। बीच



कारोबार में यह नीचे 82,403.27 अंक और ऊपर 84,037.96 अंक तक गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक 286.30 अंक यानी 1.12 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,800.60 अंक पर पहुंच गया। यह इसका भी 18 फरवरी के बाद का उच्चतम स्तर है।

एआई शेयरों में बिकवाली से दुनिया के लगभग सभी प्रमुख शेयर बाजार लाल निशान में हैं। दूसरी तरफ, विदेशी निवेशक भारतीय बाजार में पैसा लगा रहे हैं जहां एआई की पैठ अभी उतनी ज्यादा नहीं है। नवंबर में अबतक एफपीआई भारतीय पूंजी बाजार में 13.67 अरब डॉलर का शुद्ध निवेश कर चुके हैं। एफपीआई की लिवाली से मौजूदा सप्ताह में सेंसेक्स 2,327 अंक (2.85 प्रतिशत) और निफ्टी-50 सूचकांक 746.20 अंक (2.98 प्रतिशत) चढ़ा है। साथ ही कच्चे तेल में आज करीब दो फीसदी की गिरावट से भी निवेश धारणा मजबूत हुई है। वृहत बाजार में निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.73 प्रतिशत मजबूत हुआ जबकि स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.13 प्रतिशत टूट गया। सेक्टर आधारित सूचकांकों में निफ्टी बैंक 2.49 प्रतिशत और निफ्टी फाइनेंशियर सर्विसेज 2.02 प्रतिशत ऊपर रहा। आईटी, रियल्टी और सीमेंट सेक्टरों के सूचकांक एक से दो प्रतिशत तक मजबूत रहे। ऑटो, स्वास्थ्य, तेल एवं गैस और फार्मा शेयरों के सूचकांक भी हरे निशान में रहे। मीडिया, एफएमसीजी, धातु, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद और रसायन समूहों के सूचकांकों में गिरावट रही। एनएसई में जिन 3,738 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें से 2,205 के शेयर टूट गए जबकि 1,414 के शेयरों में तेजी रही। अन्य 119 कंपनियों के शेयर अंतत: अपरिवर्तित बंद हुए। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 20 के शेयरों में लिवाली देखी गई। कोटक महिंद्रा बैंक का शेयर 3.08 प्रतिशत और एचडीएफसी बैंक का 3.02 प्रतिशत ऊपर रहा। मारुति सुजुकी में 2.88 फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट में 2.75, बजाज फाइनेंस में 2.47, आईसीआईसीआई बैंक में 2.22 और एक्सिस बैंक में 2.05 प्रतिशत की तेजी रही। इंडिगो का शेयर 1.87 फीसदी, पावरग्रिड का 1.70, टीसीएस का 1.21, टेक महिंद्रा का 1.10 और ट्रेंट का 0.94 प्रतिशत चढ़ा। महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फिनसर्व, इंफोसिस, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, भारती एयरटेल, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एशियन पेंट्स के शेयर भी ऊपर रहे।

यूनिफाइड भारत ई-चार्ज से जुड़े 12 चार्ज प्वाइंट ऑपरेटर

नयी दिल्ली। देश के एकीकृत ईवी चार्जिंग ऐप यूनिफाइड भारत ई-चार्ज से अबतक 12 ऑपरेटर जुड़ चुके हैं और पांच राज्यों में इसका पायलट शुरू कर दिया गया है। भारी उद्यम मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव हनीफ कुरैशी ने शुक्रवार को एक कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं के एक प्रश्न के उत्तर में बताया, यूनिफाइड भारत ई-चार्ज से अबतक 12 चार्ज प्वाइंट ऑपरेटर जुड़ चुके हैं। अधिकांश यात्री वाहन, तिपहिया और दुपहिया वाहन निर्माता कंपनियां भी इसमें शामिल हैं। हमने इसे पांच राज्यों में पायलट परीक्षण के लिए दिया है। यूनिफाइड भारत ई-चार्ज एक मोबाइल ऐप है जिसे एनपीसीआई, एनपीसीआई भीम सर्विसेज लिमिटेड और भेल ने मिलकर विकसित किया है। इसे शुरू करने के पीछे सरकार उद्देश्य ऐसा प्लेटफॉर्म तैयार करना था जिस सभी ईवी चार्जिंग सेवा प्रदाताओं को एक साथ लाया जा सके।

रिवर ने 51 इंडी स्कूटरों की डिलीवरी के साथ मनाया उत्सव

जबलपुर



इलेक्ट्रिक स्कूटर निर्माता रिवर मोबिलिटी ने जबलपुर में 51 इंडी इलेक्ट्रिक स्कूटरों की डिलीवरी की घोषणा की। ये डिलीवरी रिवर के स्टोर पर की गईं, जहाँ ग्राहक उत्सव के बीच अपने नए स्कूटर घर ले गए। यह अवसर ब्रांड के लिए त्योहारी सीज़न की एक अहम उपलब्धि है और रिवर के फ्लैगशिप इलेक्ट्रिक स्कूटर इंडी की मज़बूत माँग को भी दर्शाता है। रिवर मोबिलिटी के हेड ऑफ सेल्स के.वी. दिनेश ने कहा, हम अपने बढ़ते रिवर परिवार में 51 गौरवान्वित मालिकों का स्वागत कर रहे हैं। यह उपलब्धि दिखाती है कि इस क्षेत्र में व्यावहारिक और परफॉर्मेंस-आधारित इलेक्ट्रिक मोबिलिटी तेज़ी से अपनाई जा रही है। आधुनिक भारतीय यात्रियों की ज़रूरतों के अनुरूप बेहतरीन ओनरशिप अनुभव देने की अपनी प्रतिबद्धता पर हम आगे भी कायम रहेंगे। रोज़मर्रा की व्यावहारिक ज़रूरतों को ध्यान में रखकर बनाए गए इंडी को 'स्कूटरों की एसयूवी' के रूप में तैयार किया गया है।

चावल के दाम टूटे, खाद्य तेलों में घटबढ़

नयी दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में शुक्रवार को चीनी के दाम एक बार फिर बढ़ गए। गेहूं और दालों में भी तेजी रही जबकि चावल के भाव गिर गए। वहीं, खाद्य तेलों में घटबढ़ देखी गई। मीठे के थोक बाजार में चीनी की औसत कीमत 10 रुपये बढ़कर 5,654 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गई। गुड़ भी पांच रुपये महंगा हुआ और 6,025 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। खुदरा बाजार में चीनी की औसत कीमत आठ पैसे बढ़कर 60.82 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 30 रुपये घटकर 4,362 रुपये प्रति क्विंटल रह गई। गेहूं सात रुपये चढ़कर 2,959 रुपये



प्रति क्विंटल पर पहुंच गई। आटे का भाव 15 रुपये बढ़ा। दाल-दलहनों में तुअर दाल की औसत कीमत 41 रुपये और चना दाल की 20 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गई। उड़द दाल दो रुपये महंगी हुई। मूंग दाल और मसूर दाल की कीमत लगभग स्थिर रही। मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में फरवरी का पाम ऑयल वायदा 116 रिंगिट टूटकर 4,217 रिंगिट प्रति टन रह गया। जनवरी का अमेरिकी सोया तेल वायदा भी 0.55 प्रतिशत गिरकर 59.97 सेंट प्रति पौंड बोला गया। स्थानीय बाजारों में सरसों तेल की औसत कीमत 73 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गई। अन्य तेलों में गिरावट रही। मूंगफली तेल 74 रुपये और सूरजमुखी तेल 46 रुपये फिसल गया। सोया तेल में 11 रुपये की गिरावट रही। वनस्पति और पाम ऑयल चार-चार रुपये टूट गए।

विदेशी मुद्रा भंडार 14.205 अरब डॉलर घटकर 705.342 अरब डॉलर पर

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार गत 13 नवंबर को समाप्त सप्ताह में 14.205 अरब डॉलर घटकर 705.342 अरब डॉलर रह गया। यह



विदेशी मुद्रा भंडार का साढ़े तीन महीने का निचला स्तर है। पिछले सप्ताह 2.491 अरब डॉलर की वृद्धि के बाद यह गिरावट देखी गई है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 13 नवंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 7.897 अरब डॉलर की गिरावट के साथ 583.452 अरब डॉलर रह गई। इसमें अमेरिकी डॉलर के अलावा जापानी येन, ब्रितानी पाउंड और यूरो को भी शामिल किया जाता है। इनके मूल्य का निर्धारण डॉलर की तुलना में इनकी संदर्भ दर के आधार पर होता है। आलोच्य सप्ताह में स्वर्ण भंडार 6.183 अरब डॉलर घटकर 98.613 अरब डॉलर रह गया। अक्टूबर 2025 के बाद पहली बार स्वर्ण भंडार 100 अरब डॉलर से नीचे उतरा है। इस दौरान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास आरक्षित निधि 3.2 करोड़ डॉलर और विशेष आहरण अधिकार 9.2 अरब डॉलर घटकर क्रमश: 4.758 अरब डॉलर और 18.517 अरब रह गया।

अक्टूबर में आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों के उत्पादन में 10.9 प्रतिशत की वृद्धि

नयी दिल्ली। देश में नौ प्रमुख उद्योगों के उत्पादन में इस वर्ष अक्टूबर माह में एक साल पहले इसी माह की तुलना में अनुमानित 10.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की । इससे पिछले माह वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत और अक्टूबर 2025 में 0.8 प्रतिशत थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की शुक्रवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार इस साल अक्टूबर में इन उद्योगों की दहाई अंक में दर्ज वृद्धि में मुख्य रूप से लौह अयस्क, कोयला, बिजली, सीमेंट और इस्पात उद्योग के उत्पादन के मजबूत प्रदर्शन का बड़ा योगदान रहा। लौह अयस्क, कोयला, बिजली, सीमेंट, इस्पात और रिफाइनरी उत्पादों में अक्टूबर 2026 के दौरान सालाना आधार पर क्रमश: 26.4 प्रतिशत, 23.1 प्रतिशत, 21.6 प्रतिशत, 15.4 प्रतिशत, 7.3 प्रतिशत और 3.4 प्रतिशत की वृद्धि



दर्ज की गई। वहीं, प्राकृतिक गैस, कच्चे तेल और उर्वरकों के उत्पादन में सालाना आधार पर क्रमश: 7.6 प्रतिशत, 4.1 प्रतिशत, 11.7 प्रतिशत की गिरावट रही। आंकड़ों के अनुसार हाल के महीनों में लौह अयस्क, बिजली, सीमेंट, कोयला और इस्पात प्रमुख बुनियादी उद्योगों के समग्र विकास में सबसे बड़े योगदानकर्ता रहे हैं। अप्रैल से अक्टूबर 2026 की अवधि के दौरान आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों की संचयी वृद्धि दर 6.0 प्रतिशत (अनंतिम) रही, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में यह 2.3 प्रतिशत थी। सितंबर 2026 के संशोधित आंकड़ों के आधार पर उस माह इन उद्योगों की वृद्धि दर को 8.2 प्रतिशत कर दिया गया है। पिछले माह जारी प्रारंभिक आंकड़ों में इसे 7.9 प्रतिशत आंका गया था।

युवा लाते हैं देश और समाज में परिवर्तन : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

अगला वर्ष होगा युवा वर्ष, मुख्यमंत्री डॉ. यादव का युवाओं से संवाद

-मुख्यमंत्री ने तीन दिवसीय यंग थिंकर्स कन्फ्लुअंस-2026 का शुभारंभ किया

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को ग्वालियर में यंग थिंकर्स कन्फ्लुअंस-2026 समारोह में युवाओं से संवाद किया। मुख्यमंत्री ने यंग थिंकर्स एवं सुधिजनों को देवोत्थान एकादशी (तुलसी विवाह) की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज से श्रीहरि विष्णु योगनिद्रा से जाग गए हैं। युवा ही देश और समाज में परिवर्तन लाते हैं। यह समय सबके जागने और समाज को जगाने का भी है। देवोत्थान एकादशी पर हम सभी नए विचारों, नए संकल्पों के साथ जागृत हों। हमें अपने भविष्य की चुनौतियों से मुकाबले के लिए भी तैयार होना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के दौर में भारत विश्व का सबसे युवा देश है और यह हमारी पूंजी भी है, लेकिन युवाओं को अपने लक्ष्य के प्रति फोकस्ड होने और प्रतिस्पर्धियों से आगे निकलने के लिए खुद को योग्य बनाना होगा। इसके लिए युवाओं को सही दिशा दिखाने की आवश्यकता है। यंग थिंकर्स कन्फ्लुअंस-2026 का उद्देश्य भी यही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस तीन दिवसीय आयोजन में भारतीय ज्ञान परम्परा, दर्शन सहित 300 से अधिक विषयों पर वैचारिक मंथन होगा।

उन्होंने कहा कि भारत ही दुनिया में एकमात्र देश है, जो हर तरह के विचारों और धारणाओं का स्वागत करता है यहां विचारों और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है और यह हमारी खूबी भी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने तीन दिवसीय थिंकर्स कॉन्फ्लुएंस-2026च की सराहना करते हुए कहा कि देश भर से पंजीयन और चयन प्रक्रिया के माध्यम से चुने गए 300 युवाओं के विचारों का यह संकलन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को सिद्ध करेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्वालियर के लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान में तीन दिवसीय यंग थिंकर्स कन्फ्लुअंस- 2026 के आठवें संस्करण का शुभारंभ किया। इस तीन दिवसीय आयोजन में देश के 26 राज्यों से चयनित लगभग 350 युवा विद्वान, अचीवर्स, कलाकार और लेखक भाग ले रहे हैं। समारोह में मुख्यमंत्री ने लेखक श्रीकृष्ण श्रीवास्तव द्वारा लिखित अल्लामा इक़बाल के दो चेहरे नामक पुस्तक का विमोचन भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने



कहा कि हम प्रदेश के युवाओं की असीम ऊर्जा, योग्यता, उनके कौशल, हुनर, नवाचारी सोच और उनकी कार्य दक्षता का उपयोग मध्यप्रदेश के विकास में करने के लिए युवाओं को हरसंभव अवसर उपलब्ध कराएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने अगले वर्ष को युवा वर्ष घोषित किया है। युवाओं के कल्याण के लिए हमारी सरकार ने अनेक कदम उठाए हैं। युवा वर्ष में हम योजनाबद्ध रूप से अपने प्रयासों को और भी गति देंगे।

भारतीय संस्कृति का प्रभाव संयुक्त राष्ट्र के निर्णयों पर- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्वालियर भारतरत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी और दाता बंदीछोड़ की नगरी है। यहां की मिट्टी हमेशा विचारशीलता से समृद्ध रही है। ग्वालियर ने पूरे देश को दिशा दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात के सोमनाथ मंदिर पर विदेशी आक्रांताओं ने कई बार आक्रमण किया, लेकिन यह मंदिर आज भी अपने सम्पूर्ण वैभव के साथ खड़ा है। समंदर किनारे सनातन संस्कृति की ध्वजा शान से लहरा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की विविधताओं से परिपूर्ण संस्कृति में वसुधैब कुटुम्बकम का भाव है। हमारी संस्कति सबको जोड़ती है। यही कारण है कि भारतीय संस्कृति का प्रभाव संयुक्त राष्ट्र संघ के निर्णयों पर भी प्राय: दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मान्यता देना भारतीय संस्कृति के वैश्विक प्रभाव का सबसे बड़ा उदाहरण है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार ने प्राचीन कालगणना के आधार पर वैदिक घड़ी विकसित की है, जो आगामी सिंहस्थ महाकुंभ में श्रद्धालुओं को वैदिक रूप से समय बताएगी। उन्होंने कहा कि हमारी काल गणना में 27 नक्षत्र हैं, जो एक वर्ष में 4 बार आते हैं। उज्जैन में सम्राट विक्रमादित्य का शासनकाल हो या अलग-अलग क्षेत्रों के शासनकर्ता हों, सभी ने सिक्कों का निर्माण कराया और इन सिक्कों पर अपने राज्य की विशिष्ट पहचान साफ नजर आती थी।

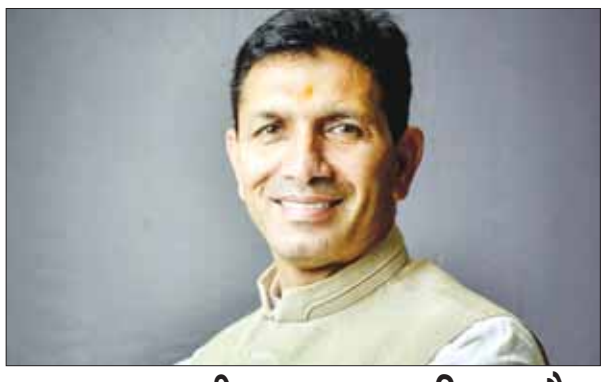
स्थापत्य और शिल्प कला के अद्भुत उदाहरण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारे देवालय, आस्था के अलावा स्थापत्य और शिल्प कला के अद्भुत उदाहरण हैं, इनमें केवल गर्भगृह में भगवान की मूर्ति ही नहीं, पूरे परिसर में पुस्तकालय, अन्नक्षेत्र, जलाशय, रंगमंच के लिए सभागार, अतिथि गृह, पौधे तैयार करने के लिए नर्सरी जैसी अनेक सुविधाएं उपलब्ध होती हैं।

कंबोडिया का अंकोरवाट मंदिर दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक स्मारक परिसर होने के साथ ही एक अद्भुत विश्व धरोहर है। उन्होंने कहा कि नवग्रह में सूर्य प्रकाश और ऊर्जा का स्त्रोत है, जो सृष्टि को आगे बढ़ाता है। उसी प्रकार सनातन संस्कृति में संत-महात्मा अपने वस्त्रों के अग्नि समान रंग से मानव समाज को ज्ञान का प्रकाश देते हैं। जैसा हमारे पिंड में है, वही ब्रह्मांड में है। इसीलिए हम विज्ञान के साथ-साथ प्राकृतिक रूप से सृष्टि के संचालन में भी विश्वास रखते हैं। मुख्यमंत्री ने आयोजकों को यंग थिंकर्स के लिए इस तरह के फोरम उपलब्ध कराने के लिए बधाई दी।

प्रदर्शनी व पुस्तक मेले का किया उदघाटन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने थिंकर्स कॉन्फ्लुएंस-2026 आयोजन स्थल पर मंदिर स्थापत्य, बंगाल नरसंहार और भारतीय विचारकों पर आधारित विशेष प्रदर्शनी का उदघाटन किया। साथ ही पुस्तक मेला का भी शुभारंभ किया। उन्होंने पुस्तक मेले में विभिन्न प्रकाशकों के स्टॉलों पर पहुँचकर पुस्तकें देखीं। साथ ही ज्ञानवर्धक पुस्तकें खरीदीं। समारोह को राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के उपाध्यक्ष पद्मश्री प्रोफेसर डॉ. भरत गुप्त ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान की वाइस चांसलर प्रोफेसर कल्पना शर्मा, वरिष्ठ प्रचारक एवं लेखक श्रीधर पराड़कर, यंग थिंकर्स फोरम के निदेशक आशुतोष सिंह ठाकुर सहित यंग थिंकर्स कन्फ्लुअंस के सभी पदाधिकारी, सिने अभिनेता पियूष मिश्रा सहित अन्य विद्वान और देश के विभिन्न राज्यों से आए युवा चिंतक उपस्थित थे।



96 लाख की शराब पर पुलिस और आबकारी विभाग के अलग-अलग दावे

पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने कहा सरकार स्पष्ट करे–शराब वैध है या अवैध

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भोपाल के करोंद में पकड़ी गई करीब 96 लाख रुपए की शराब के मामले में पुलिस और आबकारी विभाग के अलग-अलग दावों पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि एक ही मामले में पुलिस शराब को अवैध बता रही है, जबकि आबकारी विभाग के ऑनलाइन सिस्टम में उसकी वैधता दिखाई जा रही है। आखिर दोनों विभागों के दावों में विरोधाभास क्यों है और इसकी जिम्मेदारी कौन तय करेगा? श्री पटवारी ने कहा कि यदि शराब वैध थी, तो पुलिस ने उसे अवैध बताकर कार्रवाई क्यों की? यदि शराब के परिवहन और भंडारण से संबंधित दस्तावेज उपलब्ध नहीं थे, तो आबकारी विभाग के ऑनलाइन सिस्टम में उसकी वैधता कैसे दर्ज हो गई? यह मामला केवल दो विभागों के बीच मतभेद का नहीं, बल्कि प्रदेश की प्रशासनिक व्यवस्था, निगरानी और जवाबदेही से जुड़ा गंभीर प्रश्न है। उन्होंने कहा कि करीब 96 लाख रुपए की शराब की इतनी बड़ी खेप भोपाल तक कैसे पहुंची? इसके परिवहन, भंडारण और दस्तावेजों की जांच किस स्तर पर हुई? क्या इस पूरे मामले में किसी स्तर पर लापरवाही हुई है या किसी को संरक्षण दिया जा रहा है? इन सभी सवालों का निष्पक्ष जांच के माध्यम से जवाब सामने आना चाहिए।

मामले की निष्पक्ष जांच की मांग

श्री पटवारी ने कहा कि एक तरफ पुलिस की कार्रवाई है और दूसरी तरफ आबकारी विभाग का वैधता संबंधी दावा। ऐसे में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को स्पष्ट करना चाहिए कि आखिर दोनों में से किस विभाग का दावा सही है? सरकार को दोनों विभागों के अधिकारियों से जवाब लेकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करानी चाहिए और जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करनी चाहिए। श्री पटवारी ने मुख्यमंत्री से मांग की कि करोंद में पकड़ी गई 96 लाख की शराब के मामले में सभी दस्तावेज सार्वजनिक किए जाएं, पुलिस और आबकारी विभाग के दावों की जांच कराई जाए तथा शराब के परिवहन और भंडारण से जुड़े पूरे नेटवर्क का खुलासा किया जाए।

संत नामदेव महाराज की जयंती पर हवन पूजन,महाआरती का आयोजन



प्रसाद वितरण के साथ दो दिवसीय महोत्सव का समापन

दमोह (स्वतंत्र मत)। संत शिरोमणि नामदेव महाराज की 656वीं जयंती के उपलक्ष्य में आदर्श नामदेव सेवा समिति एवं नामदेव समाज दमोह के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय जयंती महोत्सव का शुक्रवार को धार्मिक अनुष्ठानों के साथ समापन हुआ। ग्यारस के पावन अवसर पर बेलाताल टापू स्थित संत नामदेव मंदिर में हवन, पूजन, महाआरती एवं प्रसाद वितरण का आयोजन श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ किया गया। कार्यक्रम में समाज के लोगों ने संत नामदेव महाराज का विधिविधान से पूजन अर्चन कर परिवार एवं समाज की सुख समृद्धि तथा खुशहाली की कामना की। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन संपन्न हुआ। इसके पश्चात महाआरती कर उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।

जिलाध्यक्ष राजकुमार नामदेव ने बताया कि दो दिवसीय जयंती महोत्सव के प्रथम दिन बेलाताल टापू स्थित श्री शिव साईं मंदिर प्रांगण में संत नामदेव महाराज का पूजन अर्चन, दीप प्रज्वलन, सामाजिक सहभोज एवं भंडारे का आयोजन किया गया था। साथ ही ग्वाल टोली द्वारा पारंपरिक दिवारी नृत्य एवं ढिमरियाई की आकर्षक प्रस्तुतियों ने आयोजन में बुंदेली संस्कृति की छटा बिखेरी थी। उन्होंने कहा कि संत नामदेव महाराज ने अपने विचारों एवं भक्ति के माध्यम से समाज को भक्ति, प्रेम, समानता और सामाजिक समरसता का संदेश दिया। उनके आदर्शों को आत्मसात करना ही जयंती आयोजन की सार्थकता है। दो दिवसीय महोत्सव में समाज के लोगों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर सामाजिक एकता का परिचय दिया। इस अवसर पर स्व.श्रीमती सुशीला देवी नामदेव इलाहाबाद वाले के परिवार का विशेष सहयोग रहा। आयोजन में समाज अध्यक्ष राजू नामदेव, अनिल नामदेव, अजित नामदेव, छवि नामदेव, चौधरी संतोष नामदेव, जीडी नामदेव, सुरेश नामदेव, नर्मदा बाबू, हंसराज नामदेव, रमेश नामदेव, किशोर नामदेव, मुन्ना सागर, ओम प्रकाश नामदेव, विवेक नामदेव, बृजेश नामदेव, संदीप नामदेव, लकी नामदेव, सूरज नामदेव, शुभम नामदेव, मधुर नामदेव, ऋषि नामदेव, ऋषभ नामदेव, सुनील नामदेव, अनिल नामदेव, अंकित वर्मा उपस्थित थे।



बोरी बंधान, जल संरक्षण की पारंपरिक तकनीक ही नहीं बल्कि सामुदायिक सहभागिता

दमोह (स्वतंत्र मत)। मप्र जन अभियान परिषद दमोह के द्वारा जल संचय अभियान के तहत बोरी बंधान का आयोजन ग्राम पिपरिया साहनी में ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति सलैयाए पिपरिया साहनी एवं नवांकुर संस्था मिशन जन जागृति युवा मंडल के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जल पूजन के साथ हुआ। इसके बाद उपस्थित प्रतिभागियों ने श्रमदान करते हुए बोरियों को रखकर बोरी बँधान किया। इस अवसर पर ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति पिपरिया साहनी के लाखन सिंह ने कहा कि बोरी बंधान जल संरक्षण की पारंपरिक तकनीक ही नहीं बल्कि सामुदायिक सहभागिता, जनजागरूकता और सामूहिक जिम्मेदारी का प्रतीक है। ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति सलैया के अमित सिंह ने कहा कि बोरी बंधान से जो जल को संरक्षित करके इसे जन उपयोग में लाया जा सकेगा। अंत मे सभी को जल संचय अभियान के तहत जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर लाखन सिंह, खेत सिंह लोधी, अमित लोधी, राजकुमार सेन, जीवन रजक, धनीराम आदिवासी, मोनू राजपूत, अरविंद सेन के साथ ग्रामवासियों की सहभागिता रही।

आध्यात्मिक चेतना संसद की अध्यक्षता करेंगे : भगवान वेदांताचार्य

दमोह (स्वतंत्र मत)।



भारतीय वैदिक परम्परा, सनातन संस्कृति एवं आध्यात्मिक जीवन मूल्यों के संरक्षण और संवर्धन के उद्देश्य से रमयणेश्वर सिद्धशक्ति पीठ तेलंगाना में 20 एवं 21 नवंबर को सिद्ध गुरु के सानिध्य में दो दिवसीय आध्यात्मिक चेतना संसद का आयोजन किया जा रहा है। इस आध्यात्मिक आयोजन की अध्यक्षता भगवान वेदांताचार्य करेंगे। महर्षि रमणानंद प्रधान संयोजक के रूप में आयोजन का दायित्व संभालेंगे। कार्यक्रम में योगी हर्षनंद एवं महंत संदीप दास मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। संसद का प्रमुख विषय शुचिताख संस्कार एवं रुद्राभिषेक हैं। ज्ञातव्य हो श्री भगवान 32 वर्षों से नित्य रुद्राभिषेक करते हैं जिसकी प्रासंगिकता काशी हिंदू विश्वविद्यालय में पूर्व में हो चुकी है इसलिये यह गौरवान्वित क्षणों का लाभ दमोह को मिला यह आत्मपरिष्कार से लोककल्याण की वैदिक यात्रा का निर्धारित रूप उनका जीवन बन गया है। इसमें भारतीय मनीषा के उन शाश्वत सिद्धान्तों पर विचार विमर्श करने के लिये वे आमंत्रित किये गये हैं। यथासंभव वे व्यक्ति के चरित्र निर्माण, पारिवारिक मर्यादा, सामाजिक समरसता और आध्यात्मिक उन्नयन जेसे विषयों पर प्रकाश डालेंगे। अध्यक्षीय उद्बोधन में भगवान वेदांताचार्य शुचिता के व्यापक स्वरूप पर प्रकाश भी डालेंगे। वे प्रतिपादित करेंगे कि शुचिता केवल शारीरिक स्वच्छता अथवा बाह्य पवित्रता तक सीमित नहीं है बल्कि मन, वाणी, विचार, व्यवहार और आचरण की निर्मलता है। भारतीय योगदर्शन में महर्षि पतञ्जलि ने शौच को योग के पांच नियमों में स्थान देकर इसे आत्मपरिष्कार का महत्त्वपूर्ण सोपान माना है। भगवद्गीता में वर्णित अहिंसाए सत्यए अक्रोधए दया और शान्ति जैसे दैवी गुण भी इसी आन्तरिक पवित्रता के परिचायक हैं। संस्कारों की महत्ता पर चर्चा करते हुए भारतीय षोडश संस्कार परम्परा, गुरु शिष्य मर्यादा, मातृ पितृ सम्मान, सदाचार, सेवा और धर्मनिष्ठा को समाज के नैतिक पुनर्निर्माण का आधार बताया जाएगा।

यह प्रतिपादित किया जाएगा कि शिक्षा मनुष्य को ज्ञान प्रदान करती है जबकि संस्कार उस ज्ञान को विवेकपूर्ण एवं लोकहितकारी बनाने की क्षमता विकसित करते हैं। संसद का एक प्रमुख आध्यात्मिक आयाम वैदिक रुद्राभिषेक का महत्व होगा। श्री भगवान वेदांताचार्य रुद्राभिषेक की वैदिक पृष्ठभूमि, शास्त्रीय विधान एवं आध्यात्मिक भावार्थ भी दूसरे सत्र पर प्रकाश डालेंगे।

शिवप्रकाश की मैराथन बैठकों के बाद मप्र बीजेपी में नियुक्तियां

अनुशासन-वित्त समिति गठित; मंत्री चेतन्य बने वित्त संयोजक, भाजयुमो के 5 जिला अध्यक्ष भी घोषित

भोपाल। मध्यप्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की ताजपोशी के करीब साढ़े 16 महीने बाद शुक्रवार को आखिरकार पार्टी की प्रदेश अनुशासन समिति का गठन कर दिया गया है। राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश द्वारा भोपाल में दो दिनों तक की गई मैराथन समीक्षा बैठकों के तुरंत बाद संगठन में खाली पड़े पदों और समितियों में नियुक्तियों का दौर शुरू हो गया है। शुक्रवार को प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने अनुशासन समिति के साथ वित्त समिति और प्रदेश सह कोषाध्यक्ष की नियुक्ति के आदेश जारी किए। इसके अलावा भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) में भी नए पदाधिकारियों की घोषणा की गई है। गौरतलब है कि हेमंत खंडेलवाल ने 2 जुलाई 2025 को मध्यप्रदेश भाजपा अध्यक्ष की कमान संभाली थी। उनके अध्यक्ष बनने के करीब साढ़े 16 महीने बाद प्रदेश में अनुशासन समिति का गठन किया गया है। हाल ही में राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश ने दो दिनों तक भोपाल में रहकर संगठन के कामकाज की गहन समीक्षा की थी। इस दौरान उन्होंने मोर्चा, प्रकोष्ठ, निगम-मंडल, संभागीय और जिला प्रभारियों सहित प्रदेश पदाधिकारियों की अलग-अलग बैठकें ली थीं। उन्होंने संगठन में खाली पड़े पदों को जल्द भरने के स्पष्ट निर्देश दिए थे। शिवप्रकाश की इन बैठकों का असर शुक्रवार को दिखाई दिया, जब प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने एक साथ प्रदेश अनुशासन समिति, वित्त समिति और प्रदेश सह कोषाध्यक्ष की नियुक्ति के आदेश जारी कर दिए।नए साल में बागियों और निष्कासित नेताओं की घर वापसी की राह होगी आसान सियासी गलियारों में प्रदेश अनुशासन समिति के गठन को बेहद अहम माना जा रहा है। इस समिति के अस्तित्व में आने के बाद नए साल में उन नेताओं के लिए पार्टी में वापसी की राह आसान हो सकती है, जो पिछले चुनावों में भाजपा से बागी होकर चुनाव लड़े थे या किसी कारणवश पार्टी से निलंबित अथवा निष्कासित चल रहे हैं। बताया जा रहा है कि ऐसे नेताओं की सूची में कई पूर्व विधायक और पूर्व सांसद जैसे बड़े चेहरे भी शामिल हैं, जो लंबे समय से पार्टी में वापसी का इंतजार कर रहे हैं। अब अनुशासन समिति इन नेताओं के आवेदनों और मामलों की समीक्षा कर उनकी वापसी पर विचार कर सकेगी।

प्रदेश अनुशासन समिति

संयोजक बाबू सिंह रघुवंशी (पूर्व अध्यक्ष, लघु उद्योग निगम एवं पूर्व प्रदेश मंत्री, भाजपा), सदस्य विनोद गोटिया (अध्यक्ष, तीर्थ एवं मेला प्राधिकरण), सदस्य देवी लाल धाकड़ (पूर्व विधायक), सदस्य अभय चौधरी (पूर्व जिलाध्यक्ष, भाजपा), सदस्य संध्या राय (सांसद, भिंड), सदस्य विष्णु खत्री (विधायक, बैरसिया)। वित्त समिति संयोजक चेतन्य कुमार काश्यप (कैबिनेट मंत्री, मप्र शासन), सदस्य मधु वर्मा (विधायक), सदस्य अखिलेश जैन (प्रदेश कोषाध्यक्ष, भाजपा), प्रदेश सह कोषाध्यक्ष दीपक टीनू जैन (इंदौर),

वीरांगना झलकारी बाई कोरी की जयंती कल

दमोह (स्वतंत्र मत)। वीरांगना झलकारी बाई कोरी की 195वीं जयंती कल 22 नवंबर को बजरिया 3 हजारी की तलैया टीलेपुरा दमोह में प्रात: 11 बजे से मनाई जायेगी। वाहन रैली पठानी मोहल्ला, घंटाघर गली मोहल्ला से होते हुये कार्यक्रम स्थल पहुंचेगी।

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक -13 नगर निगम, जबलपुर

पत्र क्र./सं.अ./13 मुख्यालय /2026-27/एम/223
दिनांक 20.11.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती मीना दुबे पिता श्री महेन्द्र कुमार दुबे, पति प्रशांत दुबे पिन नं. 1000436453 वार्ड स्वामी दयानंद सरस्वती भूतल 175+100 व.फु. विक्रय पत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक -13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-13
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम जबलपुर, (म.प्र.)
निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाइन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण बेवसाईट https://mptender.gov.in पर देखा जा सकता हैं।

क्र.	टेंडर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य समयावधि एवं लागत (लाखों में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1.	2	3.	4	5	6
1.	PRO-792 Date: 30/11/26 2026_UAD_ 550999_1	संभाग क्र. 16 लाल बहादुर शास्त्री वार्ड अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर नाली एवं सड़क निर्माण कार्य। एवं पुलिया निर्माण कार्य। (पार्षद अनुशंसा)	04 माह 8.46	2000/- 8460/-	16/12/2026
2.	PRO-792 Date: 30/11/26 2026_UAD_ 550999_2	संभाग क्र. 16 लाल बहादुर शास्त्री वार्ड अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर सड़क निर्माण कार्य। (पार्षद अनुशंसा)	04 माह 8.46	2000/- 8466/-	16/12/2026
3.	PRO-792 Date: 30/11/26 2026_UAD_ 550999_3	संभाग क्र. 16 लाल बहादुर शास्त्री वार्ड अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर टाइल्स एवं अन्य मरम्मत कार्य विभिन्न स्थानों पर पेवर ब्लाक लगाना एवं सड़क का नाली निमार्ण कार्य । (पार्षद अनुशंसा)	04 माह 6.45	2000/- 8458	16/12/2026

नोट- निविदा से सम्बंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन वेबसाइट https://mptender.gov.in पर ही किया जावेगा, प्रथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री
नगर पालिक निगम, जबलपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम जबलपुर (म.प्र.)
निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदार से निम्नलिखित कार्य के लिए ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेंडर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1.	2	3	4	5	6
1.	न.नि.ज./प्रकाश 2026/ 27/02/पी.आर.ओ. 780 दिनांक 21/11/2026	SITC Of 16 Meter Highmast at Ward No. 65 Jabalpur	03 माह एवं 422101.00	2000.00 एवं 4250.00	4/12/2026 (2NDCall)

नोट:- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन की https://mptenders.gov.in की वेबसाईड पर किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री (विद्युतीय)
नगर पालिक निगम जबलपुर

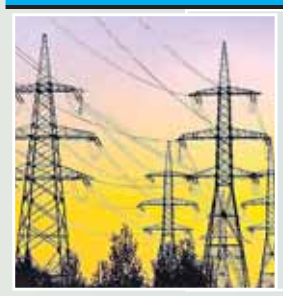
▶▶ मुख्यमंत्री बाल हृदय उपचार योजना का मिला लाभ



हृदय रोग से ग्रसित बालक को मिला नया जीवन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत हृदय रोग से ग्रसित 09 वर्ष 09 माह के बालक निहान खापरे पिता निवासी- उखरी रोड को मुख्यमंत्री बाल हृदय उपचार योजना के माध्यम से सफल सर्जरी उपरांत स्वास्थ्य लाभ मिला। निहान खापरे हृदय रोग से ग्रसित है। बालक के उपचार के लिए राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुये बालक का रजिस्ट्रेशन कराकर परिजन की सहमति उपरांत बालक को नारायणा हृदयालय मुम्बई रैफर किया गया। जहां बालक की सफल सर्जरी नि:शुल्क की जाकर नया जीवन प्रदान किया गया। सफल सर्जरी के बाद बालक के परिवार ने मुख्यमंत्री, जिला कलेक्टर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक आदि का आभार माना।

▶▶ बिजली की मांग 19,958 मेगावाट के सर्वोच्च शिखर पर



शत-प्रतिशत आपूर्ति कर मध्यप्रदेश ने बनाया नया रिकॉर्ड

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मप्र में बिजली की मांग आज अब तक के सर्वोच्च शिखर पर पहुंच गई। प्रदेश में सुबह 8 बजकर 55 मिनट पर बिजली की अधिकतम मांग 19,958 मेगावाट दर्ज की गई। खास बात यह रही कि बिजली की इस रिकॉर्ड मांग की शत-प्रतिशत आपूर्ति सुनिश्चित की गई। प्रदेश में मांग के अनुरूप पूरी बिजली उपलब्ध कराकर विद्युत कंपनियों ने निर्बाध आपूर्ति की प्रतिबद्धता को प्रभावी ढंग से पूरा किया। इसके साथ ही मप्र ने अपनी पिछली अधिकतम मांग का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। यहां अधिकतम मांग 6,370 मेगावाट दर्ज की गई, जबकि इससे पहले 14 जनवरी को 6,362 मेगावाट की मांग दर्ज हुई थी। इस प्रकार मध्य क्षेत्र की मांग में भी पिछले रिकॉर्ड की तुलना में 8 मेगावाट की वृद्धि हुई।

परत दर परत खुल रहीं सिवनी पुलिस की नई-नई करतूतें, हाईकोर्ट में लगी याचिका

डेयरी संचालक को झूठे गांजा केस में फंसाने का आरोप, सुनवाई जल्द

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हुए सिवनी पुलिस के अधिकारियों का वीडियो देशभर में चर्चा का विषय बन गया है। सिवनी पुलिस के इस वीडियो के सामने आने के बाद अब एक के बाद एक नए नए खुलासे सामने आ रहे हैं। ऐसा ही एक मामला सिवनी जिले के घंसौर में डेयरी संचालक आदित्य उर्फ अज्जू का सामने आया। आदित्य की पत्नी विनिता ने आरोप लगाया है कि पुलिस ने 1 लाख रुपए की मांग की थी। रुपए देने से इनकार करने पर पति को घर के पास से जबरन उठाकर एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के मुताबिक आदित्य फिलहाल सिवनी जेल में बंद है। पुलिस की कार्यवाही को चुनौती देते हुए 19 नवंबर को हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई है। मामले में जल्द सुनवाई होने की बात कही गई है।



कैमरे में रिकॉर्ड हुई पुलिस की कार्यवाही

याचिका के मुताबिक, 29 अक्टूबर को दोपहर करीब 1 बजकर 10 मिनट पर घंसौर थाना प्रभारी लक्ष्मण झारिया पुलिस टीम के साथ आदित्य के घर पहुंचे। आरोप है कि पुलिस ने बिना कोई बात किए उन्हें गाड़ी में बैठाया और एक लाख रुपए की मांग की। आदित्य ने रुपए देने से इनकार किया तो उन्हें जबरन थाने ले जाया गया। पुलिस ने एफआईआर में आदित्य की बाइक से गांजा बरामद होने का उल्लेख किया। याचिका में दावा किया गया है कि पुलिस द्वारा आदित्य को घर के पास से ले जाने की घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हुई है। आदित्य को 29 अक्टूबर को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया था, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। आरोप है कि अगले दिन 30 अक्टूबर को पुलिस सीसीटीवी फुटेज डिलीट करने के लिए दोबारा मौके पर पहुंची और डीवीआर अपने साथ ले गई। हालांकि, तब तक पुलिस की कार्यवाही कैमरे में रिकॉर्ड हो चुकी थी।

आईजी से एसपी तक की शिकायत

आदित्य की पत्नी विनिता ने पुलिस की कार्रवाई के विरोध में सिवनी एसपी से लेकर डीआईजी और आईजी तक शिकायत की। याचिका में 17 नवंबर 2026 को एसपी को लिखित शिकायत और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य सौंपने का उल्लेख है। वहीं, जानकारी के मुताबिक, 18 नवंबर को भी सीसीटीवी फुटेज सौंपे गए। सुनवाई नहीं होने पर सीएम हेल्पलाइन में शिकायत की गई। याचिका में सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायत वापस लेने का दबाव बनाने का आरोप भी लगाया गया है। परिजनों पर सीसीटीवी फुटेज डिलीट करने का दबाव बनाने का आरोप भी लगाया गया है। याचिका में कहा गया है कि रिश्वत की मांग पूरी नहीं होने पर आदित्य के खिलाफ 1 किलो 206 ग्राम गांजे की कथित बरामदगी दिखाकर अपराध दर्ज किया गया। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता प्रमोद सिंह तोमर ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। इसमें घंसौर थाना प्रभारी लक्ष्मण झारिया, और संबंधित पुलिस अधिकारियों की भूमिका की निष्पक्ष जांच की मांग की गई है। अब इस मामले में जल्द सुनवाई हो सकती है।



स्वस्थ जीवनशैली और समय-समय पर जांच ही कैंसर से बचने का एकमात्र उपाय

विश्व अग्नाशय कैंसर दिवस पर जिनसार द्वारा चलाया गया जागरूकता कार्यक्रम

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

हितकारिणी सभा द्वारा संचालित जबलपुर इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग साइंसेज एंड रिसर्च (जिनसार) द्वारा विश्व अग्नाशय कैंसर दिवस के अवसर पर 20 नवम्बर को विक्टोरिया अस्पताल में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जबलपुर इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग साइंसेज एंड रिसर्च के बीएससी नर्सिंग द्वितीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने मरीजों एवं उनके परिजनों को अग्नाशय कैंसर के कारणों, जोखिम कारकों, शुरुआती लक्षणों, बचाव एवं समय पर जांच और उपचार के महत्व के बारे में जानकारी दी। साथ ही स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, संतुलित एवं पौष्टिक आहार लेने तथा तंबाकू एवं अत्यधिक शराब के सेवन से बचने के लिए जागरूक किया।

दिया महत्वपूर्ण संदेश

विद्यार्थियों ने कैंसर के शुरुआती लक्षणों की पहचान कर समय पर चिकित्सकीय परामर्श लेने तथा कैंसर से पीड़ित मरीजों एवं उनके परिवारों को भावनात्मक सहयोग प्रदान करने का संदेश भी दिया। कार्यक्रम का आयोजन संस्थान की प्राचार्य प्रो. डॉ. प्रिंसी शाजी के मार्गदर्शन में बी.एससी. नर्सिंग द्वितीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम का समन्वय प्रियंका गैगोले एवं रिशिता परवार ने किया। कार्यक्रम के माध्यम से आमजन को अग्नाशय कैंसर के प्रति जागरूक रहने, समय पर पहचान एवं उचित उपचार के महत्व का संदेश दिया गया।

संत नामदेव जयंती पर निकली भव्य शोभायात्रा



जबलपुर (स्वतंत्र मत)। संत शिरोमणि श्री नामदेव महाराज की 756वीं जयंती के अवसर पर नामदेव आश्रम ट्रस्ट गढ़ाफाटक, मप्र नामदेव नवयुवक सभा एंव नामदेव जागृत महिला संगठन के संयुक्त तत्वाधान में 31वें वर्ष गढ़ाफाटक स्थित नामदेव भवन से भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में बैंड प्रस्तुति एवं झाकियां आकर्षण का केंद्र रही।

कांग्रेस सेवादल की बैठक में तैयार हुई रणनीति



जबलपुर (स्वतंत्र मत)। शहर कांग्रेस सेवादल द्वारा संगठन विस्तार को लेकर विशेष बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में शहर में सेवादल द्वारा ब्लॉक स्तर बुथ स्तर तक टीम बनाकर आगामी पार्षद चुनाव विधानसभा चुनाव में काम करने की सहमति बनी। साथ ही जबलपुर में होने वाली संविधान मार्च के विषय में रूपरेखा तैयार की गई। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ शर्मा, कांग्रेस नेता आलोक मिश्रा, नव नियुक्त मुख्य संगठन शहर अध्यक्ष सुधीर सोनू दुबे, प्रदेश महामंत्री झललेलाल जैन, प्रदेश सचिव सतीश तिवारी, प्रदेश सचिव अशोक बर्मन, प्रदेश सचिव जितेंद्र यादव, प्रदेश सचिव पूनम सोनकर आदि उपस्थित रहे।

कब्जाधारियों से मुक्त कराई गई वन विभाग की 20 एकड़ भूमि

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। वन सुरक्षा पखवाड़े के तहत बरगी वन परिक्षेत्र में कार्यवाही करते हुए लगभग 20 एकड़ वन भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया। वन विभाग की इस कार्यवाही से अतिक्रमणकारियों में हड़कंप की स्थिति रही। इस दौरान विभाग ने स्पष्ट किया है कि वन भूमि पर अवैध कब्जों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा। उल्लेखनीय है कि, 12 से 24 नवंबर तक जबलपुर वनमंडल में वन सुरक्षा पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसी क्रम में मुख्य वन संरक्षक मस्तराम बघेल, वनमंडल अधिकारी पुनीत सोनकर की टीम ने अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की। बरगी परिक्षेत्र के संरक्षित और अरक्षित वन क्षेत्रों को पूरी तरह अतिक्रमण मुक्त कराने का लक्ष्य रखा गया है। वन संपदा और प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा के लिए विभाग आगे भी सख्त कदम उठाएगा।

खाटू श्याम प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव आज

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

संस्कारधानी में 20 नवंबर को श्री श्यामजी महाराज प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ आज मनाया जाएगा। आयोजन की जानकारी देने के लिए आयोजकों द्वारा पत्रकार वार्ता आयोजित की गई, जिसमें बताया गया कि श्री गणेश परिवार श्री श्याम परिसर परिवार एवं श्री गणेश हनुमत छाया हाइट्स के संयुक्त तत्वावधान में होने वाले इस महोत्सव का मुख्य आकर्षण 101 फुट ऊंचे भव्य भगवा ध्वज की स्थापना रहेगा, भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा नगर महामंत्री रूपेश पिंटू पटेल ने जानकारी कि 19 नवंबर को अखंड श्रीरामायण पाठ प्रारंभ हो चुका हैं, वहीं 20 नवंबर को सुबह 9 बजे श्री गणेश हनुमत छाया हाइट्स से श्री श्याम परिसर तक ढोल-नगाड़ों के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, सुबह 10 बजे प्राण-प्रतिष्ठा एवं पूजन-अर्चन, 11 बजे संगीतमय भजन संध्या और दोपहर 2 से 4 बजे तक प्रसाद वितरण होगा। भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा नगर महामंत्री गणेश पटेल, दशरथ पटेल, नगर अध्यक्ष नवीन पटेल आदि मौजूद रहें ।



ट्रांजिट विजिट पर डुमना एयरपोर्ट पहुंचे मुख्यमंत्री



जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ यादव का प्रदेश के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत के साथ ट्रांजिट विजिट पर नरसिंहपुर से हेलीकाप्टर द्वारा दोपहर लगभग 2.25 बजे डुमना एयरपोर्ट पर आगमन हुआ। डुमना एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री का स्वागत विधायक अजय विश्नोई, अशोक रोहाणी एवं भाजपा के नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज आदि ने किया। मुख्यमंत्री डॉ यादव डुमना एयरपोर्ट पर लगभग 10 मिनट रुकने के बाद वायुयान से ग्वालियर के लिए रवाना हुए।

निद्रा से जागे भगवान, धूमधाम से मनाया गया शालिग्राम-तुलसी का विवाह

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। देवउठनी ग्यारस के अवसर पर शुक्रवार को गहोई समाज द्वारा भगवान शालिग्राम और माता तुलसी के विवाह का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। विवाह समारोह के पहले भगवान शालिग्राम की भव्य बारात निकाली गई। आजाद चौक स्थित गहोई धर्मशाला से दोपहर में शुरू हुई बारात में बड़ी संख्या में समाज की महिलाएं शामिल हुईं। बैंड-बाजों की धार्मिक धुनों पर महिलाएं भक्ति में सराबोर होकर जमकर थिरकीं। इस दौरान महिलाओं ने भगवान शालिग्राम को अपने सिर पर धारण कर बारात में सहभागिता की। बारात धार्मिक उल्लास के साथ आगे बढ़ते हुए बस स्टैंड के पास पहुंचकर संपन्न हुई। इसके बाद गन्ने से बनाए गए मंडप के नीचे भगवान शालिग्राम और माता तुलसी का विधि-विधान के साथ विवाह संपन्न कराया गया।



पमरे से गुजरेंगी 3 जोड़ी स्पेशल ट्रेन, तीनों का जबलपुर में ठहराव

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। छठ पर्व के बाद यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए सहरसा-लोकमान्य तिलक टर्मिनस-सहरसा के बीच एक-एक ट्रिप स्पेशल ट्रेन संचालित करने का निर्णय लिया गया है। गाड़ी संख्या 05525 सहरसा-लोकमान्य तिलक टर्मिनस स्पेशल दिनांक 20 नवंबर को सहरसा से रात्रि 21.45 बजे प्रस्थान कर विभिन्न स्टेशनों से होते हुए अगले दिन पश्चिम मध्य रेल के सतना 16.25 बजे, जबलपुर 19.45 बजे एवं इटारसी 23.45 बजे पहुंचेगी तथा तीसरे दिन 12.30 बजे लोकमान्य तिलक टर्मिनस पहुंचेगी। इसी प्रकार, गाड़ी संख्या 05526 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-सहरसा स्पेशल दिनांक 22 नवंबर को लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 15.30 बजे प्रस्थान कर विभिन्न स्टेशनों से होते हुए अगले दिन पश्चिम मध्य रेल के इटारसी स्टेशन पर अगले दिन 03.45 बजे, जबलपुर 07.10 बजे, सतना 09.50 बजे पहुंचेगी तथा तीसरे दिन प्रात: 05 बजे सहरसा पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 03259 दानापुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस वन-वे स्पेशल दिनांक 21 नवंबर को दानापुर से दोपहर 12.30 बजे प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन आरा, बक्सर एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, प्रयागराज छिवकी होते हुए सतना, जबलपुर स्टेशन होते हुए इटारसी स्टेशन पर प्रात: 08.30 बजे पहुंचेगी। इसके बाद भुसावल, मनमाड, नासिक रोड, कल्याण एवं ठाणे होते हुए रात्रि 23.55 बजे लोकमान्य तिलक टर्मिनस पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 05223 बरौनी-एर्नाकुलम वन-वे स्पेशल दिनांक 21 नवंबर को बरौनी से रात्रि 23 बजे प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन विभिन्न स्टेशनों से होते हुए अगले दिन पश्चिम मध्य रेल के सतना 12.50 बजे, कटनी 14 बजे, जबलपुर 15.40 बजे तथा इटारसी 19.50 बजे पहुंचेगी। इसके बाद नागपुर, विजयवाड़ा, नेल्लोर, रेनीगुंटा, काटपाडी, सलेम, इरोड, कोयंबटूर एवं पलक्कड़ होते हुए चौथे दिन प्रात: 07.00 बजे एर्नाकुलम पहुंचेगी।



विद्यार्थियों ने लिया लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने का संकल्प

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

भाजयुमो जबलपुर महानगर द्वारा निरंतर चलाए जा रहे 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को शहर की पश्चिम और उत्तर मध्य विधानसभा क्षेत्रों में व्यापक जनसंपर्क, छात्र संवाद एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। पश्चिम विधानसभा के शारदा चौक स्थित तक्षशिला महाविद्यालय तथा उत्तर मध्य विधानसभा स्थित अपराजित अकैडमी में आयोजित इन कार्यक्रमों में भाग लेकर लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने का संकल्प लिया। महानगर के शिक्षण संस्थानों में अभियान को मिल रहे निरंतर जनसमर्थन के चलते अब तक इस निबंध प्रतियोगिता में भाग लेने वाले कुल प्रतिभागियों की संख्या 850 के पार पहुंच गई है। भाजयुमो जिलाध्यक्ष रविंद्र तिवारी ने कहा कि जबलपुर महानगर के प्रत्येक महाविद्यालय और कोचिंग संस्थान में युवाओं का यह बढ़ता जुड़ाव इस बात का प्रमाण है कि नई पीढ़ी देश के लोकतांत्रिक मूल्यों को लेकर अत्यंत सजग और संवेदनशील है।



छात्र-छात्राओं ने अत्यंत उत्साहपूर्वक निबंध प्रतियोगिता में

सूट-बूट पहनकर यात्रियों से टिकट मांग रहा था फजी टीटीई, आरपीएफ ने दबोचा

टिकट ना रहने पर यात्रियों को दे रहा था धमकी, पूछताछ जारी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

जबलपुर से इटारसी जा रही गाड़ी संख्या 15018 में पिपरिया स्टेशन के पास एक फर्जी टीटीई यात्रियों के टिकट चेक करते पकड़ा गया। वह यात्रियों को नींद से जगाकर टिकट मांग रहा था और नहीं दिखाने पर अगले स्टेशन पर उतारने की धमकी दे रहा था। इसी बीच यात्रियों की सूचना पर 19-20 नवंबर की दरमियानी रात आरपीएफ की एस्कॉर्ट टीम ने उसे पकड़ लिया। पूछताछ में उसने टीटीई बनने की इच्छा पूरी नहीं होने की बात कही। बताया जा रहा है कि गाड़ी संख्या 15018 में जबलपुर से इटारसी तक अनुरक्षण और अपराध रोकथाम ड्यूटी पर तैनात एस्कॉर्ट पार्टी के हेड कांस्टेबल राजवीर और कांस्टेबल मुकेश कुमार रात्रि गश्त कर रहे थे। इसी दौरान पिपरिया स्टेशन के पास यात्रियों ने एक संदिग्ध व्यक्ति के टीटीई बनकर टिकट चेक करने की सूचना दी। सूचना मिलते ही टीम आगे से दूसरे सामान्य कोच में पहुंची और संदिग्ध व्यक्ति अनिल कुमार महोबिया को पकड़ लिया। पूछताछ में उसने करेली स्टेशन से ट्रेन में चढ़कर यात्रियों के टिकट चेक करना स्वीकार किया। उसके पास रेलवे का कोई पहचान पत्र या ड्यूटी संबंधी दस्तावेज नहीं मिला।



नींद से जगाकर मांग रहा था टिकट

एस्कॉर्ट टीम ने कोच में मौजूद यात्रियों से पूछताछ की तो उन्होंने बताया कि संदिग्ध व्यक्ति उन्हें नींद से जगाकर टिकट मांग रहा था। टिकट प्रस्तुत नहीं करने पर अगले स्टेशन पर उतारने की धमकी भी दे रहा था। समय रहते उसकी पहचान होने से यात्रियों को संभावित ठगी और अनधिकृत वसूली से बचाया जा सका। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर संदिग्ध को इटारसी में आरपीएफ पोस्ट और जीआरपी थाने ले जाया गया। क्षेत्राधिकार संबंधी स्थिति स्पष्ट होने के बाद एएससी-आई के आदेशानुसार उसे आगे की वैधानिक कार्यवाही के लिए जीआरपी थाना गाडरवारा में थाना प्रभारी एलपी झारिया के सुपुर्द कर दिया गया।



हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**